শর্মা হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 43 | गुवाहाटी | बुधवार, 6 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा की सबसे बड़ी उपलब्धि चाय जनजाति का विकास : भाजपा पेज 3

अमित शाह ने मंडला में जन आशीर्वाद यात्रा को दिखाई हरी झंडी, बोले - मप्र में... पेज 4

छात्रों के लिए आदर्श बनें शिक्षक, मॉर्निंग असेंबली को बनाएं पाठ्यक्रम का... पेज 5

आईएनडीआईए नेता स्टालिन की टिप्पणी देश विरोधी : धनखड़ पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
कार्य का स्वरुप निर्धारित हो जाने के बाद वह कार्य लक्ष्य बन जाता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

नगांव में गर्मी के कारण मौत

नगांव। असम के नगांव के उरियागांव में मंगलवार को हुई एक दुखद घटना में एक व्यक्ति की चिलचिलाती गर्मी के कारण मौत हो गई। अत्यधिक तापमान चिरजुल हक नाम के मृतक के लिए घातक साबित हुआ क्योंकि वह दमनकारी मौसम की स्थिति का सामना करने में असमर्थ था। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना तब घटी जब वह चाय पाउडर बेचने के लिए सवारी पर सवार होकर एक दुकान पर जा रहा था। संकट को बढ़ाते हुए, आपातकालीन चिकित्सा सेवा, 108 के खिलाफ बुलाए जाने के बावजूद उनकी अनुपस्थिति के लिए एक शिकायत की गई थी।

गुवाहाटी, सिलचर में सबसे अधिक तापमान

गुवाहाटी। असम में, बढ़ते तापमान और बहुत अधिक आर्द्रता के कारण राज्य भर में अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है। इस वर्ष, राज्य को गंभीर गर्मी की लहर जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण अप्रैल के महीने से कभी-कभार तापमान में वृद्धि हुई है। गुवाहाटी, सिलचर और राज्य के अन्य सभी प्रमुख शहरों में सितंबर का अब तक का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया और पारा 39.4 डिग्री को पार कर -शेष पृष्ठ दो पर

कोरोना की तरह खत्म होगा इस्लाम : हिमंत

नई दिल्ली /गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से करने वाले लोगों की धज्जियां उड़ा दी है। हिमंत विश्व शर्मा ने सनातन धर्म को खत्म करने की बात करने वाले डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन पर जमकर भड़ास निकाली है। सनातन धर्म के अपमान से गुस्साए शर्मा ने इस्लाम धर्म और ईसाई धर्म को लपेटे में लिया। हिमंत ने कहा कि हिंदू और सनातन के खिलाफ साजिश की सरगना कांग्रेस पार्टी है। क्योंकि जो बयान उदयनिधि ने दिया है वहीं बयान पी चिदंबरम के बेटे ने भी दिया था। यही बयान मल्लिकार्जुन ने भी दिया। देश में सनातन और हिंदू के खिलाफ कांग्रेस साजिश रच रही है। गुस्से में बैठे हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अगर कोरोना वायरस की तरह इस्लाम और ईसाई धर्म को खत्म कर दिया जाए तो आप क्या कहेंगे। हिमंत ने कहा कि स्टालिन से मेरा प्रॉब्लम नहीं है, मेरा प्रॉब्लम कांग्रेस से है। स्टालिन ने जो बात बोली है वहीं बात चिदंबरम के बेटे, मल्लिकार्जुन के बेटे ने भी बोला है। सनातन को ध्वंस करने का मकसद केवल स्टालिन के बेटे का नहीं बल्कि कांग्रेस का भी है। शर्मा ने बोला कि कांग्रेस ने कहा कि ये फ्रीडम ऑफ स्पीच है। कल अगर मैं मुसलमान के खिलाफ या क्रिश्चिन के खिलाफ ऐसा बयान दूं तो तो कांग्रेस बोलेगी कि ये फ्रीडम ऑफ स्पीच है। अगर कोई बोले की इस्माल को मैं खत्म कर दूंगा या खत्म हो जाना सही है, कोरोना जैसा। तब भी ये फ्रीडम ऑफ स्पीच है। आप खत्म करने का बात क्यों बोलते हैं, ये ठीक नहीं है। इसका मेन किंगपिन राहुल गांधी ही है, जिनके इशारा में लोग ऐसा बात करते हैं।

सनातन धर्म मामला : सुप्रीम कोर्ट से उदयननिधि पर कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। 14 जज, 130 व्यूरोक्रेट्स और 118 रिटायर्ड सैन्य अफसरों ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखकर दखल देने की मांग की है। 262 शख्सियतों ने कहा है कि सनातन धर्म को बीमारी बताने वाले उदयनिधि स्टालिन पर तमिलनाडु सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट से कार्रवाई करने की मांग की है। बता दें कि दो सितंबर को उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना से की। उन्होंने कहा कि मच्छर, डेंगू, फीवर, मलेरिया और कोरोना ये कुछ ऐसी चीजें हैं, जिनका केवल विरोध नहीं किया जा सकता, बल्कि उन्हें खत्म करना जरूरी होता है। सनातन धर्म भी ऐसा ही है। हालांकि तब कांग्रेस ने उदयनिधि के बयान से किनारा कर लिया था। लेकिन बाद में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे ने स्टालिन के बयान का समर्थन कर दिया। सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखने की पहल दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज एसएन ढींगरा और शिपिंग सेक्रेटरी गोपाल कृष्ण ने की थी। इन्होंने हेटस्पीच रोकने और शांति-व्यवस्था संभालने के लिए विचार करने की -शेष पृष्ठ दो पर

धूपगुड़ी में कड़ी सुरक्षा के बीच लोगों ने डाला वोट

जलपाईगुड़ी। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले की धूपगुड़ी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में मंगलवार शाम पांच बजे तक लगभग 76 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। कुछ जगह हंगामे की खबरें हैं। चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि शाम पांच बजे तक 75.82 फीसदी मतदान हो चुका था। कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं और पर्याप्त संख्या में बल मौजूद हैं। यहां कुल 2.6 लाख पात्र मतदाता उम्मीदवारों -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा उपचुनाव : बॉक्सानगर में 85.52 और धनपुर में 81.34 प्रतिशत वोटिंग

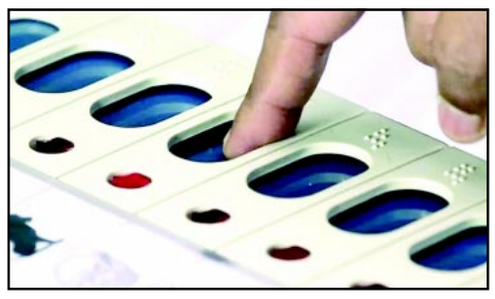

अगरतला। त्रिपुरा में कड़ी सुरक्षा के बीच बॉक्सानगर और धनपुर विधानसभा उपचुनाव में मतदान संपन्न हो गया। सिपाहीजला जिले में स्थित इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव आज सुबह सात बजे शुरू हुआ और शाम चार बजे तक चला। इस दौरान लोगों ने जमकर मतदान किया। राज्य चुनाव आयोग की से बताया गया है कि उचुनाव में बॉक्सानगर में 81.34 और धनपुर में 85.52 प्रतिशत मतदान हुआ। कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक, सिपाहीजाला जिले के चुनाव अधिकारी के मुताबिक चुनाव सुबह सात बजे से शुरू हुआ। धनपुर में एक और बोक्सानगर में दो स्थानों सहित तीन स्थानों पर ईवीएम में खराबी की सूचना मिली, जिसे तुरंत हल कर लिया गया। सुबह 9 बजे तक 18.92त्न मतदान हुआ। हालांकि, सुबह 11 बजे तक इन सीटों पर 40.11 प्रतिशत -शेष पृष्ठ दो पर

धारा 370 हटाने को लेकर एससी में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने अनुच्छेद 370 को रद्द करने और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 16 दिनों तक दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट ने सुनवाई के अंतिम दिन वरिष्ठ वकीलों कपिल सिब्बल, गोपाल सुब्रमण्यम, -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल गांधी ने इंडिया जोड़ो यात्रा क्यों नहीं की : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी/नई दिल्ली (एजे /हि.स.)। संसद के विशेष सत्र में भारतीय संविधान से इंडिया शब्द को हटाने की मांग उठने के साथ ही राजनीतिक गलियारों में शोर मचा हुआ है । इंडिया और भारत नाम पर लगातार बयानबाजी की जा रही है। इसे लेकर विपक्ष सरकार के खिलाफ हो गया है। वहीं, तमाम बयानों के बीच 5 अगस्त (मंगलवार) को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि हमारा देश भारत था, है और भारत ही रहेगा। कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन बनाया है। लोग दुकानें खोलते हैं और दुकानें बंद हो जाती हैं। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि हमारे देश का नाम अंग्रेजी शब्द में क्यों होना चाहिए? इसका भारतीय नाम होना चाहिए। कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा क्यों की? इंडिया जोड़ो यात्रा क्यों नहीं की? उन्होंने कहा कि हमारे संविधान में देश का मूल नाम भारत ही है...। सीएम शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

डॉ. शर्मा ने रिपब्लिक ऑफ भारत लिखकर मचाई खलबली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा देशवासियों से गुलामी की मानसिकता और इससे जुड़ी किसी भी चीज से आजाद रहने का आह्वान किया है। कयास ये लगाए जा रहे हैं कि आगमी संसद के विशेष सत्र में केंद्र सरकार संविधान से *इंडिया* शब्द हटाने के लिए विधेयक ला सकती है। सूत्रों ने दावा किया कि इससे जुड़े प्रस्ताव की तैयारियां जारी हैं। इसी बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने एक्स हैंडल से एक चौंकाने वाला पोस्ट कर दिया है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने लिखा कि रिपब्लिक ऑफ भारत खुश और -शेष पृष्ठ दो पर

देश के प्रति पारदर्शी और जिम्मेदार नहीं है सरकार : गौरव

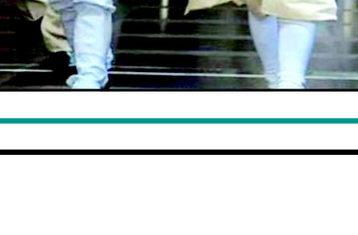

गुवाहाटी/नई दिल्ली। कांग्रेस ने 18 सितंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र से पहले मंगलवार को संसदीय रणनीति समूह की बैठक की। बैठक कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर शुरू हुई। बैठक में शामिल होने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी समेत अन्य प्रमुख 10 जनपथ पहुंचे। बैठक के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि आज सोनिया गांधी की अध्यक्षता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में हमारी संसदीय रणनीतिक समिति की बैठक हुई। जिसमें हमने उन अहम मुद्दों पर चर्चा की जिनका सामना आज देश कर रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, मणिपुर और हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा पर चर्चा हुई। कांग्रेस सांसद ने बताया कि 18 सितंबर से संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है लेकिन भाजपा ही नहीं बता पा रही है कि सत्र का एजेंडा क्या है। यह सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान के राष्ट्रपति भवन पर सेना का कब्जा

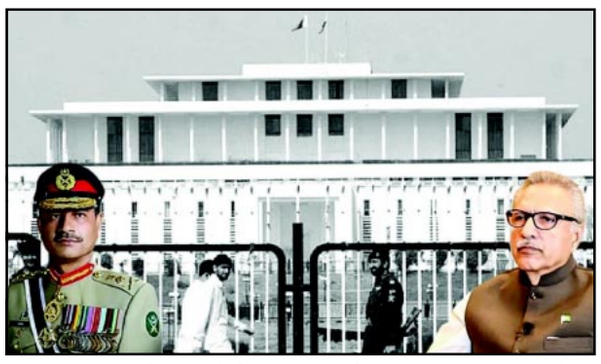

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सियासी घमासान जारी है। इमरान खान के जेल जाने के बाद भी ये बवाल थमा नहीं है। अब राष्ट्रपति और पाकिस्तानी सेना के बीच ठन गई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी इमरान खान के समर्थक माने जाते हैं। ऐसे में राष्ट्रपति अल्वी को पाक सेना ने घेर लिया है। यह कदम अल्वी को चुनाव की तारीखों की घोषणा करने से रोकने के लिए उठाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के राष्ट्रपति भवन पर सेना ने कब्जा कर लिया है। पाक सेना और शहबाज शरीफ गठबंधन चाहता है कि चुनाव को जितना संभव हो सके टाल दिया जाए। जबकि इमरान खान चाहते थे कि चुनाव समय पर हो। इमरान समर्थक अल्वी ऐसा कुछ न करें, इसीलिए पाक सेना ने उन्हें घेर लिया है। अल्वी को चुनावी तारीखें घोषित करने से रोकने के लिए धमकी दी गई है। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति के दफ्तर को ही खाली करा लिया गया है। दफ्तर में मौजूद स्टॉफ को भी निकाल दिया गया है। पाकिस्तानी आर्मी ने राष्ट्रपति भवन की चौथी मंजिल को अपने कब्जे में ले लिया है। आर्मी चीफ और आईएसआई को ये भनक लगी कि राष्ट्रपति अल्वी चुनाव का ऐलान करने वाले हैं। आर्मी चीफ और आईएसआई ने राष्ट्रपति से मिलकर कोई भी घोषणा करने से रोक दिया है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक तीखी रही और राष्ट्रपति के साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया गया। एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक का कहना है कि पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक मौजूदा हालात को देखते हुए 90 दिनों के अंदर चुनाव कराए जाने चाहिए। यदि राष्ट्रपति अल्वी ने चुनाव -शेष पृष्ठ दो पर

इंडिया की जगह भारत नाम के इस्तेमाल पर छिड़ा महासंग्राम

इंडिया की जगह भारत नाम के इस्तेमाल पर संग्राम छिड़ गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ से जी-20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को डिनर के लिए आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रपति के निमंत्रण पत्र परद प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया की जगह द प्रेसीडेंट ऑफ भारत लिखा गया है। इस कदम से इन अटकलों को बल मिला है कि सरकार देश का नाम केवल भारत करने और इंडिया नाम हटाने की योजना बना रही है। यह निमंत्रण शनिवार रात आठ बजे जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम में रात्रिभोज में शामिल होने के लिए है। प्रधान ने निमंत्रण पत्र की एक तस्वीर साझा करते हुए हैशटैग प्रेसिडेंट ऑफ भारत का इस्तेमाल किया और कहा कि जन गण

मन अधिनायक जय हे, भारत भाग्य विधाता। अब सरकार को भारत नाम पर दिग्गजों का साथ मिला है। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भारत माता की जय। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंदर सहवाग ने बीसीसीआई सचिव जय शाह को टैग करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि टीम इंडिया नहीं टीम भारत। इस विश्व कप में जब हम कोहली, रोहित, बुमरा, जडेजा के लिए जयकार कर रहे हैं, तो उम्मीद है कि हमारे दिल में भारत हो और खिलाड़ी जर्सी पहनें जिस पर *भारत* लिखा हो। वहीं, अब सुनील गावस्कर की ओर से भी इस पर प्रतिक्रिया सामने आई है, -शेष पृष्ठ दो पर

ममता ने इंडिया की जगह भारत लिखने पर जताई आपत्ति

कोलकाता। जी-20 सम्मेलन के रात्रिभोज कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र में *प्रेसिडेंट ऑफ भारत* लिखने पर राजनीति शुरू हो गई है। विपक्षी पार्टियां इसे लेकर सरकार पर निशाना साध रही हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर कहा कि आज उन्होंने (केंद्र सरकार) इंडिया का नाम बदल दिया है। जी-20 के रात्रिभोज के निमंत्रण पत्र में इंग्लिश में *भारत* लिखा गया है। हम इंडिया और इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन कहते हैं। वहीं हिंदी में हम भारत का संविधान कहते हैं। हम सभी भारत कहते हैं और इसमें नया क्या है? लेकिन इंडिया नाम दुनियाभर में जाना जाता है...अब अचानक से क्या हो गया कि उन्हें देश का नाम बदलने की जरूरत पड़ गई? -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राष्ट्रपति ने शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में देश भर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा का किसी के भी जीवन में मौलिक महत्व है। कई शिक्षाविद् बच्चों के संतुलित विकास के लिए श्री-एच फॉर्मूले की बात करते हैं। जिसमें पहला एच हार्ट, दूसरा एच हेड और तीसरा एच हैंड है। अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने इन तीनों एच को विस्तार से समझाते हुए कहा कि हार्ट यानी हृदय का संबंध संवेदनशीलता, मानवीय मूल्यों, चरित्र की मजबूती और नैतिकता से है। हेड या सिर या मस्तिष्क का संबंध मानसिक विकास, तर्क शक्ति और पढ़ने से है और हैंड यानी हाथ का संबंध शारीरिक कौशल और शारीरिक श्रम के प्रति सम्मान से है। ऐसे समग्र दृष्टिकोण पर बल देने से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव होगा। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षण पेशे में महिलाओं की भागीदारी को देखते हुए शिक्षक पुरस्कार प्राप्त करने वाली महिला शिक्षकों की संख्या अधिक होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिला सशक्तिकरण के लिए छात्राओं और शिक्षकों को प्रोत्साहित करना बहुत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार माना जाता है और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। राष्ट्र-निर्माता के रूप में शिक्षकों के महत्व को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षकों के साथ-साथ माता-पिता का भी यह कर्तव्य है कि वे प्रत्येक बच्चे की अद्वितीय क्षमताओं को पहचानें और संवेदनशीलता के साथ उन क्षमताओं को विकसित करने में बच्चे की मदद करें। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे पर विशेष ध्यान दिया जाए और उनके साथ स्नेहपूर्ण व्यवहार किया जाए और माता-पिता बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों को सौंपते हैं। एक कक्षा के 40-50 बच्चों के बीच प्यार बांटने का अवसर मिलना प्रत्येक शिक्षक के लिए बहुत सौभाग्य की बात है। राष्ट्रपति ने कहा कि हर कोई अपने शिक्षकों को याद करता है। बच्चों को शिक्षकों से जो प्रशंसा, प्रोत्साहन या सजा मिलती है वह उनकी यादों में रहती है। अगर बच्चों में सुधार लाने के इरादे से उन्हें सजा दी जाती है तो उन्हें इसका एहसास बाद में होता है। उन्हें ज्ञान देने से ज्यादा महत्वपूर्ण प्यार और स्नेह देना है।

हाफलोंग : मंत्री पीयूष हजारिका बैठक में शामिल

हाफलांग (हिंस)। मंत्री पीयूष हजारिका ने मंगलवार को एक विशेष बैठक की। हाफलांग के सर्किट हाउस के सेमिनार हॉल में आयोजित बैठक में मंत्री हजारिका ने आईपीएफ (इंडिजिनस पीपुल फोरम) की विभिन्न मांगों पर चर्चा की। मंत्री हजारिका ने बैठक में आईपीएफ के सहयोग से विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में मंत्री जोगेन मोहन, मंत्री नंदिता गार्लोसा के साथ उत्तर कछार हिल्स स्वायत्त परिषद के सीईएम, जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक ने भाग लिया। बैठक में भाग लेते हुए मंत्री ने कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने खिलंजिया (स्थानीय) लोगों से एक साथ आने और विरोध और हड़ताल को छोड़कर जिले के विकास के लिए काम करने की भी अपील की।

एसएसबी की 6वीं वाहिनी ने भारी मात्रा में अवैध लकड़ी जब्त की

कोकराझार (हिंस)। कोकराझाड़ जिला के रानीगुली स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 6वीं वाहिनी की शशिपुर समवाय को मिली गुप्त सूचना के आधार पर भारत-भूटान पिलर संख्या- 174 से लगभग 11 किमी भारत की ओर बालाझार गांव के पास रात्री नाका लगाया गया। अभियान के दौरान आज अवैध 165 सीएफटी लकड़ी, 2 पिकअप वैन और एक बाइक को जब्त किया गया। साथ ही एक तस्कर को मौके पर गिरफ्तार किया गया। जिसकी पहचान सुकर अली (30) के रूप में की गई है। जब्त किये गये अवैध लकड़ी, पिकअप वैन और बाइक सहित एक तस्कर को वन विभाग कोयला मोयला को सौंप दिया गया। 6वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर गस्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

कोकराझाड़ में बलात्कारी को 30 साल की कैद

कोकराझार (हिंस)। कोकराझाड़ जिला एवं विशेष सत्र न्यायाधीश की अदालत ने मंगलवार को नहरुल इस्लाम नामक एक दोषी को तीस साल कैद की सजा सुनाई और 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। कोकराझाड़ जिला और विशेष सत्र न्यायाधीश की अदालत ने जुर्माने की सजा को एक साल की अतिरिक्त जेल की सजा भी सुनाई है। गौरतलब है कि 2 अगस्त, 2021 को दोपहर करीब 2 बजे आरोपित नहरुल इस्लाम ने एक नाबालिग लड़की के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया था और आपत्तिजनक वीडियो तैयार किया था। नहरुल इस्लाम ने धमकी दी थी कि अगर इस बुरे कृत्य के खिलाफ किसी को बताया गया तो वीडियो को वायरल कर दिया जाएगा।

बाद में, परिवार ने बलात्कार के खिलाफ पुलिस से संपर्क किया और घटना के खिलाफ गोसाईगांव पुलिस स्टेशन में नहरुल इस्लाम, जुब्बर अली, जॉयनल अली और मुस्तफिजुर रहमान के खिलाफ मामला (संख्या 422/21) दर्ज कराया। उक्त मामले के आधार पर कोकराझाड़ में जयदेव कोचर की विशेष अदालत ने आज नहरुल इस्लाम (24) नामक बलात्कारी के खिलाफ फैसला सुनाया। अदालत ने आज जुब्बर अली, जॉयनल अली और मुस्तफिजुर रहमान को बरी कर दिया। कोकराझाड़ में जयदेब कोचर की विशेष अदालत ने पॉक्सो कानून की धारा चार और भारतीय दंड संहिता कानून की धारा 457 के तहत आज यह फैसला सुनाया।

ईशनिंदा : पाकिस्तान में पादरी की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हमले नहीं रुक रहे हैं। अब फैसलाबाद जिले में ईशनिंदा का आरोप लगाकर एक पादरी को गोली मार दी गयी है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर जुल्म लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हिन्दुओं के साथ जबरन धर्म परिवर्तन, बेटियों के अपहरण जैसी घटनाएं तो आम हैं ही, ईसाइयों पर लगातार हमले हो रहे हैं। पिछले दिनों ईशनिंदा के आरोप में कई चर्च और ईसाइयों के घर फूंक दिए गए थे। अब फिर एक पादरी पर हमला हुआ है। फैसलाबाद जिले की जारनवाला तहसील में म्योंग-सांग नासर्थ चर्च में काम करने वाले पादरी एलियाजर विक्की शाम को चर्च से घर लौट रहे थे, तभी उनकी हत्या का प्रयास किया गया। पुलिस के मुताबिक एलियाजर चर्च से घर लौट रहे थे, जब एक अज्ञात दाढ़ी वाले शख्स ने उन्हें गोली मारकर

घायल कर दिया। उन्हें ले जाया गया, जहां एक डॉक्टर ने उनका ऑपरेशन किया और उनके दाहिने हाथ से एक गोली निकाली। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस अधिकारी नवीद अहमद ने बताया कि पादरी की शिकायत पर अज्ञात संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पादरी ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा कि चर्च की बाहरी दीवार पर अरबी में एक आपत्तिजनक धार्मिक नारा लिखा हुआ था। इसके अलावा, उसे ईशनिंदा करने वालों में शामिल बताया गया था। पादरी के मुताबिक उन्होंने पुलिस को इसके बारे में बताया, लेकिन पुलिस ने इस मामले पर लीपापोती की। कुछ दिन पहले जब वे अपने बेटे को स्कूल छोड़ने गए, तो दाढ़ी वाले कुछ लोगों ने उन्हें रोका और कहा जिस तरह उनके लिखे नारे चर्च की दीवार से हटा दिए गए हैं, जल्द ही पादरी को भी भी हटा दिया जाएगा। पादरी ने संदेह जताया कि उन पर हमले के पीछे किसी कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी का हाथ हो सकता है।

पृष्ठ एक का शेष

सनातन धर्म मामला...

मांग भी की है। पत्र में लिखा गया कि उदयनिधि स्टालिन ने भारत के एक बड़े हिस्से के खिलाफ नफरत फैलाने वाला भाषण दिया है। पत्र में लिखा है कि संविधान में भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है इसलिए यह बयान सीधे तौर पर संविधान के खिलाफ है। इसके अलावा तमिलनाडु सरकार ने स्टालिन के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया, बल्कि उन्हें बचाने की कोशिश की। यह कानून का उल्लंघन है। 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को नफरत फैलाने वाले भाषण या बयान पर तुरंत एक्शन लेने का ऑर्डर दिया था। पत्र में सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का हवाला दिया और लिखा कि तमिलनाडु सरकार ने एक्शन लेने में देरी की। यह सुप्रीम कोर्ट का अपमान है। सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखने वालों में तेलंगाना हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस के श्रीधर राव, पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी और राज्यसभा के पूर्व महासचिव आईएएस योगेंद्र नारायण, भारत सरकार के पूर्व सेक्रेटरी आईएएस समीरेंद्र चटर्जी और आईएएस धनेंद्र कुमार, पूर्व रॉ चीफ आईपीएस संजीव त्रिपाठी भी शामिल हैं।

धूपगुड़ी में कड़ी ...

के भाग्य का फैसला करेंगे। चुनाव अधिकारी ने बतायाकि धुपगुड़ी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में सुबह 11 बजे तक 34 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि निर्वाचन क्षेत्र के 260 बूथों पर सुबह सात बजे कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शुरू हुआ। पूरे निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न मतदान केंद्रों के बाहर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। उल्लेखनीय है कि सीपीआई (एम) के ईश्वर चंद्र रॉय कांग्रेस-वाम गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि सत्तारूढ़ तृणमूल ने पेशे से शिक्षक निर्मल चंद्र रॉय को मैदान में उतारा है। वहीं भाजपा ने शहीद की पत्नी तापसी राय को उम्मीदवार बनाया है। मौजूदा भाजपा विधायक के निधन के बाद यह सीट खाली हुई थी।

त्रिपुरा उपचुनाव : बॉक्सानगर...

मतदान हो चुका था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय की एक रिपोर्ट में बताया गया कि सुबह 9 बजे तक बॉक्सनगर में 18.97 प्रतिशत और धनपुर में 18.71 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। धनपुर विधानसभा क्षेत्र के 59 बूथों और बॉक्सनगर के 51 बूथों पर सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ, मतदान शाम 4 बजे तक जारी रहा। त्रिपुरा चुनाव आयोग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक उपचुनाव में बॉक्सानगर में 85.52 और धनपुर में 81.34 प्रतिशत मतदान हुआ। उल्लेखनीय है कि बॉक्सानगर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सीपीआई (एम) विधायक समसुल हक के निधन और केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री प्रतिमा भौमिक के इस्तीफे के कारण ये सीटें खाली हुई थीं। इस चुनावी मुकाबले में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी सीपीआई (एम) के बीच है। कांग्रेस और त्रिपुरा विधानसभा में विपक्षी दल टिपरा मोथा ने इन उप-चुनावों में अपने उम्मीदवार खड़े नहीं किए। धनपुर में, चुनावी मुकाबला भाजपा के उम्मीदवार बिंदू देबनाथ और सीपीआई (एम) के कौशिक चंदा के बीच सीधा मुकाबला है। जबकि, अल्पसंख्यक बहुल बॉक्सानगर निर्वाचन क्षेत्र, जिसे अभी भी वाम दल का गढ़ माना जाता है, में भाजपा के तफज्जल हुसैन का मुकाबला अब सीपीआई (एम) के मिजान हुसैन से है। करीब 95,075 मतदाता किस्मत का फैसला करेंगे।

धारा 370 हटाने ...

राजीव धवन, जफर शाह, दुष्यन्त दवे और अन्य की दलीलें सुनीं। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता या उत्तरदाता की ओर से पेश कोई वकील लिखित दलील दाखिल करना चाहता है, तो वह अगले तीन दिनों में ऐसा कर सकता है। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि लिखित दलील दो पेज से ज्यादा की नहीं होनी चाहिए। पिछले 16 दिन में सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र और हस्तक्षेपकर्ताओं की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, वरिष्ठ अधिवक्ताओं- हरीश साल्वे, राकेश द्विवेदी, वी गिरि और अन्य को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का बचाव करते हुए सुना। वकीलों ने प्रावधान को निरस्त करने के केंद्र के 5 अगस्त 2019 के फैसले की संवैधानिक वैधता, पूर्ववर्ती राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित करने वाले जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम की वैधता, 20 जून 2018 को जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल शासन लगाए जाने, 19 दिसंबर 2018 को राष्ट्रपति शासन लगाए जाने और 3 जुलाई 2019 को इसे विस्तारित किए जाने सहित विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं को 2019 में एक संविधान पीठ को भेजा गया था। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के चलते पूर्ववर्ती राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया था।

राहुल गांधी ने ...

ने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष तो यही साजिश कर रहा की हिंदू धर्म को ही मिटा दो और अब वह यह भी विषय बना दिया है कि भारत को ही मिटा दो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हिंदू और भारत दोनों के खिलाफ है। उधर मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी हिंदू और भारत दोनों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हमारे देश का नाम भारत था, है और रहेगा। जब से सूरज, चांद है तब से भारत भी है। और जब तक सूरज चांद रहेगा, तब तक भारत भी रहेगा। उन्होंने कहा कि संविधान में इंडिया यानी भारत लिखा हुआ है। इससे साफ जाहिर होता है कि असली नाम भारत ही है। मुख्यमंत्री ने कहा की जयराम रमेश, राहुल गांधी, तमाम कांग्रेस और विपक्ष के नेता हिंदू धर्म और भारत दोनों को मिटाने पर तुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी को जरूरत होती है तब भारत शब्द का उपयोग कर लेते हैं और भारत जोड़ो यात्रा शुरू कर देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के गठबंधन का नाम इंडी एलाइंस है, न कि इंडिया एयरलाइंस। उन्होंने तकनीकी तौर पर आई, एन, डी, आई, एलायंस होने की बात कही। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने नई दिल्ली में आज पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में कहीं।

डॉ. शर्मा ने रिपब्लिक...

गौरवान्वित है कि हमारी सभ्यता साहसपूर्वक अमृत काल की ओर आगे बढ़ रही है। वहीं,कांग्रेस के नेता ने दावा किया कि राष्ट्रपति भवन में 9 सितंबर को होने वाले जी-20 के डिनर के आमंत्रण पत्र में प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा है। बता दें कि कुछ दिनों पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक सभा को संबोधित करते हुए देशवासियों से अनुरोध किया की लोग इंडिया की जगह भारत शब्द का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि हमारे देश का नाम सदियों से भारत रहा है। भाषा कोई भी हो, नाम एक ही रहता है। हमारा देश भारत है। हमें इंडिया नाम का उपयोग बंद करना होगा और सभी व्यावहारिक क्षेत्रों में भारत का उपयोग करना होगा। तभी परिवर्तन आएगा। उन्होंने आगे कहा कि में अपने देश को भारत कहना होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। एकता की शक्ति पर जोर देते हुए भागवत ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जो सभी को एकजुट करता है। आज दुनिया को हमारी जरूरत है। हमारे बिना दुनिया नहीं चल सकती। हमने योग के माध्यम से दुनिया को जोड़ा है।

देश के प्रति पारदर्शी ...

देश के प्रति पारदर्शी और जिम्मेदार नहीं है। हमारा सिद्धांत है कि देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी इन मुद्दों पर चर्चा और सुझाव देने के लिए तैयार है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि जब कभी विशेष सत्र बुलाया जाता है तो इसके विषय की जानकारी सभी पार्टियों को दी जाती है। एक एजेंडा तय किया जाता है। हम पहली बार देख रहे हैं कि पीएम मोदी और उनके सहयोगियों ने भारत बैठक से ध्यान हटाने के लिए 5 दिवसीय विशेष सत्र की घोषणा की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस सत्र के दौरान कौन-कौन से मामले उठाए जाएंगे, इसकी हमें कोई जानकारी नहीं है... आज कांग्रेस पार्टी ने फैसला किया है कि हम इस विशेष सत्र में हिस्सा लेंगे, लेकिन चर्चा जनता के मुद्दों पर होनी चाहिए। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के बीच सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मामलों पर चर्चा हुई है और इंडिया गठबंधन नेताओं से भी होगी। हम चाहते हैं कि विशेष सत्र में आर्थिक, राजनीतिक मुद्दों के साथ विदेश नीति और सीमाओं से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि विशेष सत्र में सरकार विपक्ष को साथ लेकर चलेगी। आज की बैठक के बाद हम मुद्दे चुनेंगे और मांग करेंगे कि सदन में खुलकर चर्चा हो।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति...

की घोषणा की होती, तो पीएम इमरान खान के खिलाफ चल रहा अभियान चल रहा होता। बड़ा झटका लगा होगा। सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति द्वारा जल्द ही चुनाव की तारीखों की घोषणा करने की खबर अंदर से लीक की गई है ताकि पाकिस्तानी सेना इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर दबाव बना सके और उसे बातचीत की मेज पर ला सके। तक लाया गया।

इंडिया की जगह भारत ...

जिसमें उन्होंने टीम इंडिया का नाम भारतीय टीम किए जाने का समर्थन किया है। गावस्कर ने कहा कि भारत नाम हमारे देश का मूल है। यह नाम हमारी संस्कृति को परिलक्षित करता है, लेकिन आज तक ना ही बीसीसीआई ओर से और ना ही सरकार की ओर से इस नाम का आधिकारिक ऐलान किया गया। वैसे भी मुझे नहीं लगता है कि भारत का नाम आधिकारिक रूप से ऐलान किए जाने से किसी को कोई आपत्ति होगी। उधर, इंडिया गठबंधन ने भारत नाम इस्तेमाल करने पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि जी-20 रात्रिभोज के निमंत्रण में राष्ट्रपति को प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत कहकर संबोधित किया गया है और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) से डर एवं नफरत के चलते सरकार देश का नाम बदलने में जुट गई है। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन बांटने वाली इस राजनीति के सामने नहीं झुकेगा और वह जीत हासिल करेगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि यह खबर वास्तव में सच है। राष्ट्रपति भवन ने जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए नौ सितंबर को प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के बजाय प्रेसिडेंट ऑफ भारत के नाम पर निमंत्रण भेजा है। उन्होंने कहा कि अब, संविधान में अनुच्छेद 1 में लिखा है कि भारत, अर्थात इंडिया, राज्यों का एक संघ होगा। लेकिन अब इस राज्यों के संघ पर भी हमले हो रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि इंडिया ही भारत है तो अचानक ऐसा क्या हुआ कि देश को केवल भारत ही कहना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया देश को इंडिया के नाम से जानती है। ममता ने यहां एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने सुना है कि भारत का नाम बदला जा रहा है। माननीय राष्ट्रपति के नाम से भेजे गए जी-20 के निमंत्रण पत्र पर भारत लिखा हुआ है। हम देश को भारत कहते हैं, इसमें नया क्या है? अंग्रेजी में हम इंडिया कहते हैं...कुछ भी नया नहीं है। दुनिया हमें इंडिया के नाम से जानती है। अचानक क्या हो गया कि देश के नाम को बदलने की जरूरत पड़ गई? तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भी इस मुद्दे को लेकर सरकार पर हमला बोला और कहा कि फासीवादी भाजपा शासन को उखाड़ फेंकने के लिए गैर-भाजपा ताकतें एकजुट हुईं और अपने गठबंधन को उपयुक्त नाम इंडिया दिया। अब भाजपा चाहती है इंडिया को बदलकर भारत कर दिया जाए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि भाजपा ने ट्रांसफॉर्म इंडिया वादा किया था, लेकिन हम 9 साल बाद देख रहे हैं सिर्फ नाम बदला जा रहा है! ऐसा लगता है कि भाजपा इंडिया शब्द के इस्तेमाल किए जाने से परेशान है क्योंकि वे विपक्ष के भीतर एकता की ताकत को पहचानते हैं। चुनावों के दौरान, इंडिया भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को सवाल किया कि यदि विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) अपना नाम भारत रख ले तो क्या भाजपा देश का नाम भारत से बदल कर कुछ और रख देगी। आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा गठबंधन से भयभीत है और यही कारण है कि वह इस तरह के बदलावों का सहारा ले रही है। उन्होंने इसे देशद्रोह करार दिया। बता दें कि 2 सितंबर को राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघ चालक मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम के दौरान लोगों से इंडिया की जगह भारत नाम इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा, इस देश का नाम सदियों से भारत है, इंडिया नहीं इसलिए हमें इसका पुराना नाम ही इस्तेमाल करना चाहिए।

ममता ने इंडिया ...

बंगाल सीएम ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि इंडिया, भारत है लेकिन दुनिया हमें इंडिया के तौर पर जानती है। ममता बनर्जी ने बंगाल के राज्यपाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्यपाल स्कूल-कॉलेज के संचालन में दखल दे रहे हैं। अगर राज्यपाल ने स्कूल-कॉलेजों में दखल देना जारी रखा तो हम फंड रोक देंगे। अगर जरूरत हुई तो मैं राजभवन के सामने धरने पर बैठूंगी। राज्यपाल बिल रोककर बैठे हैं। कांग्रेस ने भी सरकार के इस कदम की आलोचना की है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया है कि जी-20 के रात्रिभोज के लिए भेजे गए निमंत्रण पत्र में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया को बदला गया है और उसकी जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत शब्द का इस्तेमाल किया गया है। जयराम रमेश ने कहा कि जो इंडिया था, वह राज्यों का संघ था लेकिन अब तो राज्यों के संघ पर भी हमला किया जा रहा है। थरूर ने कहा कि सरकार इतनी बेवकूफ नहीं होगी जो इंडिया नाम को पूरी तरह से हटा दे, जिसकी सदियों में एक ब्रांड वैल्यू बनी है। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी जी-20 के रात्रिभोज निमंत्रण कार्यक्रम में इंडिया की जगह भारत नाम का इस्तेमाल करने पर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सरकार ने विपक्षी गठबंधन इंडिया से डरकर नाम में यह बदलाव किया है। केजरीवाल ने कहा कि देश 140 करोड़ लोगों का है किसी एक पार्टी का थोड़ी है। कल को अगर विपक्षी गठबंधन ने अपना नाम भारत रख लिया तो क्या भारत का नाम भाजपा रखेंगे। ये क्या मजाक है, ये देश है। इतने हजारों साल पुराना देश है। भाजपा को लग रहा है कि नाम रखने से इनके वोट कम हो जाएंगे तो देश का नाम बदल दो। ये देश के साथ गद्दारी है।

गुवाहाटी, सिलचर में ...

गया। क्षेत्रीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, गुवाहाटी में तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 6.4 डिग्री अधिक है लेकिन ऐसा लगता है कि तापमान 51 डिग्री सेल्सियस है और सिलचर में तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 7.4 डिग्री सेल्सियस अधिक है। इस साल सभी पूर्वोत्तर राज्यों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई। 1 जून से अगस्त तक असम में सामान्य से 13 फीसदी कम बारिश हुई। लोगों ने सितंबर में असामान्य रूप से गर्म मौसम की स्थिति के बारे में चिंता जताई है, इसके लिए वनों की कटाई और ग्लोबल वार्मिंग जैसे कारकों को जिम्मेदार ठहराया है। आईएमडी के मुताबिक अगले 4-5 दिनों में तापमान इसी तरह रहने की संभावना है।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल तृतीय अध्याय अध्याय

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(14)

ऋग साम यजु आश्रिता, वेद अथर्व महान।
जिसमें सब विज्ञान है, नेति नेति कर गान॥ 39॥

शब्दार्थ : (नेती) जिसका अंत नहीं।

भाष्य : जिसके आश्रय ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और महान ब्रह्मविद्या अथर्ववेद हैं, जिसमें समस्त विज्ञान हैं, जो प्रभु की महिमा गाने में नेति-नेति कहते हैं अर्थात उसकी महीमा का अंत नहीं पाते।

अज सुकृत ऋषि एक हैं, अर्पित जगहित मान।
ब्रह्मविद्या गुरु आदि हैं, जा महँ देव महान॥ 40॥

शब्दार्थ : (महान) सर्वश्रेष्ठ (अर्पित) अर्पण किया हुआ।

भाष्य : अज सुकृत ऋषि एक हैं, जो प्रभु द्वारा संसार के जीवों के कल्याण हेतु अर्पित किए गए हैं, ब्रह्मविद्या के आदि गुरु हैं एवं मेरे महान देव हैं।

गुवाहाटी-उत्तरी गुवाहाटी के बीच फेरी सेवा शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी के बीच फेरी सेवा आज से बहाल हो गई है। अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग ने एक अधिसूचना के माध्यम से यह खुलासा किया है। विभाग की अधिसूचना के अनुसार फेरी सेवा रात 8.15 बजे तक जारी रहेगी। गौरतलब है कि गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी के बीच नौका सेवा 29 अगस्त से निलंबित थी। अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग ने ब्रह्मपुत्र नद में बढ़ते जलस्तर के कारण नौका सेवाओं को निलंबित कर दिया था। फिलहाल विभाग ने ब्रह्मपुत्र का जलस्तर कुछ स्थिर होने के बाद पानी के खतरे के निशान से नीचे आने के बाद नौका सेवा बहाल करने का फैसला लिया है।

भाजपा की सबसे बड़ी उपलब्धि चाय जनजाति का विकास : भाजपा

डिब्रूगढ़ (हिंस)। चाय बागानों में अब विकास की राजनीति हो रही है। असम के चाय बागानों में अब झूठे प्रचार की राजनीति नहीं चलती है। चाय बागानों में असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा कांग्रेस के कुछ नेताओं को साथ लेकर जिस प्रकार झूठ का प्रचार कर रहे हैं वह चाय जनजाति के लोगों को समझ में आ रही है। चाय बागानों के लोग अब जागरूक हैं। इसलिए, असम के हर चाय बागान के लोग विकास के साथ हैं, भाजपा के साथ हैं, नरेंद्र मोदी और डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ हैं। भाजपा प्रवक्ता सुभाष दत्त ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को अब चाय बागानों में जाने में शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आधी सदी तक चाय बागानों के वोटों से सत्ता में आने वाली कांग्रेस के कार्यकाल में चाय बागानों के लोगों का कोई विकास नहीं हुआ। अब चाय बागान लाइन के किनारे की सड़क पक्की हो गई है। हर घर में शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है। घर-घर जाकर बैंक खातों में पैसा जमा किया जा रहा है। हर घर तक रसोई गैस पहुंचा दी गई है। हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचा दिया गया है। चाय श्रमिकों को पक्के मकान मिले हैं। हर घर के चाय श्रमिक को राशन कार्ड मिल गया है। उन्हें आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए की चिकित्सा सहायता का आश्वासन दिया गया है। यह भाजपा सरकार के नेतृत्व में ही संभव है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सरकार की देखरेख में यह संभव हुआ है। आज संवाददाता सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) डिब्रूगढ़ जिला उपाध्यक्ष और डिब्रूगढ़ मेयर डॉ. सैकत पात्र, ओबीसी मोर्चा असम प्रदेश उपाध्यक्ष उत्पल नेउग और प्रेस सेल सदस्य बिष्णु कोंच उपस्थित थे।

पूसी रेलवे ने जीता पीएमआई साउथ एशिया अवार्ड

गुवाहाटी (हिंस)। एक ऐतिहासिक क्षण में, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने अपनी प्रविष्टि *हाथियों के जीवन को बचाने के लिए इंट्रुशन डिटेक्शन सिस्टम* से माइक्रो प्रोजेक्ट ऑफ द ईयर के लिए पीएमआई साउथ एशिया अवार्ड हासिल किया है। पूसी रेल को 2 सितंबर को चेन्नई में आयोजित एक समारोह में यह पुरस्कार मिला। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया कि यह पहली बार है जब रेल मंत्रालय के अधीन किसी जोनल रेलवे ने वर्ष 2009 में इसकी स्थापना के बाद यह पुरस्कार जीता है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड या बीईएल ने उपविजेता का पुरस्कार जीता। वर्ष 2022 में, माइक्रो प्रोजेक्ट पुरस्कार आईबीएम ने प्राप्त किया था। इस प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार में हर साल कई प्रतिष्ठित संस्थान अपने नवाचारों का प्रदर्शन करते हुए भाग लेते हैं। पीएमआई दक्षिण एशिया पुरस्कार कार्यक्रम को क्षेत्र में परियोजना प्रबंधन समुदाय के लिए एक मान्यता के रूप में प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि इंट्रुशन डिटेक्शन सिस्टम (आईडीएस) हाथियों की सुरक्षा और ट्रेन परिचालन में गतिशीलता में सुधार के लिए एक पर्यावरणीय स्थायी समाधान है। यह प्रणाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित है और सेंसर के रूप में मौजूदा ऑप्टिकल फाइबर संबंधित स्थानों पर वन्यजीवों की गतिविधियों की जानकारी एकत्र करने के बाद नियंत्रण कार्यालयों, स्टेशन मास्टरों, गेटमैन और लोको पायलटों को अलर्ट प्रदान करने में उपयोगी होगा। यह ट्रैक पर हाथियों के सही समय पर मौजूदगी बताने के लिए डायलिसिस प्रकीर्णन घटना के सिद्धांत पर काम करने वाली ध्वनिक प्रणाली आधारित फाइबर ऑप्टिक का उपयोग करता है। यह एआई आधारित सॉफ्टवेयर मुख्य इकाई के दोनों ओर 40 कि.मी. (यानी कुल 80 कि.मी.) तक असामान्य गतिविधियों की निगरानी कर सकता है। इसके अलावा आईडीएस रेलवे ट्रैक पर रेल फ्रैक्चर, अतिक्रमण का पता लगाने और रेलवे ट्रैक के पास अनधिकृत खुदाई, ट्रैक के पास भूस्खलन आदि के कारण आपदा शमन के संबंध में भी सचेत करने में मदद करेगा।

डीएवी स्कूल में लायंस क्लब ने मनाया शिक्षक दिवस

गुवाहाटी (विभास)। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के उपलक्ष में आरजी बरुवा रोड स्थित डीएवी स्कूल में लायंस क्लब गुवाहाटी केयर ने अध्यापकों को सम्मानित कर भेंट स्वरूप उन्हें पौधा व गिफ्ट हैंपर दिए गए। इस अवसर पर लायंस जिला जीएनटी समन्वयक प्रेरणा अग्रवाल भी उपस्थित थी, जो स्वयं भारतवर्ष में प्रख्यात लायंस क्वेस्ट की प्रशिक्षक के साथ बच्चों के लिए बुक रीडिंग का कार्यक्रम भी आयोजित करती हैं। डीएवी स्कूल में प्रेरणा अग्रवाल एक लाइब्रेरी का संचालन भी करती हैं जहां मोबाइल व इलेक्ट्रिक उपकरणों को छोड़ बच्चों को अधिक से अधिक किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस अवसर पर क्लब कोषाध्यक्ष पूनम अग्रवाल, रश्मि बंसल, स्वाति अग्रवाल, शिवांगी भगत, सविता गाड़ोदिया, अंजना कांकरानीया, अनीता भारती, अंतिमा लोढ़ा, ज्योति चौधरी सहित अन्य सदस्याएं उपास्थित थी।

बजाली जिले में बड़े पैमाने पर पुलिस प्रशासन में फेरबदल

बजाली (हिंस)। जिले में पुलिस में भारी फेरबदल किया गया है। एसपी अजगवरन बसुमतारी के कार्यभार संभालने के तुरंत बाद जिले में फेरबदल किया गया है। असम पुलिस ने इस आशय की अधिसूचना जारी की है। विभाग ने जिले में 10 पुलिसकर्मियों के फेरबदल का आदेश दिया है। अधिसूचना के अनुसार एसआई (यूबी) विकासज्योति डेका को पाटाचारकुची थाना के ओसी के रूप में तैनात किया गया है। दूसरी ओर, एसआई (यूबी) अनिल कुमार दास को पाटाचारकुची पुलिस स्टेशन के सहायक अधिकारी के रूप में, डब्ल्यूयू एसआई (पी) दीप्ति गोगोई की नियुक्ति पाटाचारकुची पुलिस स्टेशन में किया गया है। अधिसूचना में यह भी उल्लेख किया गया है कि एसआई (पी) बिष्णु प्रसाद भुइयां को भवानीपुर पुलिस स्टेशन के आईसी के रूप में तैनात किया गया है। इसके अलावा बाघमारा थाने के एसआई (यूबी) रजत चंद्र बैश्य, सरुपेटा थाने के एसआई (यूबी) नजरुल इस्लाम को पाठशाला थाने का ओसी बनाया गया है।

आरएसएस ने राहत शिविर में वितरित किए शैक्षिक किट

इंफाल (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मणिपुर प्रांत और सेवा भारती मणिपुर ने संयुक्त रूप से आज उन छात्रों के बीच शैक्षिक किट वितरित की है, जो मोइरंग उप-मंडल के तहत लाईसोई के तकमू वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खोले गए राहत शिविर में रह रहे हैं। राहत शिविर में आयोजित एक सादे समारोह में पहली से बारहवीं कक्षा तक के 66 छात्रों को एक-एक बैग, पोशाक और एक जोड़ी जूते से युक्त शैक्षिक किट वितरित की गई। शैक्षिक किट पूणे के स्वातंत्र्य वीर सावरकर मंडल द्वारा प्रायोजित किए गए थे। गौरतलब है कि आरएसएस मणिपुर प्रांत (इकाई) और अन्य समान विचारधारा वाले संगठन के कार्यकर्ता बिष्णुपुर में खोले गए विभिन्न राहत केंद्रों में मुफ्त कोचिंग कक्षाएं

आयोजित कर रहे हैं, जिसमें तकमू वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी शामिल है। एक स्वैच्छिक, सामाजिक और मानवतावादी संगठन होने के नाते, आरएसएस कार्यकर्ता चल रहे जातीय संघर्ष के फैलने के बाद से विभिन्न राहत कार्यों में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। उल्लेखनीय है कि आरएसएस और नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ) ने पिछले चार महीनों के दौरान राज्य भर के विभिन्न राहत शिविरों में 50 से अधिक मुफ्त चिकित्सा शिविर आयोजित किए हैं। आरएसएस मणिपुर प्रांत के राज्य कार्यकारिणी सदस्य लैशराम जात्रा सिंह के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने राहत शिविर में उन लोगों से भी बातचीत की, जिनके घर राज्य में चल रहे जातीय संघर्ष के दौरान जला दिए गए थे। बातचीत के दौरान छात्रों और अभिभावकों ने जीवन की गुणवत्ता, आजीविका, बच्चों के लिए शिक्षा, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य जैसी रोजमर्रा पर की समस्याओं पर प्रकाश डाला।

श्रीमंत शंकरदेव संघ मनाएगा बाल कल्याण दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। श्रीमंत शंकरदेव संघ के तहत गुवाहाटी शहर जिला शाखा की बाल और मातृ कल्याण शाखा समिति की पहल के तहत शंकरी संस्कृति केंद्र, रूपनगर, 10 सितंबर को बाल कल्याण दिवस मनाया जाएगा। रविवार को एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ बाल कल्याण दिवस मनाया जाएगा। रात 9.30 बजे गुवाहाटी (कामरूप- मेट्रो) जिले की शाखा के अध्यक्ष हीरेंद्र कुमार डेका बच्चों को गुरुओं से परिचित कराएंगे। सुबह 11 बजे बच्चों के बीच साहित्य, संस्कृति और खेलकूद प्रतियोगिता के कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमंत शंकरदेव संघ के पदाधिकारी भबेन्द्र नाथ डेका करेंगे। साहित्यिक खंड के विषय बरगीत, कोमल कविता पाठ *करतल-कमल*, भागवत, कीर्तन, नामघोषा पाठ हैं। संस्कृति खंड में वेशासन प्रदर्शन -शिशु कृष्ण, श्रीमंत शंकरदेव, श्रीश्री माधवदेव, कंस, पूतना, भकत (बाप-मां) प्रदर्शन होंगे। खेल-हंसी मजाक के पार्ट में म्यूजिक शेयर, टेकेली भंगा, उठक-बैठक तथा पानी पार विषय होंगें।

सुसाइड नोट लिखकर महिला पुलिसकर्मी लापता

गुवाहाटी (हिंस)। पलटन बाजार थाने की एक महिला पुलिसकर्मी लापता हैं। लापता महिला कांस्टेबल के ब्रह्मपुत्र में डूबकर आत्महत्या करने का संदेह है। कांस्टेबल का नाम गायत्री हजारिका है। गायत्री हजारिका का घर नगांव के बरहमपुर में है। उल्लेखनीय है कि गायत्री शिलसांको के अतिक्रमण विरोधी अभियान में ड्यूटी कर रही थी। गायत्री ने कई बार शीर्ष अधिकारियों से कहा था कि वह शिलसांको में ड्यूटी नहीं करेंगी।

रंगिया में सोल्लास मनाया गया शिक्षक दिवस

रंगिया (विभास)। अवसरप्राप्त पुलिस संचालक प्रधान कुलधर सैकिया ने आज आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पढ़ने का उपदेश देने तक सीमित नहीं रहकर अभिभावकों को पढ़ने का अभ्यास रखने का आह्वान किया। रंगिया के हरदत्त बिरदत्त भवन प्रांगण में कामरूप जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जिलाव्यापी शिक्षक दिवस के मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में असम साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि आज के बच्चों को सिर्फ सलाह या निर्देश देकर काम करने के लिए बाध्य नहीं कराया जा सकता। उन्हें घर या स्कूल में अच्छे उदाहरण स्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चों को पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ मानवीय व्यवहार भी सिखाया जाना चाहिए। बैठक में जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे, गुवाहाटी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार जयदीप शर्मा और जिला के अतिरिक्त आयुक्त तथा रंगिया के महकमाधिपति दिपन बर्मन भी उपस्थित थे। जिन्होंने अपना बहुमूल्य भाषण दिया। समारोह में कामरूप जिले के 14 चयनित शिक्षकों को कृति शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अतिथि के रूप में अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. जीवन किशोर गोस्वामी एवं जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजन में कामरूप अधिविद्या परिषद द्वारा *कामरूपोर विद्यालोयोर गुरी कोथा* शीर्षक एक ग्रंथ के अलावा *कामरूपिका* नामक हाथों से लिखी स्मृति ग्रंथ का उन्मोचन किया गया।

होजाई के पूर्व प्रधान शिक्षक जनार्दन शर्मा का सम्मान

होजाई (निसं)। होजाई के इस्लामनगर हाईस्कूल के पूर्व प्रधान शिक्षक जनार्दन शर्मा को शिशु साहित्य उत्तरण संस्था,गुवाहाटी की तरफ संघर्षपूर्ण शिक्षक जीवन को देखते हुए सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मान में प्रशंसा पत्र, फूलम गामोछा व किताब भेंट की गई। उनका सम्मान शिक्षक दिवस के पूर्व संध्या यानी सोमवार सांय को गुवाहाटी स्थित गुवाहाटी प्रेस क्लब के सभागार में किया गया। उनके इस सम्मान से उनसे पढ़े हुए विद्यार्थियों व उनके शुभचिंतकों में काफी खुशी है। वह एक अच्छे शिक्षक के साथ-साथ बेहतरीन लेखक भी है। उन्होंने होजाई में रहते हुए कई दशकों तक पत्रकारिता के क्षेत्र में भी अपनी सेवाएं दी फिलहाल वह मोरीगांव में निवास करते हैं। गौरतलब है उक्त कार्यक्रम में शिक्षक जीवन की अभिज्ञता व अनुभव नामक पुस्तक का भी विमोचन हुआ और राज्य के कुल 30 पूर्व शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस संवाददाता से बात करते हुए जनार्दन शर्मा ने बताया कि उक्त सम्मान से वह काफी खुशी महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक जीवन में हमने मोमबत्ती के तरह जलते हुए अपने छात्रों को अपने अनुभव से ज्ञान बांटते थे और आज हमारे पढ़ाई में छात्र देश की उन्नति में अपना योगदान दे रहे हैं।

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर 50 लाख रुपए की बर्मीज सुपारी जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। जीआरपी ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर सोमवार रात 31 बोरी अवैध बर्मीज सुपारी जब्त की है। इसे अवध असम एक्सप्रेस बरामद किया गया। जीआरपी के प्रवक्ता के मुताबिक जब्त सुपारी का बाजार मूल्य करीब 50 लाख रुपए है। यह सुपारी डिमापुर से लाई गई थी।

शिक्षकों को लायंस उमंग ने किया सम्मानित

गुवाहाटी (विभास)। शिक्षक दिवस के मौके पर नारंगी स्थित बोंदा हाई स्कूल में कार्यरत शिक्षकों को लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की और से सम्मानित किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में स्कूल में कार्यरत सभी शिक्षकों को सम्मानित कर समाज निर्माण में उनके योगदान की खुले दिल से प्रशंसा की गई। प्रचंड गर्मी को देखते हुए स्कूल में मौजूद सभी बच्चों एवं शिक्षकों के लिए अध्यक्ष श्रीमती पोद्दार के सहयोग से ग्लूकोन-डी के पैकेटों का वितरण किया गया। वही जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में नीलम जैन के सहयोग से हरिजन बस्ती में जरूरतमंदों के बीच साड़ी का वितरण भी किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, कार्यक्रम संयोजीका अनिमा गोयल, सरोज जालान आदि सदस्याए मौजूद थी।

रंगिया में विहिप का स्थापना दिवस के साथ श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन आज

रंगिया (विभास)। हरवर्ष की तरह इसबार भी विश्व हिंदू परिषद की उत्तर कामरूप जिला समिति द्वारा परिषद के स्थापना दिवस के साथ भगवान श्रीकृष्ण के जन्माष्ठमी महोत्सव का विशाल आयोजन किया गया है। एक दिवसीय व्यापक कार्यक्रमों के साथ यह कार्यक्रम बुधवार, 19 भादों (6 सितंबर, 2023) को रंगिया मुराग स्थित पूव रंगिया प्रगति संघ मैदान प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। जिला समिति के अध्यक्ष रंजन कुमार बैश्य, सचिव शैलजानन्द भट्टाचार्य द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार महोत्सव के आयोजन को लेकर समिति द्वारा हरएक तैयारियां पूरी कर ली गई है। महोत्सव आयोजन समिति में रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता अध्यक्ष के साथ ही कार्यवाहक अध्यक्ष रंगिया अमरेन्द्र लहकर, सह-कार्यवाहक अध्यक्ष अंजन भुइयां,

महासचिव मृदुल डेका, सह-सचिव दिनमनी डेका, बलेन सील, प्रणव कलिता, शंकर काकोती, हरिचरण बोड़ो, हिरकज्योति कलिता, विनोद दास, गणपति सालोई, कोषाध्यक्ष- राजेश बजाज, हिसाब परीक्षक लखिकांत महंतो को दायित्व भार सौंपा गया है। इसके अलावा विभिन्न उप-समितियों का गठन कर विभिन्न कार्यभार सौंपा गया है। महोत्सव के अंतर्गत विश्व हिंदू परिषद उत्तर कामरूप जिला समिति के अध्यक्ष रंजन कुमार बैश्य द्वारा सुबह 9.00 बजे धार्मिक ध्जारोहण, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ उत्तर कामरूप जिला के सह संघ चालक डॉ. खनिन्द्र कलिता सुबह 9.30 बजे गौ माता पूजन तत्पश्चात सुबह 10.00 बजे धर्मालोचनी सभा का आयोजन किया जाएगा जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ असम प्रांत के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख डॉ. सुनील माहान्ति मुख्य वक्ता सहित विश्व हिंदू परिषद उत्तर पूव प्रांत के समरस्ता प्रमुख अनूप दास आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। महोत्सव के दौरान सुबह 11.00 बजे एक विशाल सांस्कृतिक शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा जोकि आयोजन स्थल से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई पुन: आयोजन स्थल तक पहुंचेगी। इसका उद्घाटन रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम के अन्तर्गत दोपहर 2.00 बजे प्रसाद व भोग वितरण के अलावा सायं 6.30 बजे पूजा प्रारंभ की जाएगी। इस मौके पर आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम में सभी भक्तों की उपस्थिति, सहायता और सहयोगिता की कामना की गई है।

श्री जानकी बल्लभ मंदिर दिसपुर में श्री श्री कृष्णजन्माष्टमी उत्सव आज

श्री 24वां कृष्णजन्माष्टमी उत्सव आज दिनांक 6-9-2023 बार बुधवार को बड़े धूमधाम से प्रत्येक वर्ष की भांति मनाया जाएगाष जिसमें मार्कीमिंडल द्वारा रात 9 बजे से रात्र 12 बजे तक भजन कीर्तन का आयोजन होगा। इस बीच भगवान बालमूंकुन्द भगवान श्री कृष्ण की झांकी निकाली जाएगी, रंग रंगोली होली खैलते हुए तथा भगवान की आरति पुष्पांजलि करते हुए फलहारों प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र में हिंदी पखवाड़ा आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, गुवाहाटी में आज से हिंदी पखवाड़े की शुरुआत की गई। इस अवसर पर डॉ. संजय ओनील शॉ, वैज्ञानिक-ए, सुनीत दास, वैज्ञानिक-ए, शैलेन सैकिया, मौसम विज्ञानी- बी, सितांशु देब, विज्ञानी-बी तथा कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. गीतेश सिंह, प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालय, बोरझार, गुवाहाटी थे। कार्यक्रम की शुरुआत राजा शॉ, कनिष्ठ अनुवादक अधिकारी ने की। डॉ. शॉ ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, गुवाहाटी के सभी कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग हो रहा है। सोनू कुमार, अवर श्रेणी लिपिक (हिंदी सहायक) ने हिंदी पखवाड़े के अवसर पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं जैसे टिप्पणी लेखन, शब्द अनुवाद, कविता पाठ, पत्र लेखन आदि के आयोजन के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए हिंदी दिवस की महत्ता तथा भाषा की विविधता के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा तभी सशक्त हो सकती है जब इसका अधिकाधिक प्रयोग किया जाए। उन्होंने सभी को हिंदी पखवाड़े में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित भी किया।

एपीएस अधिकारी शुभलक्ष्मी हो सकती है गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम-पुलिस सर्विस (एपीएस) अधिकारी शुभलक्ष्मी दत्ता को किसी भी समय गिरफ्तार किया जा सकता है। आरोप है कि शुभलक्ष्मी पुलिस से बचने का बहाना बनाकर भाग गई है। ज्ञात हो कि शुभलक्ष्मी दत्ता पर घर की नौकरानी को प्रताड़ित करने का आरोप है। असम पुलिस ने नाजिरा में घर में काम करनेवाली महिला को कथित तौर पर प्रताड़ित करने के लिए शुभलक्ष्मी दत्ता को निलंबित कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने शुभलक्ष्मी की तलाश में मंगलवार को गुवाहाटी में छापा मारा। यह छापेमारी भाजपा के पूर्व विधायक कुशल दुवरी के आवास पर की गई। कहा जाता है कि शुभलक्ष्मी कुशल दुवरी के आवास पर छिप गई थी।

वन बंधु परिषद, नगांव की महिला समिति ने मनाया शिक्षक दिवस

नगांव (निसं)। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष में समग्र देश के साथ यहां भी शिक्षक दिवस मनाया गया। इसी क्रम में वन बंधु परिषद नगांव एकल अभियान की महिला समिति द्वारा महाराजा अग्रसेन भवन में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम बहुत ही सुंदर एवं सुचारु रूप से आयोजित किया। इस अवसर पर नगांव अंचल के प्रमुख मनजीत नायक ने मंच संचालन करते हुए एकल महिला समिति की अध्यक्ष प्रेमलता टिबड़ेबाल सहित सभी अतिथियों को मंचासीन करवाया। बाद में सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। आचार्य पद्धति की प्रस्तुति के पश्चात परिचय सत्र का आयोजन किया गया तथा आज के कार्यक्रम के उद्देश्य की व्याख्या की गई। कार्यक्रम में नगांव के साथ सामागुड़ी, जाखलाबांधा, कोठियातुली, लंका, बटद्रवा, धिंग, मिकिरभेटा, गेरुवा तथा विभिन्न इलाकों के संच प्रमुख एवं आचार्य उपस्थिति थे। संच प्रमुखों एवं आचार्य द्वारा गीत एवं भजनों की प्रस्तुति के बाद सभी आचार्य (शिक्षकों) का अभिनंदन किया गया। जिसमें सभी को एक-एक शाल, कलम, सर्टिफिकेट एवं मिठाई के डिब्बे प्रदान किए गए।

आशीर्वचन सारंग खटुवाला द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर नगांव एकल अभियान के अरुण नागरका के अतिरिक्त महिला समिति की अध्यक्ष प्रेमलता टिबड़ेबाल, सचिव सरिता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनीत खदड़िया, संयुक्त सचिव सुधा अग्रवाल, बबीता बगड़िया, मंजु अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, लता अग्रवाल, विद्या चौधरी, सुमित्रा खेतान एवं कुसुम सेठिया उपस्थित थी। सामूहिक शांति पाठ के पठन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सभी आचार्य शिक्षकों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर मिले उक्त सम्मान हेतु नगांव एकल अभियान एवं महिला समिति को धन्यवाद दिया है।

अमित शाह ने मंडला में जन आशीर्वाद यात्रा को दिखाई हरी झंडी, बोले- मप्र में फिर बनेगी भाजपा सरकार

मंडला, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को मप्र के एक दिवसीय प्रवास के दौरान मंडला में भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपके आशीर्वाद के साथ ये जन आशीर्वाद यात्रा शुरू कर रहे हैं। ऐसी पांच यात्रा प्रदेश की 210 विधानसभा में घूमकर भोपाल जाएंगी। आज दावे से कहने आया हूं कि यात्रा खत्म होने के बाद 150 सीटों के साथ मप्र में फिर भाजपा सरकार बनाएगी। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने अपने संबोधन की शुरूआत आदिवासी जननायकों और नर्मदा को नमन करते हुए किया। उन्होंने कहा कि मेरे हृदय के करीब रहने वाले आदिवासी भाई-बहनों को नमस्कार। मां नर्मदा को प्रणाम। जिस प्रदेश से मैं आता हूं, वहां नर्मदा न पहुंचे तो हम गुजरात वाले कैसे जी सकते, इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते। गोंड राज्य की देवी रानी दुर्गावती को भी प्रणाम। रघुनाथ शाह और शंकर शाह को भी प्रणाम। इनका बलिदान पूरे देश के लिए प्रेरणा का श्रोत है। उन्होंने कहा कि मंडला को पूर्ण फंक्शनल साक्षर जिला घोषित किया गया है। मप्र को बीमारू राज्य बनाकर मिस्टर बंटाढार छोड़कर गए थे। भ्रष्टाचार, लूट-खसोट, बिना बिजली गरीबों का घर, बिना सिंचाई की खेती छोड़कर गए थे। भाजपा के मुख्यमंत्रियों ने इसे बेमिसाल बनाकर आगे बढ़ाने का काम किया। मप्र ने पेसा कानून को जमीन पर उतारने का काम किया है। मैं आदिवासी सम्मेलन में आया था, तब शिवराज ने धड़ाधड़ घोषणाएं कर दीं। मैंने पूछा कि ये पूरी हुई या नहीं, तो उन्होंने बताया कि सभी पूरी कर दीं। उन्होंने कहा कि मैं आज बंटाढार और कमलनाथ से पूछने आया हूं कि जब आपकी सरकार थी, तब आदिवासी कल्याण मंत्रालय का बजट कितना था? मनमोहन सिंह सरकार केवल 24 हजार करोड़ रुपया सालाना देती थी। मोदी सरकार ने बढ़ाकर 1.19 लाख करोड़ का कर दिया। 287 करोड़ रुपया एकलव्य स्कूलों के लिए खर्च करना शुरू किया। इसी बीच संथाली आदिवासी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाने का काम भी किया। कांग्रेस ने इतने सालों तक शासन किया, कभी आदिवासी बेटा-बेटी को राष्ट्रपति नहीं बनाया। शाह ने कहा कि यह विश्व में भारत की छवि सुधारने वाली सरकार है। पाकिस्तान से आए आतंकवादी हमारे जवानों के सिर काटकर ले जाते थे। कांग्रेस की सरकार उफ नहीं करती थी। पुलवामा, उरी में हमला हुआ। मगर आतंकवादी भूल गए। सरकार बदल गई है। कांग्रेस की सरकार नहीं है। भाजपा की सरकार है। मनमोहन मौनी बाबा प्रधानमंत्री नहीं हैं। मोदी हैं। 10 दिन के अंदर पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकवादियों के सिर काटकर ले आए।

वित्त मंत्री ने कहा- चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता

मुंबई/नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को वैश्विक नेताओं से एक जिम्मेदार वित्तीय प्रणाली बनाने लिए सहयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने बैंकों और वित्त संस्थानों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि उनके ग्राहक अपने उत्तराधिकारी को नामित करें, जिससे बिना दावा की धन राशि को कम करने में मदद मिल सके। सीतारमण ने यहां ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2023 के चौथे संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने 'जिम्मेदार वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए वैश्विक सहयोगः समावेशी, लचीला और टिकाऊ' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि चाहे रणनीतिक मुद्दा हो, अर्थव्यवस्था का मुद्दा हो या कोई और सभी से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की जरूरत है। वित्त मंत्री ने फिनटेक कंपनियों से साइबर सुरक्षा में निवेश करने का आग्रह किया और कहा कि विश्वास बेहद महत्वपूर्ण है। वित्त मंत्री ने बैंकों तथा वित्त संस्थानों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि उनके ग्राहक अपने उत्तराधिकारी को नामित करें, जिससे बिना दावा की धन राशि को कम करने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि देश में डीमैट अकाउंट्स की संख्या वित्त वर्ष 2019-20 में 4.1 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 10 करोड़ हो गई। इसके साथ ही म्यूचुअल फंड और एसआईपी की भी रिकॉर्ड संख्या दर्ज. की गई है। दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक केवल बैंकिंग प्रणाली में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक ऐसी राशि है, जिस पर किसी का दावा नहीं है, जबकि ऐसा कुल धन करीब एक लाख करोड़ रुपये से अधिक बताया गया है।

जी20 के निमंत्रण पत्र पर 'प्रेसीडेंट ऑफ भारत' लिखने पर बिफरा विपक्ष

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से जी20 देशों के नेताओं को 9 सितंबर को भारत मंडपम में रात्रिभोज के लिए भेजे गए आधिकारिक निमंत्रण पत्र में इस बार उनके लिए प्रेसीडेंट ऑफ भारत के संबोधन का प्रयोग किया गया है। इससे पहले प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया लिखे जाने की परंपरा थी। राष्ट्रपति भवन से आधिकारिक निमंत्रण पत्र में भारत शब्द के प्रयोग के बाद पक्ष विपक्ष की राजनीति आरंभ हो गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि राष्ट्रपति भवन ने 9 सितंबर को जी20 रात्रिभोज के लिए प्रेसीडेंट ऑफ भारत के नाम पर निमंत्रण भेजा है। संविधान में अनुच्छेद एक के अनुसार, भारत, जो इंडिया है, राज्यों का एक संघ होगा लेकिन अब इस राज्यों के संघ पर भी हमला हो रहा है। उन्होंने आगे लिखा कि मोदी इतिहास को विकृत करना और इंडिया को विभाजित करना जारी रख सकते हैं, जो भारत है, जो राज्यों का संघ है। लेकिन हम विचलित नहीं होंगे। आखिर क्या है आईएनडीआईए पार्टियों का उद्देश्य यही है। यह भारत है-सद्भाव, मैत्री, मेल-मिलाप और विश्वास लाओ। जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया! कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि हालांकि इंडिया को "भारत" कहने में कोई संवैधानिक आपत्ति नहीं है, जो देश के दो आधिकारिक नामों में से एक है। उन्हें उम्मीद है कि सरकार इतनी मूर्ख नहीं होगी कि "इंडिया" से पूरी तरह से छुटकारा पा ले, जिसकी सदियों से बनी अनगिनत ब्रांड वैल्यू है। हमें इतिहास के उस नाम पर अपना दावा छोड़ने के बजाय दोनों शब्दों का उपयोग जारी रखना चाहिए, एक ऐसा नाम जिसे दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में असम में एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने लोगों से अपील की थी कि वे इंडिया के स्थान पर देश के लिए भारत शब्द का प्रयोग करें। क्रिकेट खिलाड़ी वीरेन्द्र सहवाग का कहना है कि उनका हमेशा से मानना रहा है कि नाम ऐसा होना चाहिए जो हममें गर्व पैदा करे। हम भारतीय हैं, इंडिया अंग्रेजों द्वारा दिया गया एक नाम है और हमारा मूल नाम 'भारत' को आधिकारिक तौर पर वापस पाने में बहुत समय लग गया है। मैं बीसीसीआई और जयशाह से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं कि इस विश्व कप में हमारे खिलाड़ियों के सीने पर भारत हो। 1996 के विश्व कप में, नीदरलैंड भारत में विश्व कप में हॉलैंड के रूप में खेलने आया था। 2003 में जब हम उनसे मिले, तब वे नीदरलैंड थे और अब भी वही हैं। बर्मा ने अंग्रेजों द्वारा दिया गया नाम वापस बदलकर म्यांमार कर दिया है और कई अन्य अपने मूल नाम पर वापस चले गये हैं। भाजपा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने भी कुछ इसी तरह का बयान दिया है। उनका कहना है कि इंडिया नाम से ब्रिटिश हमें प्रताड़ित करते थे जबकि भारत नाम हमारी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। हमें संविधान में संशोधन करना चाहिए और केवल भारत नाम ही रखना चाहिए।

भारतीय वायुसेना 30 सितम्बर को भोपाल में करेगी फ्लाई पास्ट

- वायुसेना मनायेगी 91वां वर्षगांठ समारोह

भोपाल, (हि.स.)। भोपाल के भोजताल पर वायुसेना के 91वें वर्षगांठ समारोह के अवसर पर भारतीय वायुसेना द्वारा 30 सितम्बर को मल्टी एयरक्राफ्ट फ्लाई पास्ट का आयोजन किया जायेगा। राज्यपाल मंगुभाई पटेल समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शामिल होंगे। साथ ही वायुसेना प्रमुख वी.एस. चौधरी, चीफ ऑफ द एयर स्टाफ एयर मार्शल विभाष पांडे एवं वायुसेना के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और नागरिक उपस्थित रहेंगे। जनसंपर्क अधिकारी अलूने ने मंगलवार को बताया कि फ्लाई पास्ट में लड़ाकू विमान (सुखोई -30, मिराज-2000, जगुआर, एलसीए तेजस, हॉक), हेलीकॉप्टर (चिनूक, एमआई-17 वी 5, चेतक) और परिवहन विमान (सी130, आईएल-78 और एएन-32) शामिल होंगे। समारोह में सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम, सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम और आकाश गंगा टीम द्वारा हैरतअंगेज प्रदर्शन किये जाएंगे। फ्लाई पास्ट की फुलड्रेस रिहर्सल 28 सितंबर गुरुवार को होगी। फ्लाई पास्ट का अभ्यास 26 और 27 सितम्बर को होगा।

प्रधानमंत्री मोदी 14 सितंबर को बीपीसीएल में पेट्रो केमिकल परिसर का करेंगे भूमि पूजन

- मुख्यमंत्री ने की आयोजन की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 सितंबर को सागर के बीना के बीपीसीएल में पेट्रो केमिकल परिसर में 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से होने वाले निवेश का भूमि पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह सिंह चौहान ने सोमवार देर शाम प्रधानमंत्री मोदी के बीना आगमन की तैयारियों के संबंध में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री चौहान ने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं आवश्यक रूप से सुनिश्चित कर ली जाए। उन्होंने कहा कि प्रभारी मंत्री एवं मैं शीघ्र ही सागर आकर तैयारी का जायजा लेंगे। 50 हजार करोड़ रुपये की निवेश राशि से बनने वाले पेट्रो केमिकल कांपलेक्स से 15000 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा एवं दो लाख से अधिक व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध होगा। प्रधानमंत्री मोदी बीपीसीएल फैक्ट्री में प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे उसके पश्चात सभा स्थल पर मौजूद व्यक्तियों को संबोधन देंगे। मुख्यमंत्री चौहान की समीक्षा के दौरान सागर कमिश्नर डॉ वीरेंद्र सिंह रावत, पुलिस महानिरीक्षक प्रमोद वर्मा, कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी, नगर निगम कमिश्नर चंद्रशेखर शुक्ला, एडिशनल कमिश्नर पवन जैन, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के तहत 13 करोड़ ग्रामीण परिवारों को मिला नल से जल

नई दिल्ली, (हि.स.)। जल जीवन मिशन ने 13 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से जल कनेक्शन देकर एक और मील का पत्थर हासिल किया है। ग्रामीण नल कनेक्शन देने के मिशन के तहत अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ घरों से बढ़ाकर केवल चार वर्ष में 13 करोड़ घरों में नल से जल का कनेक्शन दिया जा चुका है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक अब देश के 145 जिलों और 1,86,818 गांवों में सौ प्रतिशत नल से जलापूर्ति हो रही है। हर सेकंड एक नल जल का कनेक्शन दिया जा रहा है जिससे देश का ग्रामीण परिदृश्य बदल रहा है। एक जनवरी 2023 से हर दिन औसतन 87,500 नल कनेक्शन दिए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में जनवरी 2023 से 61.05 लाख कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन दिया जा चुका है। बिहार में 96.39 प्रतिशत, मिजोरम में 92.12 प्रतिशत घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है।

आरक्षण की सीमा बढ़ाने से सभी वर्गों की समस्याओं का समाधान संभव : शरद पवार

मुंबई, (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि आरक्षण की सीमा बढ़ाने सभी वर्गों की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। राज्य सरकार को केंद्र से मिलकर इसका प्रयास करना चाहिए। शरद पवार ने मराठवाड़ा में बारिश न होने से विकट स्थिति को देखते हुए सरकार को मराठवाड़ा इलाके में राजस्व वसूली पर रोक लगाने का सुझाव दिया। शरद पवार ने मंगलवार को जलगांव में पत्रकारों को बताया कि मराठा आरक्षण के लिए कई सालों से मराठा समाज की ओर से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इतना ही नहीं, यह मामला कोर्ट में लंबित है। पवार ने कहा कि अगर आरक्षण की सीमा बढ़ा दी जाए, तो सभी वर्गों की समस्याओं का समाधान हो जाएगा। कुछ लोग ओबीसी कोटे से मराठा समाज को आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं। अगर ऐसा किया गया, तो ओबीसी समाज पर अन्याय होगा। शरद पवार ने कहा कि बारिश नहीं होने से यहां चिंताजनक स्थिति बनी हुई है। कई जगहों पर दोहरी बुआई की स्थिति पैदा हो गई है। कई गांवों में पीने के पानी की व्यवस्था खराब है। समग्र तस्वीर चिंताजनक है। एक तरफ सूखे की स्थिति है, तो दूसरी तरफ बिजली की कमी है। इतना ही नहीं, फसल बीमा कंपनियों की मनमानी हो रही है। भले ही अभी सूखा घोषित नहीं हुआ हो, लेकिन इसकी तैयारी अभी से करनी होगी। शरद पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री को मराठवाड़ा में पेयजल की आपूर्ति के साथ जानवरों के चारे की आपूर्ति पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने शिक्षक दिवस पर अपनी उपलब्धियों का श्रेय गुरुओं को समर्पित किया

कोटा, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज शिक्षक दिवस पर कोटा में आयोजित शिक्षकों तथा केंद्र और राज्य सरकार के सेवा निवृत्त कर्मचारियों के अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए अपने जीवन की उपलब्धियों को सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ के शिक्षकों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यद्यपि मेरा जैविक जन्म मेरे गांव किठाणा में हुआ हो, लेकिन मेरा असली जन्म सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ में हुआ। जीवन में गुरु की महत्ता पर संत कबीर के दोहों को उद्धृत करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि गुरु के चरणों का आशीर्वाद मिलना आवश्यक है, ईश्वर अपने आप मिल ही जायेगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कोटा आज भारत का नॉलेज सेंटर है जो युवाओं की आकांक्षाओं का केंद्र है, यहां देश भर के युवा आते हैं। उन्होंने कहा कि आज के युवा 2047 के भावी योद्धा हैं, जो भारत को विकसित बनाएंगे। हाल के वर्षों में भारत की प्रगति की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि विगत दस वर्षों में भारत फ्रेजाइल फाइव से बढ़ कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इस क्रम में हमने ब्रिटेन को पछाड़ा, जिन्होंने भारत पर सदियों राज किया। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति देख कर सिर गौरव से ऊंचा होता है। इस संदर्भ में भारत में डिजिटल क्रांति की सराहना करते हुए धनखड़ ने कहा कि गत वर्ष भारत में हुआ डिजिटल लेनदेन अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के कुल डिजिटल लेन-देन का चार गुना था। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय जनता एकलव्य की परंपरा की वाहक है, जो किसी भी नई स्किल को स्वतः ही सीख लेती है। उन्होंने बताया कि भारत में प्रति व्यक्ति इंटरनेट डाटा कंसंप्शन चीन और अमेरिका दोनों के कुल जमा डाटा कंसंप्शन से अधिक है। उन्होंने कहा कि डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी) से बिचौलिए समाप्त हो गए हैं, प्रशासन में भ्रष्टाचार समाप्त हो गया है और पारदर्शिता बढ़ी है। सरकारी सेवाओं का लाभ लेना अधिक सुगम हो गया है। लोगों में यह विश्वास बढ़ा है कि कानून से कोई नहीं बच पाएगा। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर उपलब्ध हैं। भारत में स्टार्ट अप के लिए परिवेश तैयार हो रहा है। आज भारत विश्व की आशा का केंद्र है, इन्नोवेशन और निवेश का केंद्र बन कर उभरा है। उपराष्ट्रपति ने सेवा निवृत्त सरकारी कर्मियों से जनता को जागरूक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रगति के बावजूद भी चंद लोग विरोध कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे लोग सिर्फ विरोध ही करते हैं लेकिन विमर्श या बहस नहीं करते। इस संदर्भ में उन्होंने चिंता व्यक्त की कि ऐसे वर्ग हमारी संस्थाओं की कार्यवाही में व्यवधान पैदा करते हैं, उनकी प्रतिष्ठा गिराते हैं। उपराष्ट्रपति ने तात्कालिक लाभ के लिए जनता के स्थायी सशक्तिकरण की जगह उनकी जेब गर्म करने की प्रवृत्ति की आलोचना करते हुए कहा कि आज का भारत बदल गया है।

सनातन धर्म के खिलाफ दिए बयान पर भाजपा ने उदयनिधि स्टालिन को बताया तानाशाह हिटलर

नई दिल्ली, (हि.स.)। डीएमके नेता और तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म के खिलाफ दिए बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निशाना साधा है। भाजपा ने उदयनिधि स्टालिन की तुलना जर्मनी के पूर्व तानाशाह हिटलर से कर दी है। मंगलवार को भाजपा ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा कि हिटलर ने जिस तरह से यहूदियों के बारे में बताया था, उसमें और उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म के खिलाफ दिए बयान में कई समानताएं हैं। हिटलर की तरह स्टालिन जूनियर ने भी सनातन धर्म को खत्म करने की मांग की है। भाजपा ने एक्स पर लिखा कि हम जानते हैं कि नाजियों की यहूदियों के खिलाफ नफरत के चलते होलोकास्ट हुआ और यूरोप में 60 लाख के करीब यहूदी मारे गए और 50 लाख रूस की जेलों में युद्धबंदियों के रूप में बंद रहे। भाजपा ने लिखा कि 'उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी भी नफरत से भरी है और इसमें भारत के 80 प्रतिशत हिंदुओं के नरसंहार का आह्वान किया गया है, जो सनातन धर्म का पालन करती है। कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की स्टालिन के बयान पर चुप्पी निराशाजनक है।

भारत के लिए जी-20 की अध्यक्षता करना एक गौरवशाली क्षणः अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स में तैयार किए गए अंतरराष्ट्रीय मीडिया सेंटर का निरीक्षण किया। इस मौके पर अनुराग ठाकुर ने मीडिया कर्मियों से कहा कि भारत के लिए जी-20 की अध्यक्षता करना एक गौरवशाली क्षण है। हमने 'वसुधैव कुटुंबकम' की थीम पर तैयारी की है। अब तक देश के 60 शहरों में 200 से अधिक बैठकें हुई हैं जिसमें कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया है। तैयारियों के बारे में बताते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि दिल्ली में 78 स्थानों पर यूएचडी टीवी स्क्रीन और 4000 कैमरे लगाए गए हैं। ड्रोन कैमरे भी लगाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चाकचौबंद है। इस प्रतिष्ठित बैठक की रिपोर्टिंग के लिए दुनियाभर के मीडिया संस्थानों से 3000 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मीडिया सेंटर में वर्कस्टेशन बनाए गए हैं, वाई-फाई और ब्रॉडबैंड सुविधाएं उपलब्ध हैं। आपात स्थिति के लिए प्राथमिक चिकित्सा से लेकर एम्बुलेंस तक हर सुविधा यहां मौजूद है। उन्होंने बताया कि शिखर सम्मेलन में आरबीआई ने डिजिटल भुगतान पर एक प्रदर्शनी लगाई है। यह एक अंतरराष्ट्रीय आकर्षण होगा जहां भारत डिजिटल भुगतान में कैसे आगे बढ़ा है इसकी पूरी कहानी प्रदर्शित की गई है। भारत मंडपम में 7000 लोग एक साथ बैठ सकते हैं। यह सिडनी के ओपेरा हाउस से भी बड़ा है। मीडिया सेंटर में कॉन्फ्रेंस के लिए अलग-अलग सेंटर बनाए गए हैं। इन सेंटर के नाम नदियों के नाम पर रखे गए हैं। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने बताया कि भारत एक ऐसा देश है जिसमें समृद्ध कला, संस्कृति और मूल्य हैं। इसके साथ हमारे पास नई तकनीक भी है और सुविधाएं भी हैं।

राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल करने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल करने के आदेश को चुनौती देने वाली एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है। याचिका लखनऊ के वकील अशोक पांडेय ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 8(3) और संविधान के अनुच्छेद 102 और 191 के तहत एक बार अगर कोई संसद का सदस्य सदस्यता खो देता है तो बिना आरोपों से बरी हुए उसकी सदस्यता बहाल नहीं हो सकती है। गौरतलब है कि मोदी सरनेम वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 4 अगस्त को राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद लोकसभा सचिवालय ने 7 अगस्त को राहुल गांधी की सदस्यता बहाल कर दी थी। याचिका में मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करे कि वो राहुल गांधी की सीट को खाली घोषित करे और वायनाड लोकसभा सीट पर चुनाव कराए।

याचिका में कहा गया है कि अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 389 के मुताबिक अपीलीय कोर्ट को केवल सजा पर रोक का अधिकार है न कि दोषसिद्धि पर रोक का अधिकार। 4 अगस्त को जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि निचली अदालत ने अधिकतम सजा देकर गलती की है। सुप्रीम ने कहा था कि इस केस में अधिकतम सजा (2 साल) होने के चलते राहुल की सदस्यता गई, पर निचली अदालत के जज ने फैसले में ये साफ नहीं किया कि अधिकतम सजा तय करने की वजह क्या है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि क्या ये बात विचार योग्य नहीं है कि इस फैसले के चलते (अधिकतम सजा होने के चलते) एक सीट बिना प्रतिनिधित्व के रह जाएगी। ये सिर्फ एक ही व्यक्ति के अधिकार तक सीमित रहने वाला मामला नहीं है, ये उस सीट के वोटरों के अधिकार से भी जुड़ा मसला है।

आपात स्थिति से निपटने के इंतजाम, स्लीपर बसों में सुरक्षित होगा सफर

-मोदी सरकार ने उठाया बड़ा कदम, एग्जिट गेटों तक लगेंगे रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप

नई दिल्ली (ईएमएस)। केन्द्र की मोदी सरकार ने स्लीपर बसों में सुरक्षा के लिए नए मानदंड अपनाने पर जोर दिया है। इसके लिए अब एग्जिट गेटों तक रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप लगाए जाएंगे। साथ ही हर बर्थ पर एक हथौड़ा रखना होगा। हाल में स्लीपर बसों में हुए हादसे के बाद आगजनी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने नए मानदंड जारी किए हैं, जिसे जल्द से जल्द लागू करने का निर्देश दिया गया है। जिसके मुताबिक किसी भी आपात स्थिति में बस के अंदर मौजूद यात्रियों को तेजी से बाहर निकलने के लिए सभी नई स्लीपर कोच बसों के हर बर्थ पर एक हथौड़ा रखना होगा। इसके अलावा विमानों की तरह सीटों और बर्थ से लेकर सभी एग्जिट गेटों तक रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप लगाने का निर्देश दिया गया है। सड़क परिवहन मंत्रालय ने मानदंडों के अनुपालन के लिए निर्देश जारी किए हैं। ये जरूरी बदलाव महाराष्ट्र में नागपुर-मुंबई समृद्धि महामार्ग पर हाल ही में बस में लगी आग की घटना को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जिसमें 25 लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए थे। स्लीपर कोचों में बदलाव इस बात को ध्यान में रखकर किया गया है कि आग लगने जैसी आपात स्थिति में यात्रियों को बचने के लिए बहुत कम समय मिलता है। प्रत्येक बर्थ पर हथौड़े और कड़े शीशे की पहुंच से यात्रियों को आग लगने या किसी अन्य दुर्घटना की स्थिति में शीशा तोड़कर बाहर निकलने में त्वरित मदद मिलेगी। एक अधिकारी ने कहा कि जब तक बचावकर्मी शीशा तोड़कर लोगों को बचाते हैं तब तक अधिकांश यात्रियों की मौत बस में दम घुटने से हो जाती है। इसके चलते मंत्रालय ने हर सीट पर हथौड़ा रखने का निर्देश दिया है। हादसे के वक्त अधिकांश यात्रियों को एग्जिट गेट व खिड़की की जानकारी नहीं मिल पाती है। इसलिए आपातकालीन दरवाजे सहित सभी निकास द्वारों तक गलियारे पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाने का निर्देश दिया गया है। यहां तक कि निकास बिंदुओं के सभी किनारों पर जल्दी से पता लगाने के लिए रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप होने चाहिए। बता दें कि हाल के वर्षों में, स्लीपर कोच बसों का बेड़ा बढ़ गया है क्योंकि सड़क नेटवर्क में काफी सुधार हुआ है, और ये इंटरसिटी नाइट ट्रिप के लिए अधिक लोकप्रिय हो गए हैं। इसके अलावा, ऑनलाइन बस टिकटिंग एग्रीगेटर्स ने शहरों में अपने ग्राहक आधार का विस्तार करने में मदद की है।

बिकरु कांड : गैंगेस्टर एक्ट में 23 को हुई 10 साल की सजा, सात हुए बरी

कानपुर देहात, (हि.स.)। कानपुर के बहुचर्चित बिकरू कांड के गैंगस्टर मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय पंचम ने 30 आरोपियों में से 23 को 10 साल की सजा और 50 हजार रुपये जुमार्ना करार दिया है । वहीं सात आरोपियों को कोर्ट ने दोष मुक्त कर दिया है। कोर्ट के फैसले के बाद दोष मुक्त किए गए आरोपियों के परिजनों ने जहां कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। तो वही अन्य 23 आरोपियों के परिजनों ने इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करने की भी बात कही है। कानपुर के चौबेपुर थानाक्षेत्र में दो जुलाई 2020 को दबिश देने गई पुलिस टीम पर विकास दुबे गैंग ने फायरिंग कर दी थी। घटना में आठ पुलिस कर्मियों की मौत हो गई थी। इसके बाद चौबेपुर थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें एक मुकदमा गैंगस्टर का भी चल रहा था। जिसकी सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायालय पंचम में पिछले तीन सालों से चली रही थी। कोर्ट ने सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद मंगलवार को बिकरू कांड में शामिल 30 आरोपियों में से गैंगस्टर के मामले में राजेंद्र मिश्रा,प्रशांत शुक्ला उर्फ डब्बू, अरविन्द उर्फ गुड्डन त्रिवेदी, बालगोविंद, संजू उर्फ संजय, सुशील , रमेशचंद्र को दोष मुक्त कर दिया और वही विकास दुबे के सबसे करीबी जय बाजपेई सहित अन्य 23 को दोषी करार देते हुए 10 साल की सजा सुनाई है। यही नही कोर्ट ने सजा सुनाने वाले आरोपियों के ऊपर जुमार्ने के रूप में 50 हजार का जुमार्ना भी लगाया है। कोर्ट ने गैंगस्टर में आरोपी 30 में से 23 लोगों को सजा सुना दी है जिससे एक तरफ सजा मुक्त हुए सात आरोपियों के परिवार में जहां खुशी है तो वहीं सजा प्राप्त करने वाले आरोपियों के परिवार में इस फैसले को लेकर रोष है। परिजनों का कहना है कि जिसने किया वो बाहर हो गया और जो निर्दोष हैं वह जेल जा रहे यह कैसा न्याय है । परिजनों के मुताबित वह इस फैलसे को चैलेंज करनेके लिए उच्च न्यायालय में जाएंगे।

छात्रों के लिए आदर्श बनें शिक्षक, मॉर्निंग असेंबली को बनाएं पाठ्यक्रम का हिस्सा : मुख्यमंत्री

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक दिवस के अवसर पर अध्यापकों का आह्वान किया कि वर्तमान पीढ़ी को बनाने के लिए जितनी मेहनत हो सकती है वे करें। साथ ही मॉर्निंग असेंबली को नियमित रूप से पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाएं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 94 शिक्षकों को सम्मानित किया, 2.09 लाख टैबलेट वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश में 18,381 स्मार्ट क्लास व 880 आईसीटी लैब का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से कहा कि नए सिरे से पीढ़ियों को बनाने का कार्य आप कर रहे हैं। जो पीढ़ियां बनेंगी, वो जीवन भर आपको याद करेंगी। यदि हमारे शिक्षक नहीं होते तो आज हम यहां तक नहीं पहुंच पाते, आगे नहीं बढ़ पाते। हमारे शिक्षकों का योगदान हमारे व्यक्तित्व के निर्माण और चुनौतियों से लड़ने के लिए प्रेरणा देता रहा। वे सुविधाभोगी नहीं थे। वे अल्प संसाधनों और कम वेतन में कार्य करते थे। उन्होंने उस समय जो मेहनत की तब जाकर आज पीढ़ियां बनीं और यही कार्य आप भी कर सकते हैं। आप भी अपने छात्रों के लिए वंदनीय बन सकते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सांकेतिक रूप से मुख्यमंत्री योगी ने 06 बेसिक शिक्षा एवं 06 माध्यमिक शिक्षा के शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मान राशि 25000 रुपये उनके खाते में पहले ही भेजी जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एक शिक्षक की भूमिका के बारे में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्पष्ट कहना था कि वह राष्ट्र निमार्ता है। प्राचीन काल से ही भारत ने अपने शिक्षकों की इस परंपरा को मान्यता दी है। सम्मान के साथ श्रद्धापूर्वक समाज में विशिष्ट स्थान देने का कार्य किया। समय के अनुरूप दोनों पक्ष सामने आते गए। एक पक्ष जो इसका उज्ज्वल पक्ष था। यह वो पक्ष है जो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में वर्तमान पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हुए राष्ट्र की नींव को सुदृढ़ करते हुए एक राष्ट्र निमार्ता के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करता है। दूसरा कृष्ण पक्ष है, जब ट्रेड यूनियन की तरह कोई शिक्षक विद्यालय कार्यों से विरत होकर दिन भर शिक्षा अधिकारियों के घर में या उनके कार्यालयों में बैठकर के अपनी वर्तमान पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता है तो उसका कृष्ण पक्ष भी समाज को देखने को मिलता है। समाज भी उस व्यक्ति को संदेह की निगाह से देखता है। इन दोनों पक्षों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा जगत की वर्तमान समस्याओं को समाधान की तरफ बढ़ाने का कार्य हमें करना होगा। प्रसन्नता है

कि आज प्रदेश के उन 94 शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में कुछ यूनीक कार्य किया है। उनका कार्य दूसरों के लिए प्रेरणा बना है, उन्हें सम्मानित करते हुए प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। योगी ने शिक्षकों से कहा कि समाज और राष्ट्र के निमार्ता के रूप में आपकी भूमिका को आगे बढ़ाने और वर्तमान पीढ़ी को प्रेरित करने की एक बड़ी जिम्मेदारी आपको दी गई है। अगर हम समय के अनुरूप नहीं चलेंगे तो फिर समय हम सबको पीछे धकेल देगा। हम अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर समाज को दिशा दें, इस भूमिका के साथ हम सबको स्वयं को तैयार करना होगा। दूरदर्शिता के साथ हमें आगे बढ़ना होगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कोरोना कालखंड के दौरान लागू हुई। इससे जुड़े हुए अनेक कार्यक्रम लागू किए गए। प्रसन्नता है कि आज इसी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए बेसिक शिक्षा परिषद के द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में 2.09 लाख टैबलेट वितरित करने का कार्यक्रम शुरू हुआ है। यानी हर विद्यालय को दो-दो टैबलेट मिलेंगे। इनके उपयोग से विद्यालयों में नए-नए कंटेंट के बारे में जानकारी मिलेगी और विद्यालयों की गतिविधियों से संबंधित जानकारी भी इसके माध्यम से अपलोड करने में मदद मिल पाएगी। यह बेसिक शिक्षा परिषद के द्वारा शुरू किया गया बड़ा अभियान है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अब कोई आपका मुकाबला नहीं कर पाएगा। जब टैबलेट आपके हाथ में होगा तो लोगों को विश्वास होगा कि बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षक भी हर प्रकार से पारंगत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 880 आईटीसी लैब्स के साथ ही 18381 उच्च प्राथमिक और कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का भी शुभारंभ हो रहा है। स्मार्ट क्लास केवल उच्च प्राथमिक विद्यालय और कस्तूरबा गांधी विद्यालय तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में भी इसको उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य करें। पुरातन छात्रों से, गांव से जुड़े लोगों से, शिक्षा विभाग और प्रशासन से जुडे अधिकारियों से या जनप्रतिनिधियों से कह देंगे तो स्मार्ट क्लास की स्थापना में कोई समस्या नहीं होगी। ये स्मार्ट क्लास उन विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने आ रहे बच्चों की सोच को एक नई ऊंचाई और दिशा देगी। चित्रकूट में इस बात को स्वयं महसूस किया। वहां एक स्मार्ट क्लास देखी। एक तीसरी क्लास की बच्ची से पूछा तो उसने संचालित करके दिखा दिया। वह कोल जनजाति की बच्ची थी। सीएम योगी ने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से जिन विद्यालयों में हजारो करोड़ रुपए लगे, आज वो विद्यालय दर्शनीय दिखते हैं। बाकी बचे जो विद्यालय हैं उनके प्रधानाचार्यों से, शिक्षकों से और ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों से कहूंगा कि प्राथमिकता के आधार पर उन विद्यालयों को ऑपरेशन कायाकल्प से जोड़कर इस वर्ष इस पूरे कार्यक्रम को संपन्न करें। हर विद्यालय में खेल का मैदान जरूर हो, इसके लिए हमें ग्राम पंचायत की भूमि का उपयोग करना होगा। योगी ने कहा कि एक शिक्षक को अपने कार्यों और व्यक्तित्व से भी आदर्श दिखना चाहिए। एक शिक्षक के रूप में विद्यालय पहुंचने पर आपकी कुछ जिम्मेदारियां बनती हैं। यदि विद्यालय 9 बजे खुलना है तो छात्र पौने 9 बजे तक और शिक्षक उससे भी आधे घंटे पहले विद्यालय पहुंचें। प्रधानाचार्य का दायित्व बनता है कि वो शिक्षकों से भी 15 मिनट पहले पहुंचें। जब यह प्रवृत्ति आप तय करेंगे तब आप विद्यालय के विषय में सोच पाएंगे।

वैज्ञानिक विधि से खेती करने से किसानों की आय होगी दोगुनी : डॉ.आर.के.यादव

कानपुर, (हि.स.)। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक नवाचार कर रहे है और उसका बखूबी प्रयोग करने के लिए किसान भाइयों को प्रशिक्षित कर रहें है। यह बात मंगलवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में प्रसार निदेशालय में चन्द्र शेखर कृषक समिति का 39 वां स्थापना दिवस के मौके पर कृषक गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रसार निदेशक डॉ.आर.के.यादव ने कहा। उन्होंने कहा कि किसान भाइयों को वैज्ञानिक विधि से अधिक लाभ प्राप्त होने के साथ ही फसल तैयार करने में लागत कम आएगी। उत्तर प्रदेश के किसान नवाचार का प्रयोग करके अपनी आय बढ़ाने में कामयाब होंगे। गोष्ठी में कृषि

संकाय के अधिष्ठाता डॉ.सी.एल.मौर्य, निदेशक शोध डॉक्टर पीके सिंह, बीज एवं प्रक्षेत्र के निदेशक डॉ.विजय कुमार यादव, डॉक्टर पी.के.राठी डॉ अनिल कुमार सिंह, सोहनलाल वर्मा, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने विचार रखा और खेती से संबंधित तकनीकी जानकारी दी। इससे पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित करके गोष्ठी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के अंत में 21 वैज्ञानिकों को प्रशस्तिझपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ जितेंद्र सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में कृषक समिति के अध्यक्ष बाबू सिंह,जगदीश सिंह कमल किशोर सहित 200 से अधिक आसपास के जनपदों के प्रगतिशील किसानों ने प्रतिभा किया। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर पी के राठी ने धन्यवाद देखकर कार्यक्रम की समाप्ति की।

सपा नेता ने बताया पांच लाख के इनामी बदन सिंह बद्दो से जान का खतरा

मेरठ, (हि.स.)। मेरठ में सपा नेता ने पांच लाख के इनामी फरार बदमाश बदन सिंह बद्दो से जान का खतरा बताया है। मंगलवार को सपा नेता ने एसएसपी से अपनी और परिजनों की जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई। शास्त्रीनगर निवासी सपा नेता अभिषेक सोम मंगलवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचे और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण को शिकायती पत्र देकर पुलिस हिरासत से फरार पांच लाख रुपए के इनामी बदमाश बदन सिंह बद्दो से जान का खतरा बताया। सपा नेता ने कहा कि बद्दो फेसबुक पर सक्रिय है और उस्के संबंध एक बड़े गैंग से है। वह कभी भी किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है। चार साल पहले पुलिस कस्टडी से फरार होने के बाद भी अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है। इसकी शिकायत प्रमुख सचिव गृह से भी की गई है, जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर बद्दो के मकान को ध्वस्त कर दिया गया। इसी कारण बद्दो उनसे और उनके परिजनों से रंजिश रखता है।

उसने संजीव जीवा की भी हत्या कराई है। बद्दो देश में ही है और अपनी लोकेशन बदल रहा है। कुछ दिन पहले उसकी लोकेशन उत्तराखंड में भी मिली थी। इसे बाद भी कुख्यात की गिरफ्तारी नहीं हो रही है। सपा नेता हे एसएसपी से अपनी और परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई। एसएसपी ने उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया।

हापुड़ की घटना के विरोध में अधिवक्ताओं ने चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी का फूंका पुतला

बांदा, (हि.स.)। जनपद हापुड़ की घटना को लेकर पूरे प्रदेश के अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। इसी कड़ी में मंगलवार को भारी संख्या में अधिवक्ताओं ने बांदा कचहरी परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी का पुतला फूंक कर विरोध जताया। उनकी मांग है कि हापुड़ के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक का तबादला किया जाये। लाठीचार्ज में दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लाठीचार्ज में घायल

हुए अधिवक्ताओं को मुआवजा दिया जाए। जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष राजेश कुमार दुबे के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में मौजूद अधिवक्ताओं ने पहले, कचहरी परिसर में डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी की पुतले को लेकर भ्रमण किया। इसके बाद जनपद न्यायालय गेट के सामने वो पुतला दहन किया। जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष राजेश कुमार दुबे का कहना था कि उत्तर प्रदेश सरकार उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है। जिस तरह से हापुड़ में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज किया गया,उससे अधिवक्ताओं में काफी आक्रोश है। इसके बाद भी उनकी मांगों की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी को लेकर उन्होंने उत्तर प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी का पुतला फूंका है।

झारखंड हाई कोर्ट ने सहायक आचार्य नियुक्ति के विज्ञापन पर लगाई रोक

- राज्य सरकार और जेएसएससी को 4 सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट ने मंगलवार को सहायक आचार्य नियुक्ति के विज्ञापन पर रोक लगा दी। साथ ही कोर्ट ने झारखंड एजुकेशन प्रोजेक्ट काउंसिल एवं झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) को प्रतिवादी बनाते हुए नोटिस जारी किया। कोर्ट ने राज्य सरकार और जेएसएससी को 4 सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। विज्ञापन को चुनौती देते हुए बीआरपी एवं सीआरपी बहादुर महतो व अन्य की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। सहायक आचार्य नियुक्ति नियमावली में पारा शिक्षकों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई मंगलवार को हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। कोर्ट ने सहायक आचार्य नियुक्ति विज्ञापन संख्या 13/ 2023 पर रोक लगा दी। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वर्ष 2023 के नियमावली के तहत बीआरपी एवं सीआरपी संविदाकर्मियों को सहायक आचार्य नियुक्ति में 50 फीसदी आरक्षण लाभ से वंचित किया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार तिवारी ने पैरवी की। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि सहायक आचार्य नियुक्ति नियमावली 2022 में संविदा पर शिक्षा विभाग में कार्यरत कर्मियों को 50 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा दी गई थी।

रांची हिंसा मामले में हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट ने रांची में नुपुर शर्मा के बयान पर 10 जून को हुई हिंसा के मामले में राज्य सरकार को स्टेटस रिपोर्ट टेबुलर रूप में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि मेन रोड हिंसा में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस घटना को बड़ी हिंसा में परिवर्तित होने से रोक दिया था। पुलिस ने पहले हिंसक भीड़ पर लाठीचार्ज किया। इसके बाद आंसू गैस का उपयोग किया। जब हिंसा फैलाने वालों ने पथराव और फायरिंग शुरू की तो मजिस्ट्रेट के आदेश से पुलिस ने कंट्रोल्ड फायरिंग शुरू की, जिससे भीड़ तितर-बितर हो गई थी। घटना को लेकर पुलिस ने 47 एफआईआर दर्ज किया। इनमें से कई केस में चार्जशीट दाखिल हो गई है और कुछ केस में अभी पेंडिंग है। इसमें से एक एफआईआर में पुलिस पर फायरिंग का आरोप है उसे सीआईडी जांच के लिए भेजा गया था।

सीआईडी जांच में भी हिंसक प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है और अनुसंधान चल रहा है। घटना को लेकर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज का भी अध्ययन करते हुए अन्य आरोपितों को चिन्हित किया है, जिनकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया जारी है। दूसरी ओर घटना को लेकर फेसबुक, गूगल मैप और सोशल मीडिया से भी डाटा प्राप्त करने की कोशिश हो रही है और उपलब्ध डाटा को खंगाल जा रहा है। अनुसंधान सही तरीके से की जा रही है। इसलिए इसमें भी किसी दूसरी एजेंसी के हस्तक्षेप की गुंजाइश नहीं है। एनआईए के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि एनआईए सिर्फ शेड्यूल ऑफिंस होने पर ही अनुसंधान करती है लेकिन इस घटना में अभी तक अनुसंधान में ऐसी बात नहीं आई है। कोर्ट ने मामले में याचिकाकर्ता एवं प्रतिवादियों को अगली सुनवाई में संक्षिप्त बहस दायर करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 26 सितंबर को होगी, उस दिन कोर्ट अपना आदेश सुनाएगी। रांची हिंसा मामले में दायर पंकज कुमार यादव की जनहित याचिका में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के महासचिव यास्मीन फारूकी समेत रांची उपायुक्त, एसएसपी, मुख्य सचिव, एनआईए, ईडी को प्रतिवादी बनाया है।

हेमंत सोरेन सरकार में 10 हजार करोड़ से अधिक का घोटाला उजागर : बाबूलाल मरांडी

हजारीबाग, (हि.स.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने गुजरे तीन सालों में घोटालों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। घोटाला करना, घोटालेबाजों को बचाना, घोटाले में हिस्सा लेना, दलाल माफियाओं के सहारे पैसे कमाना ही इस सरकार का मुख्य काम रह गया है। जारीबाग सर्किट हाउस में मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में मरांडी ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश पर 06 मई, 2021 को केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी की कार्रवाई मनरेगा मामले में शुरू नहीं हुई होती, पूजा सिंघल समेत कई लोग पकड़े नहीं जाते, नोटों का भंडार नहीं पकड़ा जाता तो राज्य को हेमंत सोरेन आज घोटाले के मामले में कहां पहुंचा देते? हाई कोर्ट के आदेश पर शुरू हुई मनरेगा घोटाले की जांच से लगता है कि आगे और न जाने और कितने नये घोटाले उजागर होंगे। मरांडी ने कहा कि अब तक जो घोटाले पकड़े गए हैं उनमें 550 करोड़ का मनरेगा घोटाला, 1500 करोड़ का उद्योगों के लिए आवंटित कोयला का घोटाला, 1500 करोड़ का अवैध खनन घोटाला, 3000 करोड़ का ग्रामीण विकास के लिए आवंटित फंड के दुरुपयोग का

घोटाला, 3000 करोड़ से भी ज्यादा का भूमि घोटाला, 800 करोड़ का टेंडर घोटाला, 100 करोड़ से भी अधिक का ट्रांसफर-पोस्टिंग घोटाला और 1500 करोड़ का शराब घोटाला प्रमुख रूप से शामिल हैं। इस प्रकार 10 हजार करोड़ से अधिक का घोटाला इस सरकार में उजागर हुआ है। अब तो खनन घोटाले की जांच में न्यायालय के आदेश से सीबीआई भी आ गई है। मरांडी ने कहा कि जब इंजीनियर विरेंद्र राम एवं उनसे जुड़े ठिकानों पर छापेमारी हुई तो झारखंड सरकार ने विरेंद्र राम के विभागों से जुड़े करीब तीन हजार करोड़ के छह सौ टेंडर रद्द कर दिए लेकिन इसके आगे कोई कार्रवाई नहीं की। यदि गलती नहीं थी तो टेंडर क्यों रद्द किया गया? यदि टेंडर रद्द नहीं होता तो इस 3000 करोड़ में से सीधे 15 परसेंट के हिसाब से 450 करोड़ रुपये सीधे दलालों, कुछ अफसरों और सत्ताधारियों के जेब में चला जाता, जिसे ईडी की कार्रवाई ने बचा लिया। मरांडी ने कहा कि जमीन घोटाले में तो हेमंत सरकार ने रिकॉर्ड ही कायम कर दिया। जांच में हेमंत सोरेन और उनके परिवार द्वारा बलपूर्वक आदिवासियों की जमीन कब्जा करने, कौड़ी के भाव नामी-बेनामी खरीदने के अनेकों मामले पकड़ में आए हैं। जांच में रांची में हेमंत सोरेन की 100 करोड़ मूल्य की एक 8.5 एकड़ की एक ऐसी जमीन पकड़ में आयी है जो बेनामी 16 लोगों के नाम से है। ऐसे ही जमीन के बारे में पूछताछ के लिए ईडी हेमंत को बुला रही है और हेमंत भाग रहे हैं। क्योंकि, ऐसे जमीन के बारे में उनके पास कोई जवाब है ही नहीं?

मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत भाजपा कार्यकर्त्ताओं ने किया मिट्टी संग्रह

अररिया (हि.स.)। भाजपा के देशव्यापी मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत मंगलवार को फारबिसगंज के गोढ़ियारे चौक में भाजयुमो नगर अध्यक्ष किशन कुमार शर्मा के अगुवाई में अभियान चला कर लोगो के घर आंगन और मंदिर से अमृत कलश में मिट्टी संग्रह किया गया। इस मिट्टी से कर्तव्य पथ पर शहीदों व स्वतंत्रता सेनानी के सम्मान में वाटिका निर्माण किया जाएगा। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री प्रताप नारायण मंडल,भाजपा नगर अध्यक्ष रजत

कुमार सिंह, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष संदीप कुमार, शिवराम शर्मा, राधा देवी, संतोष जी, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष किशन कुमार शर्मा,महामंत्री अंबुज मिश्रा ,नगर मंत्री सत्य प्रकाश, सैयद अली, नौशाद, मीडिया प्रभारी आदि शर्मा, मनीष साह, अतुल कुमार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को बताया वसुधैव कुटुंबकम का सिद्धांत : राकेश सिन्हा

बेगूसराय, (हि.स.)। प्रखर वक्ता और राज्यसभा सांसद प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा है कि जी-20 की अध्यक्षता करने के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे एक नया रूप दिया है। अब तक जितनी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं थी, वह नीति निर्धारकों और शासकों के गिरफ्त में रहती थी लेकिन नरेन्द्र मोदी ने जी-20 को सामान्य लोगों से जोड़ दिया है। राकेश सिन्हा ने मंगलवार को बेगूसराय में कहा है कि जी-20 के सभी नीति निर्धारकों का सामान्य लोगों के साथ संवाद कराया गया। इससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक नई प्रवृत्ति का जन्म हुआ है। यूनाइटेड नेशन एवं अन्य संस्थाओं को भी आम लोगों से जोड़ने का एक मॉडल मिल गया है, प्रतिमान मिल गया है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उपयोगिता और रचनात्मक तभी रहेगी, जब वह आम लोगों से जुड़े। उन्होंने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता भारत के लिए ऐतिहासिक है। यह भारत की उपलब्धि है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में एक नई प्रवृत्ति का जन्म हुआ। जी-20 की अध्यक्षता कर रहे भारत ने "एक दुनिया, एक परिवार और एक भविष्य" का मूल मंत्र लिए हुए प्रयास किया है कि दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक समूह जी-20 के सदस्य देश अपने मध्य के विवादों का हल निकालें। एक स्वर में जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, आर्थिक निम्नीकरण और असमानता जैसे संकटों का समाधान करें। दुनिया को इस बात की उम्मीद है कि भारत की अध्यक्षता में हो रहे जी-20 से वर्तमान वैश्विक विभाजन में कमी आएगी। क्योंकि भारत कि विदेश नीति दुनिया में संतुलन के साथ मिलकर कार्य करने पर जोर देती है। भारत ग्लोबल साउथ देशों और दुनिया के मध्य एक सेतु के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। अभी भारत दुनिया के करीब सभी मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। बहुपक्षीय संस्थानों में हमारी स्थिति मजबूत हो रही है। जी-20 की अध्यक्षता ग्लोबल साउथ के उद्देश्य को समर्थन देने के साथ नई महत्वाकांक्षा लेकर आई है। इसने थर्ड वर्ल्ड की एकजुटता पर नए विचारों और उद्देश्यों को सामने ला दिया है। अब दुनिया

भारत के वसुधैव कुटुंबकम के उस दर्शन को मान रही है, जिस दर्शन को नहीं मानती थी। भारत को वैश्विक समूह जी-20 की अध्यक्षता ऐसे समय में मिली है। जब दुनिया अलग-अलग मुद्दों पर विभाजित नजर आती है। ऐसे में भारत का वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र के साथ यह प्रयास है कि वर्तमान समय में सभी देश एक मंच पर आकर वैश्विक चुनौतियों का समाधान निकालें। क्योंकि अभी दुनिया असंतुलन और दिशाहीनता का शिकार है। ना तो द्विध्रुवीय शीत युद्ध की स्थिति में है, ना ही बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। बल्कि संपूर्ण दुनिया धीरे-धीरे शक्ति केंद्रों में विभाजित होता जा रहा है। सदियों पूर्व से दुनिया को एक परिवार मानने कि भारतीय संस्कृति आज भी उसी सिद्धांत के साथ है। वसुधैव कुटुंबकम में सार्वभौमिक भाईचारा एवं सभी प्राणियों के परस्पर जुड़ाव का सार समाहित है। यह प्राचीन भारतीय दर्शन मानता है कि पूरी दुनिया एक परिवार है। हर व्यक्ति इस परिवार का एक सदस्य है, चाहे उसकी नस्ल, धर्म, राष्ट्रीयता या जातीयता कुछ भी हो। वसुधैव कुटुंबकम उस विश्वास का प्रतिनिधित्व करता है कि सभी के साथ दया, करुणा और सम्मान के साथ व्यवहार करना चाहिए। शांति और सद्भाव के साथ रहने का प्रयास करते रहना चाहिए। आज के आपाधापी से भरे इस संसार में वसुधैव कुटुंबकम का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। हम एक ऐसे वैश्विक गांव में रहते हैं, जहां राष्ट्रों, संस्कृतियों और लोगों के बीच की सीमाएं तेजी से धुंधली होती जा रही हैं। इसलिए वसुधैव कुटुंबकम के दर्शन को अपनाना और एक ऐसी दुनिया बनाने का प्रयास करना अनिवार्य हो जाता है। जहां सभी के साथ समान रूप से और गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाता हो। वसुधैव कुटुंबकम की भावना एक ऐसी दुनिया का निर्माण करेगी जो अधिक शांतिपूर्ण, सामंजस्यपूर्ण और समावेशी होगी। एक बेहतर दुनिया के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की अहम भूमिका होगी। राकेश सिन्हा ने कहा कि पहले भी हम वसुधैव कुटुंबकम की बात करते थे। लेकिन तब हमारी ताकत नहीं थी, हमारे नेतृत्व में वह दृष्टि नहीं था। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृष्टि और भारत की ताकत ने वसुधैव कुटुंबकम को दुनिया को स्वीकार करवा दिया। वसुधैव कुटुंबकम का दर्शन है कि दुनिया बाजार नहीं परिवार है। पश्चिम इसको बाजार मानती है, हम इसे परिवार मानते हैं।

नेता का तो पता नहीं लेकिन विपक्ष ने सनातन धर्म को नीचा दिखाने की नीति तय कर दी

अररिया (हि.स.)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदय निधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म के विरोध में किए गए टिप्पणी पर फारबिसगंज भाजपा विधायक विद्यासागर केसरी उर्फ मंचन केसरी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। फारबिसगंज विधायक ने विपक्षी गठबंधन को हिंदू विरोधी करार दिया। उन्होंने विपक्षी नेता राहुल गांधी,ममता बनर्जी,नीतीश कुमार,अखिलेश यादव और शरद पवार जैसे नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेताओं में भारत की सभ्यता,मूल आस्था, सनातन यानी हिंदू धर्म को गाली देने व कोसने की

एक प्रतियोगिता शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि मुंबई में हुए बैठक में वह संयोजक या नेता तो तय नहीं कर पाए, लेकिन नीति तय कर दी की सनातन धर्म को नीचा दिखाना है। कभी उदयनिधि,कभी कृति चिदंबरम,कभी बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ,कभी अखिलेश यादव की पार्टी के प्रमुख नेता स्वामी प्रसाद मौर्य, कभी अरविंद केजरीवाल की पार्टी के नेता राजेंद्र पाल गौतम ,ये सभी एक एजेंडा के तहत इस काम में लग गए हैं। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए केसरी ने कहा कि अभी कांग्रेस के प्रमुख नेता केसी वेणुगोपाल का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि वह उदय निधि स्टालिन की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि 2011-12 में कांग्रेस के एक बड़े नेता भगवा आतंकवाद शब्द लेकर आए थे। मौके पर भाजपा नेता मनोज झा,अविनाश कन्नौजिया अंशु,प्रेम केशरी,अमित निराला मौजूद थे।

संपादकीय

एक देश, कई सवाल

भारत में 'एक देश, एक चुनाव' की संभावनाओं को खंगालने के लिए जो समिति बनाई गई है, वह कई सवालों और अद्र्धसत्यों पर आधारित है। पहली बार पूर्व राष्ट्रपति को किसी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रामनाथ कोविन्द देश के राष्ट्रपति के रूप में सभी पक्षों के 'महामहिम' थे। वह सभी के अभिभावक थे, लिहाजा सत्ता और विपक्ष उनके लिए बेमानी थे। ऐसी सामान्य अवधारणा राष्ट्रपति को लेकर होती है। बेशक वह पांच साल तक भारत के राष्ट्रपति रहे, लिहाजा उनकी संवैधानिक निष्ठा और उनके ज्ञान पर कोई सवाल नहीं किया जा सकता। यदि समिति की रपट भाजपानुमा आती है, तो पूर्व राष्ट्रपति पर भी सवाल उठेंगे। वह आलोचनाओं के घेरे में भी होंगे। ऐसी स्थिति देशहित में नहीं मानी जा सकती। सेवानिवृत्ति के बाद राष्ट्रपति कोई सरकारी काम नहीं करते। उन्हें आवश्यकता भी नहीं है। सेवामुक्त होने के बाद भारत सरकार राष्ट्रपति को केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के स्तर का सरकारी आवास देती है। भरा-पूरा स्टाफ और सचिव की सेवाएं भी मिलती हैं। चिकित्सा सेवाएं और इलाज आदि निःशुल्क होते हैं और इन तमाम सुविधाओं के अलावा, अच्छी-खासी पेंशन भी दी जाती है। राष्ट्रपति के रूप में कोविन्द जी देश के प्रथम नागरिक रहे हैं। पूरा देश उनका घर है। वह किताब लिखें तथा विभिन्न सामाजिक-शैक्षिक मंचों पर जाकर युवा पीढ़ी को संबोधित करें, ताकि देश के बारे में उनके भीतर जागृति पैदा की जा सके और उनके भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। ऐसे राजनीतिक विरोधाभासों वाले मुद्दे की समिति की अध्यक्षता स्वीकार करने की विवशता क्या थी? इसके अलावा, किसी पूर्व प्रधान न्यायाधीश अथवा सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त या मौजूदा चुनाव आयुक्त को समिति में क्यों नहीं स्थान दिया गया? समिति में पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त और वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष आदि को स्थान क्यों दिया गया है? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व सांसद गुलाम नबी आजाद और सर्वोच्च अदालत के वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे आदि उसी लकीर पर ठप्पा मार सकते हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी तय करेंगे। दरअसल 'एक देश, एक चुनाव' का मुद्दा ज्यादातर संवैधानिक और कानूनी है, लिहाजा न्यायाधीशों और चुनाव आयुक्तों की भूमिका अपरिहार्य है। बहरहाल इस समिति के निष्कर्षों की रपट देखना और पढना ही अब देश के आम आदमी की भी नियति है। ऐसी कई रपटें सरकार के संग्रहालयों में मौजूद होंगी, लेकिन उन पर कोई अमल नहीं किया गया। कोविन्द कमेटी की रपट का भी हश्र क्या होगा, हम आज कुछ नहीं कह सकते, क्योंकि जो निर्णय किया जाना है, वह प्रधानमंत्री ने तय कर ही लिया होगा! देश के प्रधान न्यायाधीश रहे जस्टिस वेंकटचलैया ने भी तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को एक रपट सौंपी थी, जिसका मुख्य सारांश यह था कि देश का संघीय ढांचा बदला नहीं जा सकता। एक पुराना प्रसंग भैरोसिंह शेखावत का भी याद आता है, जब उन्होंने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था। तब के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह शिष्टाचार मुलाकात करने गए थे। उन्होंने पूछा था कि राजनीति में आपका 50 सालों से अधिक का अनुभव है, लिहाजा कुछ बताएं कि देशहित में क्या किया जाना चाहिए? शेखावत जी का संक्षिप्त और सटीक जवाब थे-एक साथ चुनाव कराए जाएं। दूसरे, बेहद छोटी पार्टियों पर पाबंदी लगा दी जाए, क्योंकि उनसे राजनीतिक व्यवस्था 'भ्रष्ट' होती है। दरअसल यह मुद्दा बहुत पुराना है, लेकिन 1967 के बाद समूचा सिलसिला बिगड़ गया। बहरहाल अब तो कोविन्द कमेटी की रपट का इंतजार करना होगा।

> 'एक देश, एक चुनाव' का मुद्दा ज्यादातर संवैधानिक और कानूनी है, लिहाजा न्यायाधीशों और चुनाव आयुक्तों की भूमिका अपरिहार्य है। बहरहाल इस समिति के निष्कर्षों की रपट देखना और पढ़ना ही अब देश के आम आदमी की भी नियति है। ऐसी कई रपटें सरकार के संग्रहालयों में मौजूद होंगी, लेकिन उन पर कोई अमल नहीं किया गया। कोविन्द कमेटी की रपट का भी हश्र क्या होगा, हम आज कुछ नहीं कह सकते, क्योंकि जो निर्णय किया जाना है, वह प्रधानमंत्री ने तय कर ही लिया होगा! देश के प्रधान न्यायाधीश रहे जस्टिस वेंकटचलैया ने भी तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को एक रपट सौंपी थी, जिसका मुख्य सारांश यह था कि देश का संघीय ढांचा बदला नहीं जा सकता। एक पुराना प्रसंग भैरोसिंह शेखावत का भी याद आता है, जब उन्होंने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था। तब के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह शिष्टाचार मुलाकात करने गए थे। उन्होंने पूछा था कि राजनीति में आपका 50 सालों से अधिक का अनुभव है, लिहाजा कुछ बताएं कि देशहित में क्या किया जाना चाहिए? शेखावत जी का संक्षिप्त और सटीक जवाब थे-एक साथ चुनाव कराए जाएं। दूसरे, बेहद छोटी पार्टियों पर पाबंदी लगा दी जाए, क्योंकि उनसे राजनीतिक व्यवस्था 'भ्रष्ट' होती है।

कुछ अलग

पर्यटन महज बुलावा नहीं

हिमाचल में पर्यटन की योजनाओं को यह खुशफहमी हो गई है कि हम साल में पांच करोड़ सैलानी आकर्षित कर लेंगे। यह करिश्मा नहीं आंकड़े हैं और असंभव भी नहीं, लेकिन पर्यटन महज बुलावा नहीं, बल्कि आने वाले की अनुभूति में संतोष का भाव मांगता है। यानी हम अपनी 70 लाख की आबादी से सात गुना अधिक पर्यटकों को बुलाना चाहते हैं। अभी हम आबादी के दो से ढाई गुना तक पर्यटक पहुंचा कर क्या हासिल कर पाए हैं। सिर्फ एक सीजन की इंतिहा में पर्यटक स्थलों की हालत देखें या यह देखें कि अटल टनल से जब कभी एक हफ्ते में दस हजार वाहन गुजर जाते हैं, तो ट्राइबल परिदृश्य के दोनों छोर किस तरह कांपते हैं। क्या अंदाजा है कि एक वाहन अपने साथ कितना प्रदूषण, कितना परिवहन दबाव और कितना कचरा लेकर आता है। अगर हम पांच करोड़ सैलानियों के लिए बाहें खोल भी दें, तो प्रदेश की क्षमता में हासिल क्या होगा। इस तरह एक अनुमान के अनुसार हर दिन सवा से डेढ़ लाख पर्यटकों का आगमन सुनिश्चित करना होगा। इन्हें प्रदेश में रहने के लिए हर दिन कम से कम पचास हजार कमरे और आगमन के लिए तीस हजार वाहन चाहिएं। जाहिर है ये दबाव मौजूदा अधोसंरचना, व्यवस्था और विभिन्न नागरिक सुविधाओं के प्रबंधन के आसरे ही होगा। पांच करोड़ सैलानी पेयजल तथा विद्युत आपूर्ति के लिए उन्हीं सुविधाओं पर निर्भर करेंगे, जो फिलहाल 70 लाख हिमाचलियों को न चौबीस घंटे पानी और न ही बिजली सप्लाई देने के लिए सक्षम हैं। पर्यटन का एक व्यवहार व सीमा है और इसी के अनुपात में इससे जुड़ी आर्थिकी का रिश्ता भी है। अब तक का मूल्यांकन बताता है कि जो पर्यटक आते हैं, उनका अस्सी फीसदी भाग केवल धार्मिक पर्यटन से जुड़ रहा है। इस दौरान यह भी गौर करना होगा कि साल में धार्मिक अनुष्ठानों, मेलों और अन्य गतिविधियों की एक सीमित अवधि है और इसीलिए नवरात्रि या सावन के महीने में धार्मिक पर्यटकों का रेला हर तरह की अव्यवस्था का प्रदर्शन बन जाता है। यहां पर्यटक और धार्मिक यात्री के आचार-व्यवहार का अंतर समझना होगा। धार्मिक यात्री सस्ती सुविधाओं से भी नीचे लंगर प्रवृत्ति में एक फेरा लगा रहा है। वह पुराने वाहनों, रेंगते दोपहिया वाहनों, ट्रैफिक नियमों की अवहेलना में एक भीड़ के उन्माद की तरह कुछ दिनों के लंगर में आंकड़ा बन जाता है। इस स्थिति से पार पाने के लिए चिंतपूर्णी में शुरू हुआ वीआईपी दर्शन से नई परिपाटी जुड़ती है, लेकिन हमारे धार्मिक स्थल अभी दक्षिण भारत के मंदिरों की तरह व्यवस्थित नहीं हो पाए हैं। मंदिर व्यवस्था का सरकारीकरण केवल विभागीय प्राथमिकताओं का अड्डा बन चुका है। यहां राजस्व विभाग के कैडर में कला-संस्कृति विभाग अपना झंडा फहरा रहा है। आश्चर्य यह भी है कि हम आज तक हिमाचल की बड़ी बांध परियोजनाओं के विस्थापितों को तो बसा नहीं पाए, लेकिन उम्मीद कर रहे हैं कि हर साल पांच करोड़ यहां आकर पर्यटन क्षेत्र में बस जाएं। यदि पांच करोड़ पर्यटक एक रात के लिए आएं तो अलग बात है, लेकिन अगर एक करोड़ सैलानी पांच दिन का कार्यक्रम बना कर आएं तो उतनी ही संख्या से फायदा पांच गुना हो जाएगा। हमारी कोशिश पर्यटक दिनों में होनी चाहिए, न कि सैलानियों की तादाद में। कल अगर पांच करोड़ सैलानियों में से अस्सी फीसदी धार्मिक यात्रा पर आ गए, तो चार करोड़ लोग केवल भजन-कीर्तन करके लौट जाएंगे, लेकिन अगर एक करोड़ हाई एंड टूरिस्ट आ कर हफ्ता भर रुक जाएं तो यही क्षमता सात करोड़ पर्यटक दिनों में पूरी आर्थिकी की क्षमता बदल सकती है।

दिल्ली में होने वाले जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन पर टिकी हैं

जी-20 सम्मेलन से नये विश्व की संरचना संभव

ललित गर्ग

> भारत इस साल जी-20 का अध्यक्ष होते हुए दुनिया को नयी दिशाएं एवं नये आयाम दिये हैं। सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन-ताइवान की तनातनी और उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण को लेकर असुरक्षा एवं अशांति की चिंताओं से घिरी हुई है। हालांकि जी-20 सुरक्षा संबंधी मुद्दों का नहीं, आर्थिक मुद्दों का मंच है, लेकिन सुरक्षा, शांति एवं युद्धमुक्त से होकर ही आर्थिक उन्नति के रास्ते खुलते हैं।

हिंसा आतंक एवं युद्ध से संत्रस्त दुनियाभर की नजरें 9 और 10 सितंबर को दिल्ली में होने वाले जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन पर टिकी हैं। यह सम्मेलन इसलिए भी खास है कि भारत इस साल जी-20 का अध्यक्ष होते हुए दुनिया को नयी दिशाएं एवं नये आयाम दिये हैं। सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन-ताइवान की तनातनी और उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण को लेकर असुरक्षा एवं अशांति की चिंताओं से घिरी हुई है। हालांकि जी-20 सुरक्षा संबंधी मुद्दों का नहीं, आर्थिक मुद्दों का मंच है, लेकिन सुरक्षा, शांति एवं युद्धमुक्त से होकर ही आर्थिक उन्नति के रास्ते खुलते हैं। सुरक्षा चिंताओं ने दुनिया की अर्थव्यवस्था को जिस तरह प्रभावित कर रखा है, जी-20 देशों के लिए इसे पूरी तरह नजरअंदाज करना संभव नहीं है। जी-20 के सदस्य देशों की संयुक्त रूप से दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद में करीब 85 फीसदी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में 75 फीसदी की भागीदारी है। इस मंच के अध्यक्ष होने के नाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आर्थिक उन्नति के लिये शांति का सन्देश दिया है, उनका कहना है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है' सन्देश फिर दुनिया को देने की जरूरत है। चीन की विस्तारवादी नीतियों पर अंकुश के लिए भी सम्मेलन में निर्णायक रूपरेखा एवं दिशाएं तय होनी चाहिए। जाहिर है, दिल्ली शिखर सम्मेलन में जो भी फैसले किए जाएंगे, पूरी दुनिया के लिए महत्त्वपूर्ण होंगेएवं उसी से नई विश्व संरचना संभव होगी।

समूची दुनिया युद्ध नहीं चाहती, अहिंसा एवं शांति की तेजस्विता ही विश्वजनमत की सबसे बड़ी अपेक्षा है, अब अहिंसा कायरता नहीं है बल्कि उन्नत एवं आदर्श विश्व संरचना का आधार है। अब एक दौर अहिंसा का चले, उसकी तेजस्विता का चले तो विश्व इतिहास के अगले पृष्ठ सचमुच में स्वर्णिम होंगे, जी-20 के माध्यम से आर्थिक उन्नति के रास्ते कपोतों के मुंह में गेहूं की बाली लिये होंगे। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा चीन एवं रूस पर निर्णय एवं निर्णायक रूपरेखा को तैयार करना ही होगा। दिल्ली सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की दूसरे देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों पर सबकी नजरें टिकी थीं, पर दोनों सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। इससे सम्मेलन के उद्देश्यों और संभावनाओं पर खास असर नहीं पड़ेगा। जब अमरीका, ब्रिटेन,

ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, इटली, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया जैसे बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं तो दुनिया की मौजूदा चुनौतियों से निपटने की कोई न कोई दिशा जरूर उभरेगी। इसकी संभावनाएं इसलिए भी बढ़ गई हैं, क्योंकि भारत ने नीदरलैंड्स, मिस्र, स्पेन, नाइजीरिया, संयुक्त अरब अमीरात और बांग्लादेश समेत नौ ऐसे देशों को भी आमंत्रित किया है, जो जी-20 के सदस्य नहीं हैं।

भारत ने सारी वसुधा को अपना परिवार मानते हुए ही जी-20 के अध्यक्षीय दायित्व को संभाला है। आज से एक सदी पूर्व अमरीका के शिकागो में सर्वधर्म सम्मेलन में उपस्थित प्रतिनिधियों को 'बहिनों और भाइयों' के रूप में सम्बोधित कर स्वामी विवेकानंद ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भारतीय भावना का ही विचार तो दिया था, जिसे सुनकर वहां उपस्थित सभी प्रतिनिधि आश्चर्यचकित रह गये और इस संबोधन से गद्गद् होकर बहुत देर तक करतल ध्वनि करते रहे। आज भी मोदी उसी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' मंत्र को जी-20 का उद्घोष एवं लोगो बनाकर दुनिया को एक परिवार बनाने की ओर कदम बढ़ाये हैं, लेकिन इन राहों में चीन एवं रूस जैसे महत्वाकांक्षी देश कांटे बो रहे हैं। दरअसल, दुनिया के देशों को यह समझना होगा कि इस वक्त चीन और रूस, दोनों ही अपने हिसाब से दुनिया को संचालित करना चाहते हैं। दोनों की मंशा अपने पड़ोसी देशों की संप्रभुता को नष्ट करने की है और साथ ही, इस सरासर अन्यायपूर्ण व अमानवीय कृत्य में वे जी-20 जैसे मंचों का समर्थन भी चाहते हैं। कैसे भुला दिया जाए कि पुतिन यूक्रेन के खिलाफ बाकायदा युद्ध लड़ रहे हैं, तो चीन ताइवान व भारतीय इलाकों पर लगातार गिद्ध दृष्टि गड़ा बैठा है? इसके बावजूद दुनिया में निरंतर सशक्त होते भारत को न तो निरश होना चाहिए और न हार मानकर बैठ जाना चाहिए।

भारत को अपनी परम्परा से मिली ऊर्जा से दुनिया में शांति, सुख एवं समृद्धि की कामना एवं प्रयत्न करते रहना हैं। इतिहास साक्षी है कि सभी प्राणियों के सुख-शांति की कामना करने वाले हमारे पूर्वजों ने कहीं भी राजनैतिक सत्ता की प्राप्ति का लक्ष्य रखकर आक्रमण नहीं किया, किसी देश पर अतिक्रमण नहीं किया, किसी देश की सीमाओं पर कब्जा नहीं किया। यदि कहीं संघर्ष की स्थिति आयी थी तो लक्ष्य रहा सज्जनों का परित्राण और दुष्टों का विनाश। इसके अतिरिक्त जहां कहीं वे गये, वहां अपने सद्व्यवहार और ज्ञान के बल पर उन्होंने भाईचारे और भारतीय संस्कृति की पताका ही लहराई न कि सत्ता के मद में किसी पर आक्रमण किया। वृहत्तर भारत के देशों में आज भी भारतीय संस्कृति के गरिमामय अवशेष इस कथ्य के प्रमाण हैं। दुनिया के प्रति भारत की अपनी स्वतंत्र नीति है और उसी के अनुरूप आचरण जारी रहना चाहिए। ध्यान रहे, हमारी प्रगति के प्रति प्रतिकूल नजरिया रखने वाले देशों की चलती, तो भारत में कभी जी-20 का आयोजन नहीं होता और न अध्यक्षता मिलती। भारत ने जो पाया है, अपने प्रयासों से पाया है और आगे भी उसे अपने पुरुषार्थ से ही सफलताएं हासिल होंगी।

आज भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट के लिए अकेले चीनी राष्ट्रपति जिम्मेदार हैं। एकाधिक ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे यह सिद्ध किया जा सकता है कि भारत में होने वाले शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग आ रहे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि जोड़ने-जुड़ने के शिखर मंच पर चीन की ओर से तोड़ने-टूटने की बातें नहीं होंगी। निश्चित ही भारत ने अपनी अध्यक्षता में जी-20 को और ज्यादा समावेशी मंच बनाया है, अनेक नये देशों को इस मंच से जोड़ा गया है। भारत के प्रयासों से अफ्रीकी संघ भी जी-20 से जुड़ा, जबकि पहले इस मंच पर अफ्रीका के लोगों की आवाज नहीं थी। वैश्विक आर्थिक संकट से उबरने के लिए 1999 में जब जी-20 का गठन किया गया था तो शुरुआत में सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों और प्रमुख बैंक गवर्नर ही सम्मेलन में बुलाए जाते थे। दिल्ली सम्मेलन में पहली बार करीब 40 देशों के राष्ट्राध्यक्ष व कई वैश्विक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होने वाले हैं, निश्चित ही यह सम्मेलन अनूठा एवं विलक्षण होगा और भारत ने इसकी गरिमा के अनुकूल तैयारियां भी भव्य एवं अद्वितीय की है।

ब्रिक्स के विस्तार के निहितार्थ

> 'ब्रिक' गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओश्नील द्वारा 2001 में गढ़ा गया एक शब्द है, जिसमें भविष्यवाणी की गई थी कि चार देश- ब्राजील, रूस, भारत और चीन (ब्रिक) 2050 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर हावी हो जाएंगे। हालांकि ब्रिक औपचारिक रूप से 2009 में अस्तित्व में आया, जब इसका पहला शिखर सम्मेलन हुआ। लेकिन ऐसे समूह के गठन की चर्चा 2006 में शुरू हो गयी थी। बाद में 2011 में दक्षिण अफ्रीका औपचारिक रूप से ब्रिक में शामिल हो गया और तब से इस समूह को ब्रिक्स के नाम से जाना जाता है। वैसे तो मुल्कों के समूह बनाकर आपसी सहयोग को आगे बढ़ाना अंतरराष्ट्रीय जगत में एक आम बात है, लेकिन ब्रिक्स, देशों का एक समूह मात्र नहीं है। वास्तव में अभी तक अमरीका और पश्चिम के देशों का वैश्विक व्यवस्था में एक दबदबा बना हुआ था, जो देश उनकी आर्थिक ताकत को चुनौती दे रहे थे, यह उन देशों का समूह है।

हाल ही में संपन्न पांच देशों की सदस्यता वाले ब्रिक्स समूह का शिखर सम्मेलन जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में संपन्न हुआ। सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिलवा और साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सीरिल रामाफोसा ने प्रत्यक्ष रूप से हिस्सा लिया। इसके अलावा रूस के विदेश मंत्री सेरगी लेवरोव ने रूस का प्रतिनिधित्व किया और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस सम्मेलन की खास बात यह रही कि ब्रिक्स में अब 6 और देशों अर्जेंटीना, यूएई, ईरान, सऊदी अरेबिया, इथोपिया व मिस्र (इजिप्ट) को भी शामिल करने का निर्णय लिया गया है। 'ब्रिक' गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओश्नील द्वारा 2001 में गढ़ा गया एक शब्द है, जिसमें भविष्यवाणी की गई थी कि चार देश- ब्राजील, रूस, भारत और चीन (ब्रिक) 2050 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर हावी हो जाएंगे। हालांकि ब्रिक औपचारिक रूप से 2009 में अस्तित्व में आया, जब इसका पहला शिखर सम्मेलन हुआ। लेकिन ऐसे समूह के गठन की चर्चा 2006 में शुरू हो गयी थी। बाद में 2011 में दक्षिण अफ्रीका औपचारिक रूप से ब्रिक में शामिल हो गया और तब से इस समूह को ब्रिक्स के नाम से जाना जाता है। वैसे तो मुल्कों के समूह बनाकर आपसी सहयोग को आगे बढ़ाना अंतरराष्ट्रीय जगत में एक आम बात है, लेकिन ब्रिक्स, देशों का एक समूह मात्र नहीं है। वास्तव में अभी तक अमरीका और पश्चिम के देशों का वैश्विक व्यवस्था में एक दबदबा बना हुआ था, जो देश उनकी आर्थिक ताकत को चुनौती दे रहे थे, यह उन देशों का समूह है। गौरतलब है कि वर्तमान में जो पांच देश ब्रिक्स में शामिल हैं, इन देशों में तेजी से जीडीपी में संवृद्धि हो रही है। सामान्य तौर पर इन देशों में संवृद्धि की काफी अधिक है, जबकि विकसित देशों की संवृद्धि थम चुकी है। यही कारण है कि वैश्विक जीडीपी में इन पांच ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी, जो वर्ष 2011 में केवल 20.51 प्रतिशत थी, वर्ष 2023 तक बढक़र 26.62 प्रतिशत हो गई है। राजनयिक दृष्टि से विभिन्न देशों में सहयोग हो या आपसी खींचतान, अत्यंत डिपलोमेटिक तरीके से अभिव्यक्त होती है। गौरतलब है कि ब्रिक्स बनने से पहले विकासशील देशों की आवाज उठाने के लिए कोई प्रभावी वैश्विक मंच नहीं था। ब्रिक्स बनने के बाद विकासशील देशों के मुद्दों को थोड़ी बहुत आवाज मिलनी शुरू हुई। शायद इसीलिए अब और कई विकासशील देश ब्रिक्स की सदस्यता लेने हेतु इच्छुक हैं। इस सम्मेलन में जहां 6 और देशों को ब्रिक्स में शामिल करने का निर्णय किया गया है, यह समझने की जरूरत है कि ब्रिक्स के इस विस्तार के क्या मायने हैं? ब्रिक्स में 6 देशों को शामिल करने के बाद, विस्तृत ब्रिक्स समूह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 29.6 प्रतिशत और वैश्विक जनसंख्या का 46 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करेगा। ब्रिक्स जैसे समूह विकासशील देशों के हितों की रक्षा करने का प्रयास करते हैं। गौरतलब है कि वर्तमान समय में अमेरिका और यूरोप जैसे देश विकासशील देशों पर अपनी शर्तें थोपने की कोशिश करते हैं। लेकिन साथ ही विकासशील देश भी अपने लिए समाधान तलाशने की कोशिश में हैं। हाल ही में, रूस-यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत के बाद, यूरोप और अमेरिका ने रूस पर प्रतिबंध लगा दिए, और उसे यूरोप के प्रभाव क्षेत्र में आने वाली 'स्विफ्ट' प्रणाली से बाहर कर दिया गया, जिसका अर्थ है कि रूस के साथ व्यापार संबंध रखने वाले देश न तो भुगतान दे पायेंगे और न ही प्राप्त कर पायेंगे। साथ ही साथ यूरोप और अमरीका ने उनके केंद्रीय बैंकों व अन्य बैंकों के पास दूसरे देशों की जमा राशि को भी अंतरित करने पर प्रतिबंध लगा दिया। ऐसे में दुनिया के अधिकांश विकासशील देश अब अमरीका और यूरोप से आशंकित हैं। विकसित देशों की इस प्रकार की मनमानी के चलते विकासशील देश नये रास्ते खोजने की कोशिश में हैं। पहले ब्रिक्स और अब उसका विस्तृत रूप विकासशील देशों की उन अपेक्षाओं को कैसे पूर्ण करेगा, इसका विश्लेषण करना जरूरी है।

गौरतलब है कि चीन और रूस को छोड़ शेष सभी देश व्यापार घाटे की समस्या से जूझ रहे हैं। चूंकि अभी तक समस्त अंतरराष्ट्रीय व्यापार का निपटान अधिकांशतः अमरीकी डॉलरों में ही होता रहा है, और इन सभी देशों की कैरेंसियों का लगातार अवमूल्यन भी होता रहा है। यही नहीं व्यापार घाटे और भुगतान घाटे से जूझते हुए ये देश कई बार भुगतानों की समस्याओं का भी सामना करते रहे हैं। इस भुगतान शेष की समस्या का कुछ हद तक समाधान देशीय कैरेंसियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के भुगतान से हो सकता है। हालांकि भारत ने रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के भुगतान की तरफ कदम बढ़ाया है और 19 देशों के साथ इस संबंध में उल्लेखनीय प्रगति भी हुई है। लेकिन विकासशील देश मोटे तौर पर देशीय कैरेंसियों में अंतरराष्ट्रीय भुगतानों के संबंध में कोई विशेष सफलता हासिल नहीं कर पाये। पिछले कुछ समय से ब्रिक्स में देशीय कैरेंसियों में अंतरराष्ट्रीय भुगतान के बारे में वार्ताएं चल रही हैं। यही नहीं ब्रिक्स देशों के बीच ब्रिक्स कैरेंसी के नाम पर एक नई रिजर्व कैरेंसी शुरू करने की कवायद भी चल रही है। इस नई ब्रिक्स कैरेंसी का लाभ यह हो सकता है कि इससे ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार में वृद्धि होगी और डॉलरों में परिवर्तन की ऊंची लागत से भी बचा जा सकेगा। वैसे ब्रिक्स कैरेंसी के बारे में निर्णय इतना आसान नहीं होगा, लेकिन शुरुआती तौर पर ब्रिक्स देश आपस में देशीय कैरेंसियों में व्यापार करने के काफी इच्छुक दिखाई दे रहे हैं। ऐसे समाचार हैं कि हाल में संपन्न शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के भुगतान अब देशीय करेंसियों में करने का निर्णय लिया है। भारत, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील ने देशीय कैरेंसियों में व्यापार की तरफ कदम बढ़ाए हैं।

देश दुनीया से

बाघों को अपनों से खतरा

राष्ट्रीय पशु बाघ के संरक्षण पर हमेशा से सवाल उठते रहे हैं। चाहे वह उसके शिकार, शिकारियों पर अंकुश, वन्यजीवों के अंगों की तस्करी करने वाले गिरोहों और अधिकारियों की मिलीभगत, बाघों की संख्या, उनकी मौत के आंकड़े या उनके संरक्षण या प्रबंधन में नाकामी की बात हो, सवाल उठना कोई नई बात नहीं है। अभी हाल ही में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण यानी एनटीसीए ने खुलासा किया कि पिछले दस वर्षों में तकरीबन 1,105 बाघों की मौत हुई है। एनटीसीए के अनुसार, उसने 2012 से 2022 तक मारे गए 1,105 बाघों की पोस्टमार्टम व फॉरेंसिक रिपोर्ट की विस्तृत जांच की, लेकिन सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि उसमें से 27.97 फीसदी बाघों की मौत की पहेली अनसुलझी है। इसका खुलासा कर पाना विशेषज्ञों के लिए भी चुनौती है। वे आज भी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने में नाकाम रहे हैं कि इन बाघों की मौत के पीछे वन्यजीव तस्कर या शिकारी हैं या इसका कोई और कारण है। एनटीसीए के मुताबिक, इस साल बीते आठ महीनों में कुल 125 बाघों की मौत हो चुकी है, जबकि 2022 में 121 बाघों की मौत हुई थी। एनटीसीए के दावों को मानें, तो इन मौतों के पीछे जंगल में बाघों की बढ़ती तादाद और उनका दूसरे वन्यजीवों के साथ बढ़ता संघर्ष है। इससे इस बात की पुष्टि होती है कि बाघों को बाहरी लोगों के मुकाबले अपनों से ज्यादा खतरा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जिन बाघों की मौतों की जांच एनटीसीए ने अध्ययन के बाद बंद कर फाइनल रिपोर्ट लगा दी है, उनमें 70 फीसदी से ज्यादातर बाघों की मौत आपसी संघर्ष और दूसरे वन्यजीवों के हमलों के कारण हुई है। यह अलग बात है कि वन विभाग ऐसी मौतों को प्राकृतिक मौत करार देता है। उसके अनुसार, इनमें बीमारी, बढ़ती उम्र यानी बुढ़ापा, आपसी संघर्ष व दूसरे वन्यजीवों के हमले अहम हैं। एनटीसीए के मुताबिक, बाघों के शिकार पर काफी हद तक वन अधिकारियों और पुलिस बल ने अंकुश पा लिया है। जहां तक अभयारण्यों का सवाल है, उत्तराखंड स्थित कार्बेट टाइगर रिजर्व बाघों के घनत्व के मामले में समूचे देश में शीर्ष पर है। 1288.31 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस टाइगर रिजर्व में तकरीबन 260 बाघ हैं। यहां भी पिछले चार वर्षों में 29 बाघ बढे.हैं। 2014 में यह तादाद 215 थी। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2018 के बाद यहां बाघों की तादाद 12.5 फीसदी बढ़ी, जबकि 2021 से पाखरो टाइगर सफारी को लेकर कार्बेट टाइगर रिजर्व लगातार चर्चा में रहा। टाइगर सफारी के लिए अनुमति से ज्यादा यहां पर बडे.पैमाने पर पेड़ों का कटान, बिना अनुमति कालागढ़ व पाखरो वन क्षेत्र में अवैध निर्माण का मामला काफी दिनों तक सुर्खियों में रहा। गौरतलब है कि जांच में इन मामलों की पुष्टि होने के बाद बाघों के वास स्थलों का मामला काफी चर्चित रहा। टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, वन विभाग की 2,171 बीघा जमीन भूमाफिया और वन विभाग की मिलीभगत से बेच दिए जाने और वन क्षेत्र व रिजर्व में अवैध निर्माण के बावजूद बाघों की तादाद में बढ़ोतरी जहां महत्वपूर्ण उपलब्धि है, वहीं बाघों के संरक्षण की चुनौती भी काफी बढ़ी है, जिससे पार पाना आसान नहीं है। बाघों की बढ़ती मौतों की एक वजह बीमार, बूढे.और अशक्त हो चुके बाघों पर युवा बाघों के हमले भी हैं, जिसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता। एनटीसीए भले ही बाघों के शिकार पर अंकुश का दावा करे, लेकिन आए दिन बाघों की खाल, अंगों की बरामदगी सहित वन्यजीव तस्करों की गिरफ्तारी इसके सबूत हैं कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा वन्य जीव संरक्षण संशोधन अधिनियम, 2022 लागू किए जाने के सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। इनमें मानवीय भूमिका के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। लेकिन इसके लिए वन्यजीवों के साथ संघर्ष, उनके शिकार पर अंकुश तथा जीवों और वानस्पतिक विरासत के प्रति हमारा संवेदनशील रवैया बेहद जरूरी है, तभी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

> एनटीसीए के अनुसार, उसने 2012 से 2022 तक मारे गए 1,105 बाघों की पोस्टमार्टम व फॉरेंसिक रिपोर्ट की विस्तृत जांच की, लेकिन सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि उसमें से 27.97 फीसदी बाघों की मौत की पहेली अनसुलझी है। इसका खुलासा कर पाना विशेषज्ञों के लिए भी चुनौती है। वे आज भी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने में नाकाम रहे हैं कि इन बाघों की मौत के पीछे वन्यजीव तस्कर या शिकारी हैं या इसका कोई और कारण है। एनटीसीए के मुताबिक, इस साल बीते आठ महीनों में कुल 125 बाघों की मौत हो चुकी है, जबकि 2022 में 121 बाघों की मौत हुई थी।

दृष्टिकोण

सियासत की राह पर सरपट दौड़ रही हिंदी

तमिलनाडु की मौजूदा सत्ता का नजरिया क्या हिंदी के प्रति उदार होने लगा है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है कि कुछ ही दिन पहले तमिलनाडु की द्रमुक सरकार ने अपनी उपलब्धियों को लेकर उत्तर भारत के कुछ बड़े हिंदी अखबारों में पूरे पृष्ठ का विज्ञापन जारी किया था। जिस हिंदी के विरोध में द्रमुक की पूरी राजनीति आगे बढ़ी है, उसी हिंदी में द्रमुक सरकार का विज्ञापन जारी करना मामूली बात नहीं है। द्रमुक ने राजनीतिक दल के तौर पर बहुत सारी उपलब्धियां हासिल की हैं। तमिलनाडु की जनता की नजर में उसकी एक कामयाबी हिंदी विरोध को उस चरम पर पहुंचाना भी रहा है, जहां से पीछे लौट पाना आसान नहीं। सांविधानिक प्रावधानों के मुताबिक, हिंदी को 26 जनवरी, 1965 के दिन से राजभाषा के तौर पर पूरी तरह स्थापित होना था। वह द्रविड़ राजनीति ही रही, जिसने तब गणतंत्र दिवस के सम्मानवश 26 जनवरी के बजाय उसके ठीक एक दिन पहले यानी 25 जनवरी को पूरे तमिलनाडु को हिंदी-विरोधी काले झंडों से पाट दिया था। उसके बाद हिंदी को राजभाषा का असल स्थान देना टल ही गया। हिंदी के विरोध में काला झंडा फहराने वाले राजनीतिक दल के हिंदी में विज्ञापन जारी करने पर सुखद आश्चर्य होगा ही। स्टालिन सरकार के इस कदम पर हैरान होने की कई वजहें हैं। भारतीय राजनीति की समाजवादी धारा हिंदी की घोर समर्थक रही है। लोहिया का अंग्रेजी हटाओ अभियान हिंदी का समर्थन ही था। मुलायम सिंह यादव जब पहली बार मुख्यमंत्री बने, तब हिंदी को स्थापित करने के लोहिया के सपने के अनुरूप कदम उठाने को प्रेरित हुए। अच्युतानंद मिश्र जैसे कतिपय वरिष्ठ पत्रकारों के सुझाव पर उन्होंने गैर हिंदीभाषी राज्यों के बीच हिंदी को पत्र-व्यवहार का माध्यम बनाया। गैर हिंदीभाषी राज्यों की सुविधा के लिहाज से हिंदी पत्र का उस विशेष राज्य की भाषा में अनुवाद भी दिया जाना था। उसी योजना के तहत स्टालिन के पिता और तत्कालीन मुख्यमंत्री एम करुणानिधि की सरकार को हिंदी में तमिल अनुवाद के साथ पत्र भेजा गया। पर करुणानिधि ने मुलायम से अपने गर्मजोशी भरे संबंधों को धता बताते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को सिर्फ तमिल और अंग्रेजी में जवाब भेजा। हाल-हाल तक स्टालिन सरकार हिंदी को लेकर आक्रामक रही है। अगस्त, 2020 में नई शिक्षा नीति के बहाने स्टालिन ने हिंदी के खिलाफ हमला बोला था। बीते मार्च में जब नियमों के तहत दही के पैकेट पर हिंदी में दही लिखना अनिवार्य किया जा रहा था, तब तमिलनाडु ने भाषायी साम्राज्यवाद का आरोप लगाते हुए इसका विरोध किया। पिछले महीने भी स्टालिन सरकार ने हिंदी के खिलाफ विषवमन किया। तमिलनाडु में हिंदी का विरोध अलबत्ता अब सिर्फ राजनीतिक ही रह गया है। चेन्नई की कई दुकानों पर हिंदी में सामान मांगने या मोल-तोल करने में अब हिंदीभाषियों को दिक्कत नहीं होती।

पाक में शिया बोले-कारगिल हाईवे को खोलो... हम भारत जाएंगे: फौज को दहशतगर्द बताया; बगावत दबाने आर्मी चीफ मुनीर ने भेजे उलेमा

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में इन दिनों घमासान मचा है। कट्टरपंथी सुन्नी संगठनों और पाकिस्तानी सेना के दमन के खिलाफ अल्पसंख्यक शियाओं ने विद्रोह कर दिया है। पहली बार इस क्षेत्र के शिया संगठन फौज के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। भारत से लगभग 90 किलोमीटर दूर स्कर्दू में शिया समुदाय के लोग भारत की ओर जाने वाले कारगिल हाइवे को खोलने की मांग पर अड़ गए हैं। उनका कहना है कि वे अब पाकिस्तानी फौज की हुकूमत वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में नहीं रहना चाहते हैं, वे भारत जाना चाहते हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान की लगभग बीस लाख की आबादी में से आठ लाख शियाओं के बगावती तेवरों को देखते हुए पाकिस्तानी फौज के 20 हजार अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है।

पाकिस्तानी फौज को दहशतगर्दी बताया

- पाकिस्तान की फौज के खिलाफ शियाओं मे नारा लगाया- ये जो दहशतगर्दी हैं, उसके पीछे 'वर्दी' है। गिलगित-बाल्टिस्तान में शियाओं का आरोप है कि पाक सेना 1947 के बाद से यहां से शियाओं को भगा रही है। सेना ने यहां सुन्नी आबादी को बसाया। कभी शिया बहुल रहे क्षेत्र में अब शिया अल्पसंख्यक हो गए हैं। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि सेना भी यहां शिया बहुल क्षेत्रों में जाने से कतरा रही है। धारा 144 लगाने के बावजूद स्कर्दू, हुंजा, दियामीर और चिलास में शिया संगठनों का प्रदर्शन जारी है। मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बगावत दबाने को आर्मी चीफ मुनीर ने भेजे उलेमा: आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने इस्लामाबाद से चार मुस्लिम उलेमाओं को गिलगित-बाल्टिस्तान भेजा है। अतिरिक्त बटालियन भी जब बगावत दबाने में विफल रही तो मुनीर को यह कदम उठाना पड़ा। स्कर्दू के एक शिया का कहना है कि बहुत देर हो गई, हम पीछे हटने वाले नहीं हैं।

शिया धर्मगुरु की गिरफ्तारी के बाद हुए प्रदर्शन स्कर्दू में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान शिया धर्मगुरु आगा बाकिर अल हुसैनी ने एक कुछ ऐसे कमेंट किए जिससे वहां की हुकूमत नाराज हो गई। धर्मगुरु को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, अल हुसैनी ने स्कर्दू इलाके में हुई उलेमाओं की बैठक पर सवाल खड़े कर दिए थे। इसमें उन्होंने ईशनिंदा पर कानूनों को और कड़ा बनाने की मांग की थी। शियाओं का मनना है कि कि ईशनिंदा के कानून कड़े बनाकर उनके समुदाय को टारगेट किया जाएगा। जनरल जिया उल हक से लेकर पाकिस्तान की सत्ता में बैठे हर एक नेता ने इस इलाके की डेमोग्राफी बदलने की कोशिश की है।

न्यूज ब्रीफ

जो बाइडेन की पत्नी जिल कोविड पॉजिटिव: व्हाइट हाउस बोला- अमेरिकी राष्ट्रपति की रिपोर्ट निगेटिव; वे 7 सितंबर को 4 दिन के दौरे पर भारत आएंगे

वॉशिंगटन। जी20 के शिखर सम्मेलन के लिए भारत आ रहे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की पत्नी जिल बाइडेन

कोविड पॉजिटिव हैं। 80 साल के बाइडेन 7 सितंबर को 4 दिन के दौरे पर भारत आने वाले हैं। इस पर व्हाइट हाउस ने कहा है कि बाइडेन की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। वहीं, जिल बाइडेन डेलावेयर में उनके घर पर क्वारैंटाइन हैं। व्हाइट हाउस ने बताया है कि उनमें कोरोना के लक्षण काफी मामूली हैं। इस बीच वह डेलावेयर स्थित अपने आवास पर ही रहेंगी। उनके कम्युनिकेशन डायरेक्टर ने बताया कि व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट ने करीबी लोगों को इसकी इसकी जानकारी दी है। जो बाइडेन की पत्नी और अमेरिका की फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन स्किन कैंसर से भी पीड़ित रह चुकी हैं। जनवरी में उनकी सर्जरी हुई थी। 71 साल की जिल की एक आंख के ऊपर और चेस्ट से घाव वाली स्किन को निकाला गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को स्किन कैंसर हो गया था। व्हाइट हाउस के डॉक्टर केविन ओकॉनर ने मार्च 2023 में इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि बाइडेन के चेस्ट की स्किन पर घाव हो गया था। फरवरी 2023 में सर्जरी के दौरान इस घाव वाली स्किन को हटा दिया गया था। इसे जांच के लिए भेजा गया था, जिसमें पता चला कि ये घाव बेसल सेल कार्सिनोमा है। यह स्किन कैंसर का सामान्य रूप है। डॉक्टर ओकॉनर ने कहा- सर्जरी के दौरान कैंसर फैलाने वाले सभी टिश्यूज को हटा दिया गया। इलाज के बाद बाइडेन बिल्कुल ठीक हो गए हैं। उन्हें आगे इलाज की जरूरत नहीं है। वहीं, बाइडेन के बेटे ब्यू को ब्रेन कैंसर था। 2015 में उसकी मौत हो गई थी। तभी से जो बाइडेन अपनी हेल्थ को लेकर चिंतित थे। 80 साल के अमेरिकी राष्ट्रपति की फिटनेस पर उनके विरोधी लगातार सवाल खड़े कर रहे हैं। जुलाई में बाइडेन नाटो समिट के लिए फिनलैंड गए थे। वक्त बाइडेन जब एयरफोर्स वन पर बोर्डिंग के लिए स्टेयरकेस (सीढ़ियों) पर चढ़े तो लड़खड़ा गए। हालांकि, वक्त रहते वो संभल भी गए। इसके पहले नाटो समिट में बाइडेन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की को व्लादिमिर बोल दिया था। खास बात ये है कि अब दुनिया के सबसे सेफ और सिक्योर्ड एयरक्राफ्ट एयरफोर्स वन पर बहुत छोटा स्टेयरकेस लगाया जाने लगा है। इसकी वजह यह है कि बाइडेन तीन बार पहले भी बड़े स्टेयरकेस पर लड़खड़ा चुके हैं। कुछ दिन पहले प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट्स की रेस में शामिल रिपब्लिकन पार्टी की नेता निकी हेली ने बाइडेन के सेहत पर सवाल उठाए थे तो उनकी पत्नी जिल भड़क गई थीं।

पाकिस्तान से भेजे गए लड़ाकू विमान खराब निकले, म्यांमार नाराज

नेपीता। सात वर्ष पूर्व 2016 में पाकिस्तान और म्यांमार में हुए जेट खरीदी समझौते में पाकिस्तान ने

खराब लड़ाकू विमानों की आपूर्ति म्यांमार की सेना को कर दी। पाकिस्तान द्वारा म्यांमार को दिए गए बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान, जेएफ-17 थंडर को अयोग्य घोषित कर दिया गया है और सैन्य शासन ने इस गड़बड़ी के लिए जवाब देने के लिए इस्लामाबाद को एक 'सख्त संदेश' भी भेजा है। पाकिस्तान ने इन विमानों की आपूर्ति 2019 और 2021 के बीच की। इन सभी को संचालन के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है। डिलीवरी के तुरंत बाद इनमें खराबी के चलते पाक म्यांममार के रिश्तों में तनाव आगया है। जेएफ-17 की खराबी के बाद जो भी देश पाकिस्तान से ये विमान खरीदना चाहता था उसने कदम पीछे खींच लिए हैं। खासकर लैटिन अमेरिकी देशों को इसी तरह के विमान बेचने के पाकिस्तान के प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई है। म्यांमार सैन्य शासन ने पाकिस्तान से विमान खरीदने पर नई चर्चा में शामिल होने से इनकार कर दिया है।

यूएस में 3 करोड़ से ज्यादा हिरण: रॉक क्रीक पार्क का भविष्य खतरे में, हिरणों ने पौधों की कई प्रजातियां खाईं

वॉशिंगटन। 19वीं सदी में बड़े पैमाने पर डिफोरेस्टेशन और शिकार के कारण हिरणे अमेरिका से लगभग

खत्म हो गई थी। लेकिन इन हिरणों ने एक बार फिर अमेरिका में वापसी कर ली है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक साल 2023 में अमेरिका में 3 करोड़ से ज्यादा हिरणें हैं। इनमे से ज्यादातर हिरण पूर्वी तट पर हैं। इन हिरणों की वजह से वॉशिंगटन के रॉक क्रीक पार्क का भविष्य खतरे में दिखाई दे रहा है। 1700 एकड़ में फैले हुआ यह पार्क हजारों अमेरिकियों का वीकेंड्स पर स्ट्रेस बस्टर माना जाता है। लेकिन हिरणों की बढ़ती आबादी से इसकी हरियाली धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। सफेद पूंछ वाले हिरणों ने जरूरी देशी पौधों की प्रजातियों को खा लिया है। और पौधों को अगली पीढ़ी के पेड़ों में विकसित होने से रोक दिया है।

ग्रेन डील बहाल नहीं करेंगे पुतिन

तुर्किये के राष्ट्रपति से बातचीत के बाद भी रुख नहीं बदला, कहा- पहले हमारी शर्तें मानें पश्चिमी देश

मॉस्को।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने तुर्किये के प्रेसिडेंट रिसेप तैयप एर्दोगन से मुलाकात की। एर्दोगन ने पुतिन को ग्लोबल फूड क्राइसिस से निपटने में मदद मांगी और कहा कि रूस को पुरानी ग्रेन डील फिर शुरू करनी चाहिए। पुतिन ने इससे साफ इनकार कर दिया। रूसी राष्ट्रपति ने एर्दोगन से कहा कि वो सिर्फ उसी सूरत में ग्रेन डील शुरू कर सकते हैं, जब पश्चिमी देश उनकी शर्तें मान लें। एर्दोगन ने पिछले साल पुतिन को ग्रेन डील के लिए मनाया था। तब रूस ने वादा किया था कि वो यूक्रेन के ब्लैक सी यानी काले सागर से गुजरने वाले कार्गो शिप्स को निशाना नहीं बनाएंगे।

अफ्रीका के 6 देशों को अनाज देगा रूस

एर्दोगन से मुलाकात के बाद पुतिन ने एक बयान जारी किया। कहा- हमने वादा किया था कि मिडिल ईस्ट और अफ्रीका को रूस फूड प्रोडक्ट्स सप्लाई करेगा और हम इस वादे पर कायम हैं। रूस और यूक्रेन गेहूं और सनफ्लॉवर ऑयल के सबसे बड़े सप्लायर हैं। खासतौर पर ईस्ट अफ्रीका के गरीब देशों को जो अनाज और तेल जाता है, वो ज्यादातर इन्हीं देशों का होता है। जुलाई में यह डील खत्म हो गई थी और रूस ने साफ कर दिया था कि रूस अब इस डील को एकतरफा तौर पर खत्म कर रहा है। रूस के मुताबिक- पश्चिमी देशों ने जो पाबंदियां लगाई हैं, उसकी वजह से रूस के एग्रीकल्चर सेक्टर पर गंभीर असर पड़ा है और इन पाबंदियों को खत्म करना होगा। अफ्रीकी देशों को ग्रेन सप्लाई का जो भरोसा दिलाया गया है, वो हर हाल में पूरा किया जाएगा। पिछली बार भी एर्दोगन ने इस डील में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी वो ही पुतिन को डील शुरू कराने के लिए तैयार करना चाहते थे, लेकिन मीटिंग के बाद यह साफ हो गया है कि पुतिन झुकने को तैयार नहीं हैं। रूस के इस फैसले का हर तरफ विरोध हो रहा है। यूएन ने कहा है कि इससे लाखों लोगों के भूख से मरने का खतरा बढ़ जाएगा। अमेरिका ने इसे तानाशाही रवैया करार दिया है, तो यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने कहा है कि वो दुनिया को अनाज सप्लाई करते रहेंगे। 24 फरवरी 2022 को रूस ने यूक्रेन पर हमला किया और दोनों देशों के बीच जंग शुरू हो गई। यूक्रेन फूड सप्लाई के मामले में दुनिया के अव्वल देशों में से एक है। ब्लैक सी से गुजरने वाले उसके ग्रेन शिप्स पर रूस के हमलों का खतरा था। लिहाजा, उसने सप्लाई रोक दी और इससे चेन एंड सप्लाई कमजोर पड़ गई। कई यूरोपीय देशों के अलावा अफ्रीका में लोगों के भूख से मरने का खतरा पैदा हो गया। इस बीच, तुर्किये और यूएन की कोशिशों से पिछले साल जुलाई में एक डील हुई। इसमें यह था कि रूस और यूक्रेन दोनों ही एक-दूसरे के कार्गो शिप्स पर हमले नहीं करेंगे। इसके अलावा यूएन के अफसर हर शिप की जांच करेंगे, ताकि इनका इस्तेमाल हथियार ले जाने में न हो। खास बात यह है कि यूक्रेन फूड आइटम्स के अलावा बड़ी तादाद में फर्टिलाइजर भी एक्सपोर्ट करता है। अब पुतिन ने यह डील एकतरफा तौर पर रद्द कर दी है। मायने ये कि वो यूक्रेन के अन्न ले जा रहे जहाजों को भी निशाना बना सकता है। पुतिन सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा- हमारी कुछ मांगें हैं, जब तक इन्हें पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक इस डील पर हम अमल शुरू नहीं करेंगे। यूएन के सामने सबसे बड़ी दिक्कत अफ्रीका में डिमांड और सप्लाई को पूरा करने की है। यहां पहले ही काफी गरीबी है और कई देश सिविल वॉर से जूझ रहे हैं। गेहूं और मक्का यूक्रेन से ही इन देशों में सप्लाई होता है।

पुतिन से मिलने रूस जाएंगे किम जोंग उन: एंटी टैंक मिसाइल के बदले अनाज देने की मांग; बुलेट प्रूफ ट्रेन से सफर करेंगे

नॉर्थ कोरिया। किम जोंग उन राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मिलने के लिए रूस जाएंगे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक इस दौरान वो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से यूक्रेन जंग में हथियारों की सप्लाई और सैन्य सहयोग पर बात करेंगे। रूस के दौरे के लिए किम जोंग उन नॉर्थ कोरिया की राजधानी प्योंगयांग से रूस के शहर व्लादिवोस्तोक के लिए हथियारबंद ट्रेन से यात्रा करेंगे। माना जाता है कि किम हवाई यात्रा से डरते हैं ऐसे में वो ज्यादातर यात्राएं ट्रेन से ही करते हैं। इस ट्रेन को 1949 में किम के दादा किम इल संग को स्तालिन ने गिफ्ट किया था। ये कई डिब्बों वाली इंटर कनेक्टेड ट्रेन है। जब भी किम उत्तर कोरिया या चीन की यात्रा करते हैं तो उनका सारा लावलश्कर इसी ट्रेन में उनके साथ होता है। रूस नॉर्थ कोरिया से ऑर्टिलरी शेल्स और एंटी टैंक मिसाइल चाहता है। इसके बदले में नॉर्थ कोरिया रूस से सैटेलाइट और न्यूक्लियर सबमरीन टेक्नोलॉजी की मांग करेगा। इसके अलावा किम जोंग उन अपने देश के लिए खाद्य सहायता भी चाहते हैं। दरअसल, नॉर्थ कोरिया में अनाज की काफी किल्लत रहती है, जबकि रूस 2017 में दुनिया में सबसे ज्यादा अनाज उगाने का रिकॉर्ड बना चुका है। दोनों नेता 10 से 13 सितंबर तक चलने वाले ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में भाग लेने के लिए व्लादिवोस्तोक की फार ईस्टर्न फेडरल यूनिवर्सिटी के कैंपस जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक किम जोंग उन रूस के प्रशांत महासागर फ्लीट के नेवल बेस पीएर 33 भी जा सकते है। व्हाइट हाउस ने पुतिन और किम के बीच होने वाली हथियारों की डील को लेकर चेतावनी दी है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किरबी ने कहा कि दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को लेकर उच्चस्तरीय बातचीत लगातार बढ़ रही है। हालांकि, इसके बारे में अधिक जानकारी देने से अधिकारियों ने मना कर दिया। नॉर्थ कोरिया और रूस, अमेरिका के धुर विरोधी देश माने जाते है। अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की प्रवक्ता एड्रीइने वॉटसन ने कहा कि अमेरिका का मानना है कि दोनों नेताओं के बीच हथियारों की बिक्री होने वाली है।

अमेरिका में कीचड़ में फंसे हजारों लोग, बर्निंग मैन फेस्टिवल के लिए इकट्ठा हुए थे

वॉशिंगटन।

अमेरिका के नेवादा राज्य में मशहूर बर्निंग मैन फेस्टिवल के दौरान हजारों लोग कीचड़ में फंस गए हैं। दरअसल बर्निंग मैन फेस्टिवल के लिए इकट्ठा हुए लोग उस वक्त परेशानी में घिर गए, जब नेवादा में भारी बारिश हो गई। इसके चलते रास्ते और फेस्टिवल आयोजन की जगह, सब जगह कीचड़ हो गई। इसके चलते कई दिनों तक लोग फंसे रहे।

भारी बारिश ने बिगाड़े हालात

अमेरिका के नेवादा राज्य में हर साल बड़ी संख्या में लोग बर्निंग मैन फेस्टिवल में शामिल होने के लिए इकट्ठा होते हैं। यह एक सांस्कृतिक कार्यक्रम है और नेवादा के रेगिस्तानी इलाके ब्लैक रॉक सिटी में इसका आयोजन होता है। 27 अगस्त को इस फेस्टिवल का आयोजन शुरू हुआ। हालांकि शनिवार को आयोजन के दौरान लगातार 24 घंटे की मूसलाधार बारिश ने आपदा जैसे हालात बना दिए। बारिश के चलते रेत में कीचड़ हो गया। इसके चलते लोग वहां से ना निकल पाए और कई दिनों तक वहीं फंसे रहे। इवेंट ऑर्गेनाइजर्स ने बताया कि अब थोड़े हालात बेहतर होने के बाद लोगों को धीरे-धीरे निकाला जा रहा है। हालांकि लोगों को एक साथ ना निकलने की सलाह दी गई है ताकि सड़कों पर जाम ना लगे।

क्या है बर्निंग मैन फेस्टिवल

बर्निंग मैन फेस्टिवल के दौरान लोग रेगिस्तान में कैंप लगाकर कई दिनों तक रहते हैं। फेस्टिवल के दौरान लोग अपने मोबाइल फोन, अन्य इलेक्ट्रिक गैजेट्स और अन्य सुख सुविधाओं से दूर पारंपरिक नाच गाने और गीत-संगीत का लुत्फ लेते हैं। वहीं कीचड़ के हालात को देखते हुए इलाके में सभी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। 1990 में शुरू हुए बर्निंग मैन फेस्टिवल में अब हर साल हजारों लोग इकट्ठा होते हैं। इस साल यह आंकड़ा करीब 70 हजार रहा।

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने मणिपुर पर जताई चिंता, महिलाओं के साथ हुए दुर्व्यवहार पर जारी की रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र।

मणिपुर में मई के महीने से जारी जातीय हिंसा का अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है। मणिपुर में नग्न अवस्था में महिलाओं की परेड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। वहीं, अब संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं और लड़कियों को निशाना बनाकर हुई लिंग आधारित हिंसा की खबरों और तस्वीरें काफी चिंताजनक है। इसके साथ ही उन्होंने भारत सरकार से हिंसा की घटनाओं की जांच करने और अपराधियों को जिम्मेदार ठहराने के लिए समय से कार्रवाई करने का अनुरोध किया। संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों ने मणिपुर में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन की खबरों को लेकर चिंता जताई, जिनमें यौन हिंसा, न्यायेतर हत्याएं, जबरन विस्थापन, यातना और दुर्व्यवहार के कथित कृत्य शामिल हैं। भारत ने अतीत में कहा था कि न्यायपालिका सहित सभी स्तरों पर अधिकारी मणिपुर की स्थिति से अवगत हैं और शांति और सद्भाव तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वे कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और दमन को वैध बनाने के लिए आतंकवाद-रोधी कदमों के कथित दुरुपयोग से हम और चिंतित हैं। विशेषज्ञों ने भारत सरकार से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए प्रयासों में तेजी लाने और हिंसा की जांच करने के लिए समय पर कार्रवाई करने और अधिकारियों सहित अपराधियों को जिम्मेदार ठहराने का आग्रह किया। विशेषज्ञों ने दावा किया कि मणिपुर की हाल की घटनाएं भारत में धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों की लगातार बिगड़ती स्थिति की दिशा में एक और दुखद मील का पत्थर है। विशेषज्ञों ने मणिपुर में वकीलों और मानवाधिकार रक्षकों द्वारा चलाए गए तथ्य-खोज मिशन और मणिपुर की स्थिति पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुवर्ती कार्रवाई का स्वागत किया, हालांकि प्रतिक्रिया समयबद्ध तरीके से आ सकती थी। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय से न्याय, जवाबदेही और क्षतिपूर्ति पर ध्यान केंद्रित करते हुए सरकार और अन्य अभिनेताओं की प्रतिक्रिया की निगरानी जारी रखने का आग्रह किया।

कनाडा के स्कूल में खालिस्तान जनमत संग्रह की अनुमति रद्द, समझौते का भी किया गया उल्लंघन

जालंधर/ओटावा।

कनाडा में खालिस्तान समर्थकों को एक बड़ा झटका लगा है। कनाडाई अधिकारियों ने हथियार की तस्वीरें दिखाने वाली प्रचार सामग्री पर चिंता जताने के बाद देश के एक स्कूल में खालिस्तान जनमत संग्रह कराने की अनुमति वापस ले ली है। यह जनमत संग्रह 10 सितंबर को कनाडा स्थित सरे के तमनविस सेकेंडरी स्कूल में होना था। सरे स्कूल के एसोसिएट डायरेक्टर, संचार सेवा, रितिंदर मैथ्यू ने बताया कि जिले ने हमारे किराये समझौते के उल्लंघन के कारण स्कूलों में से एक का सामुदायिक किराया रद्द कर दिया है। कार्यक्रम की प्रचार सामग्री में हथियार की तस्वीरों के साथ-साथ स्कूल की फोटो भी थीं। उन्होंने कहा, इस मुद्दे को सुलझाने के कई प्रयास के बावजूद कार्यक्रम आयोजकों ने इन छवियों और सामग्रियों को नहीं हटाया। मैथ्यू ने कहा, हमारे किराया समझौते के उल्लंघन के कारण जिले ने हमारे स्कूलों में से एक का सामुदायिक किराया रद्द कर दिया है। उन्होंने आगे कहा, इस मुद्दे को संबोधित करने के बार-बार प्रयासों के बावजूद, कार्यक्रम के आयोजकों ने तस्वीरों को नहीं हटाया, और सामग्री पूरे सरे तथा सोशल मीडिया पर पोस्ट की जाती रही। उन्होंने कहा कि निर्णय के बारे में कार्यक्रम आयोजकों को सूचित कर दिया गया है। मैथ्यू ने कहा कि उनका प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व मदद प्रदान करना और स्कूल समुदायों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। मूल रूप से जालंधर के गोराया के निवासी जोगिंदर सिंह बासी ने कनाडा में खालिस्तानी गुटों व गुरपतवंत सिंह पन्नू के विरुद्ध बड़ी मुहिम चलाई। इसके बाद कनाडा सरकार ने अनुमति रद्द की। बासी को खालिस्तानियों ने कनाडा में धमकियां भी दीं। दरअसल, सिख फॉर जस्टिस के पन्नू की तरफ से रेफरेंडम के लिए सरे के डिस्ट्रिक्ट स्कूल में मतदान रखा गया था। बासी और इंडो-कैनेडियन वर्कर्स एसोसिएशन ने इसकी शिकायत की थी। सरे स्कूल के एसोसिएट डायरेक्टर रितिंदर मैथ्यू ने बताया कि किराये सहित उनके समझौते व नीतियां समुदाय के लिए सुरक्षित वातावरण का समर्थन करते हैं। कहा जाता है कि 10 सितंबर को होने वाला जनमत संग्रह तलविंदर सिंह परमार को समर्पित था, जो 300 से अधिक लोगों की हत्या कर चुका है। स्कूल परिसर में परमार की फोटो का इस्तेमाल हो रहा था। जबकि कनाडा की एअर इंडिया जांच ने तलविंदर सिंह परमार को एअर इंडिया बम धमाके के मास्टरमाइंड के रूप में पहचाना जाता है। इससे पहले अगस्त में, खालिस्तान जनमत संग्रह के पोस्टर के साथ चरमपंथी तत्वों द्वारा एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गई थी। यह घटना भारतीयों को डराने के लिए ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में हुई थी।

37 हजार एलियन प्रजातियों से इंसानों-प्रकृति को सबसे ज्यादा खतरा, हर साल 423 अरब डॉलर का नुकसान

वॉशिंगटन।

एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि विदेशी प्रजातियों (जो प्रजाति स्थानीय नहीं है और विभिन्न माध्यमों से नई जगह पहुंची है) से पृथ्वी की जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंचाया है। हालात ये हैं कि इन विदेशी प्रजातियों की वजह से दुनिया के पेड़-पौधों और जानवरों की 60 प्रतिशत प्रजातियां विलुप्ति हो चुकी हैं। यह रिपोर्ट एक अंतर सरकारी संस्था इंटरगवर्नमेंटल प्लेटफॉर्म ऑन बायोडायवर्सिटी एंड इकोसिस्टम सर्विसेज द्वारा प्रकाशित की गई है। इस रिपोर्ट को एसेसमेंट रिपोर्ट ऑन इनवेसिव एलियन स्पीसीज एंड देयर कंट्रोल नाम दिया गया है।

दुनिया में 37 हजार विदेशी प्रजातियां मौजूद

दुनिया में अभी तक 37 हजार विदेशी प्रजातियों के बारे में पता चला है। इनमें पेड़-पौधों और जानवरों दोनों की प्रजातियां शामिल हैं। इनमें से 3500 से ज्यादा विदेशी प्रजातियां ज्यादा आक्रामक पाई गई हैं। यह रिपोर्ट जारी की गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि जैव विविधता के वैश्विक नुकसान, जीवों के शोषण, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जमीन और समुद्र के इस्तेमाल में बदलाव के लिए विदेशी प्रजातियां भी एक अहम कारक हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी प्रजातियां सदियों से दुनिया के सभी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रही हैं लेकिन हाल के सालों में इसमें अभूतपूर्व तरीके से तेजी आई है। इसकी वजह इंसानों के बहुत ज्यादा एक जगह से दूसरी जगह यात्रा करने, व्यापार और वैश्विक अर्थव्यवस्था के विस्तार प्रमुख कारण हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था को विदेशी प्रजातियों से हर साल 423 अरब डॉलर का नुकसान दुनिया में 6 फीसदी पेड़-पौधे, 22 प्रतिशत अकशेरुकी जीव, 14 प्रतिशत कशेरुकी जीव, 11 प्रतिशत सूक्ष्म जीव विदेशी हैं और प्रकृति और इंसानों के लिए खतरनाक हैं। जलकुंभी दुनिया की सबसे व्यापक आक्रामक विदेशी प्रजाति है। इसके अलावा लैंटाना, फूलदार झाड़ी और काला चूहा भी व्यापक रूप से दुनिया में फैली विदेशी प्रजातियां हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 1970 के बाद वैश्विक व्यापार और मानव यात्रा में बढ़ोतरी की वजह से विदेशी प्रजातियों की वार्षिक लागत बढ़कर चार गुना हो गई है। 2019 में, आक्रामक विदेशी प्रजातियों से वैश्विक अर्थव्यवस्था को करीब 423 अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है। आने वाले समय में विदेशी प्रजातियों के आक्रमण में तेजी आने की आशंका है। तापमान में वृद्धि और जलवायु परिवर्तन इसमें तेजी ला सकते हैं।

विदेशी प्रजातियों से नुकसान के उदाहरण

उदाहरण के लिए यूरोपीय तटीय केकड़ा न्यू इंग्लैंड में शेलफिस को प्रभावित कर रहा है। वहीं कैरेबियन फाल्स मसल्स, देशी क्लैम और सीपों को नष्ट कर रहा है, जिससे केरल में मछली पालन को भारी नुकसान हो रहा है। माना जाता है कि कैरेबियन फाल्स मसल्स मूल रूप से दक्षिण और मध्य अमेरिका के अटलांटिक और प्रशांत महासागर के तट पर पाया जाता था लेकिन ऐसा माना जाता है कि पानी के जहाजों के जरिए यह भारत पहुंचा और बाद में मछली पकड़ने वाले छोटे जहाजों के जरिए केरल और अन्य जगह फैल गया।

आईएनडीआईए नेता स्टालिन की टिप्पणी देश विरोधी : धनखड़

झज्जर से गुरुग्राम की ओर चली गई साइकिल रैली

झज्जर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री व वहां की सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन की सनातन पर टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने धर्म के नाम पर ही देश के टुकड़े किए थे। अब कांग्रेस ने आईएनडीआईए गठबंधन बनाने का तमाशा भी समातन का अपमान करने के लिए किया है। धनखड़ मंगलवार को यहां साइक्लोथॉन (साइकिल मैराथन) को झज्जर जिले से रवाना करने से पूर्व पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। लोकसभा सदस्य डॉ. अरविंद शर्मा भी इस मौके पर मौजूद रहे। ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा सनातन धर्म के खिलाफ स्टालिन की टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इस बयान से विपक्षी गठबंधन की मानसिकता की जानकारी मिलती है। नेहरू ने स्वयं कहा था आई एम हिंदू बाई एक्सीडेंट, धारा-370 भी इसी मानसिकता का हिस्सा थी। भारत को मिली जी-20 की मेजबानी को उन्होंने गौरव के पल बताया। सांसद अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री द्वारा नशे के

खिलाफ शुरू किए गए साइक्लोथॉन कार्यक्रम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन के सार्थक परिणाम मिलेंगे। समय और पैसे दोनों की बचत होगी। गांव छारा के निवासी 95 वर्षीय एथलीट मास्टर साहब सिंह ने नशा मुक्त हरियाणा का संदेश लेकर चल रही साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला भाजपा अध्यक्ष विक्रम कादियान, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सुनीता दांगी व जिला के पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने भी साइकिल रैली में भाग लिया। इससे पहले हुई सभा में सभी लोगों ने नशा मुक्ति की शपथ ली। झज्जर से साइकिल रैली माछरोली, कुलाना से रेवाड़ी जिले की सीमा में प्रवेश करते हुए गुरुग्राम की ओर चली गई।

95 हजार 613 किसानों को मिला 289.98 करोड़ का मुआवजा

भिवानी (हिंस)। किसानों को जोखिम से मुक्त करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना उनको सुरक्षा चक्र प्रदान करती है। वर्ष 2021-22 में जिला में 95 हजार 613 प्रभावित किसानों को 289.98 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि मिली है। उपायुक्त नरेश नरवाल ने बताया कि वर्ष 2021-22 में रबी फसल के दौरान जिले में 27 हजार 289 प्रभावित किसानों के खातों में 49.98 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि डाली गई है। रबी फसल में तहसील भिवानी में तीन हजार 841 किसानों को 6.53 करोड़ का मुआवजा वितरित किया जा चुका है। इसी प्रकार से तहसील बवानीखेड़ा में दो हजार 326 किसानों को 5.97 करोड़ रुपए, तोशाम में दो हजार 513 किसानों को 4.03 करोड़ रुपए, सिवानी में सात हजार 363 किसानों को 15.01 करोड़ रुपए और तहसील लोहारू में 11 हजार 246 किसानों को 17.44 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि खरीफ 2022 में 68 हजार 324 किसानों को 240 करोड़ रुपए का मुआवजा वितरित किया जा चुका है।

अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट पहुंचे मंत्री संदीप सिंह

चंडीगढ़ (हिंस)। यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह ने चंडीगढ़ की कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। संदीप सिंह केस की सुनवाई 16 सितंबर से शुरू होने जा रही है। मंत्री के खिलाफ चंडीगढ़ पुलिस ने कोच के साथ छेड़छाड़ के मामले में 31 दिसंबर 2022 को विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। आठ महीने बाद महिला जूनियर कोच से यौन-उत्पीड़न मामले में आरोपी हरियाणा के मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ 25 अगस्त को चंडीगढ़ पुलिस की एसआईटी ने सीजेएम की कोर्ट में चालान पेश किया था। चंडीगढ़ पुलिस ने संदीप सिंह को आईपीसी की धारा 342, 354, 354, 354-बी, 506 और 509 के तहत केस में आरोपी बनाया है। पीड़िता पक्ष के वकील दीपांशु बंसल ने बताया कि चंडीगढ़ पुलिस संदीप सिंह की गिरफ्तारी कर सकती है। उनके खिलाफ लगी धारा 354 बी के तहत 7 साल की सजा का प्रावधान है। दीपांशु बंसल ने मंगलवार को बताया कि इस केस में संदीप सिंह के खिलाफ पीड़िता ने जबरन दुष्कर्म की कोशिश की भी शिकायत दी है, लेकिन चंडीगढ़ पुलिस ने मामले में आइपीसी की धारा 376 और 511 नहीं जोड़ी है। अब आरोप तय के दौरान इन धाराओं को जोड़ने पर बहस करेंगे। बंसल ने बताया कि एसीजेएम राहुल गर्ग की ओर से आरोपी संदीप सिंह को इस मामले में नोटिस भेजा गया है। उन्हें सीआरपीसी की धारा 207 के तहत चालान की कॉपी भी उपलब्ध करवाई गई है। अब इस मामले में 16 सितंबर को सुनवाई होगी। इसमें चार्जशीट के आधार पर संदीप सिंह के खिलाफ आरोप तय किए जाएंगे। कोर्ट की अगली सुनवाई में संदीप सिंह को पेश होना ही पड़ेगा।

सिरसा ने इंडिया गठबंधन को बताया लुटेरों का गिरोह

चंडीगढ़(हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने इंडिया गठजोड़ को लुटेरों का गिरोह करार दिया है। राष्ट्रीय सचिव बनने के बाद मंगलवार को पहली बार अमृतसर पहुंचे सिरसा ने दरबार साहिब व दुर्गयाणा मंदिर में माथा टेका। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में सिरसा ने कहा कि पंजाब में भारतीय जनता पार्टी अपने स्तर पर सभी 13 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी। सिरसा ने कहा कि भाजपा पंजाब में सभी 13 सीटों के लिए तैयारी कर रही है और अकाली दल से गठजोड़ का दूर-दूर तक कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि अब पंजाब की तरक्की की बात हो रही है, इसलिए भाजपा से बेहतर विकल्प कोई और नहीं है। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन लुटेरों का गिरोह इकट्ठा हुआ है। बहुत सारे जेल में हैं और बहुत से बाहर हैं। यह कोशिश है कि लूट का माल जो इकट्ठा किया है, उसे बचाना कैसे है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पंजाब में कांग्रेस को लुटेरों की पार्टी कहते थे। पंजाब के लोगों ने उनकी बातें मान कर आप को चुना। आज आप नेता उसी से गले जा मिले हैं।

सनातन धर्म पर विवादित बयान के विरोध में भीलवाड़ा रहा बंद

भीलवाड़ा (हिंस)। तमिलनाडु सीएम के बेटे उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयान के बाद भीलवाड़ा में संत समाज के विरोध पर मंगलवार को भीलवाड़ा बाजार बंद रहा। संत समाज के आह्वान पर सैकड़ों की संख्या में हिंदू समाज के लोग सूचना केंद्र चौराहा पहुंचे। यहां से संतों के नेतृत्व में विरोध रैली निकाली गई। यह रैली मुख्य मार्ग से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। जहां रैली में शामिल लोगों ने तमिलनाडु मुख्यमंत्री के मंत्री पुत्र उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना केंद्र पर बड़ी जनसभा का आयोजन किया गया। इस जनसभा में संतों ने स्टालिन द्वारा संनातन धर्म पर दिए बयान का विरोध जताया। और इस तरह के बयान और कोई कभी ने दे, इसकों लेकर स्टालिन को कड़ी सजा दलवाने को लेकर देशभर में आंदोलन चलाने की बात कही। गौरतलब है कि स्टालिन ने *सनातन धर्म डेंगू मलेरिया की तरह है और इसलिए सनातन धर्म को खत्म कर देना चाहिए* का बयान दिया था। इसको लेकर संत समाज इस बात का विरोध में उतर आया। विरोध रैली में शामिल महंत बाबू गिरी महाराज, बनवारी शरण महाराज, महामंडलेश्वर हंसराम उदासीन सहित हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

मारे गए तीन नागरिकों के परिजनों को उपराज्यपाल ने सौंपे नियुक्ति पत्र

जम्मू(हिंस)। जुलाई, 2020 में शोपियां में मारे गए तीन नागरिकों के परिजनों को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को नियुक्ति पत्र सौंपे। अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र शरीन अख्तर पत्नी मोहम्मद अबरार निवासी तरकस्सी कोटरंका राजौरी, मोहम्मद आरिफ भाई मोहम्मद इम्तियाज निवासी धार सकरी कोटरंका राजौरी और फरयाज अहमद भाई मोहम्मद अबरार निवासी कोटरंका राजौरी को सौंपे गए। उपराज्यपाल ने 2022 में उधमपुर में एक आईईडी विस्फोट में मारे गए धांडल, रामनगर उधमपुर के छगेर कुमार की विधवा श्रीमती नीता देवी को एसआरओ-43 के तहत नियुक्ति पत्र भी सौंपा। उपराज्यपाल ने मृतक नागरिकों के परिवार के सदस्यों से बातचीत की और भविष्य में प्रशासन से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

भाजपा ने लिया प्रदेश में सत्ता परिवर्तन का संकल्प : सिंह

धौलपुर (हिंस)। प्रदेश भाजपा द्वारा भरतपुर संभाग में निकाली जा रही परिवर्तन संकल्प यात्रा का मंगलवार को धौलपुर एवं राजाखेडा विधान सभा क्षेत्र में जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से संकल्प यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। जनसंपर्क सभा में भाजपा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड ने कहा कि प्रदेश की गहलोत सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है। राजस्थान में पेपर लीक मामले में सरकार का भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। सरकार ने युवाओं के साथ छलावा करने के साथ साथ किसानों के साथ झूठा वाथे किए हैं। इससे जनता में रोष है और जनता के सहयोग से भाजपा ने प्रदेश में सत्ता परिवर्तन का संकल्प लिया है। परिवर्तन संकल्प यात्रा के संयोजक एवं पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस के कुशासन से त्रस्त है। इसलिए युवा विरोधी, महिला विरोधी तथा दलित विरोध इस सरकार को राजस्थान अब नहीं सहेगा। कार्यक्रमों में भाजपा जिला अध्यक्ष सत्येन्द्र पाराशर ने परिवर्तन संकल्प यात्रा में आए सभी भाजपा पदाधिकारियों का स्वागत किया तथा धौलपुर में आयोजित की जा रहीं सांगठनिक गतिविधियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। परिवर्तन संकल्प यात्रा में करौली-धौलपुर सांसद डॉ. मनोज राजोरिया, भरतपुर संभाग प्रभारी हेमराज मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर, राजाखेडा की पूर्व विधायक मनोरमा सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य विशंभर दयाल शर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कमल पहाड़िया एवं नागवेन्द्र चौहान एवं परिवर्तन संकल्प यात्रा के जिला मीडिया प्रमुख राजू गुर्जर समेत अन्य भाजपा नेता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ऑब्जर्वर को कहा गो बेक, किया हंगामा

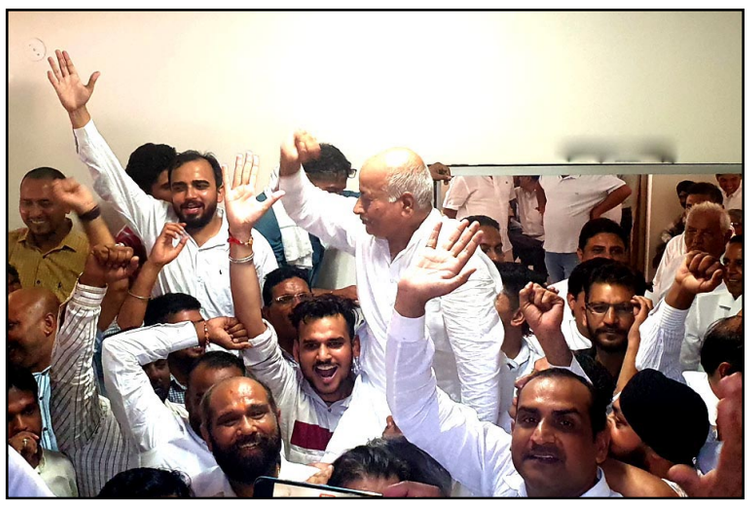

यमुनानगर (हिंस)। मंगलवार को यहां कांग्रेस के संगठन की प्रक्रिया को लेकर कार्यकर्ताओं का फीडबैक लेने आए आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के प्रदेश कॉंग्रेस ऑब्जर्वर शब्बीर खान पठान के सामने ही सैलजा गुट और हुड्डा गुट के कार्यकर्ताओं ने जमकर अपने-अपने नेताओं के जिंदाबाद के नारे लगाए। वहीं ऑब्जर्वर गो बेक और हुड्डा को लेकर पिता पुत्र की नही चलेगी जैसे नारे सैलजा गुट ने लगाए। जगाधरी के लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में आब्जर्वर शब्बीर खान का मंगलवार सुबह पहुंचने पर कार्यकताओं के द्वारा स्वागत किया गया। इस मौके पर उनके साथ सढौरा से कांग्रेस की विधायक रेणु बाला, पूर्व मंत्री अकरम खान और पूर्व मंत्री सुभाष चौधरी भी पहुंचे। जिले की चारों विधानसभाओं के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में इकठ्ठा हुए। परंतु बैठक शुरू होने से पहले ही ऑब्जर्वर के सामने ही सैलजा गुट और हुड्डा गुट के कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने नेताओं के जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। ऑब्जर्वर शब्बीर खान ने ऐसा करने से मना किया और कहा कि अगर नारे ही लगाने है तो कांग्रेस पार्टी के नाम के लगाओ। लेकिन कार्यकर्ताओं ने उनकी एक एक नही सुनी। यह सारा हंगामा 2-3 घंटे तक चला। कई बार सैलजा और हुड्डा गुट के कार्यकर्ताओं में बहसबाजी भी हुई। वहीं सैलजा गुट के कार्यकर्ताओं का कहना था कि यहां की अंबाला लोकसभा से कुमारी सैलजा केंद्रीय मंत्री, सांसद और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रह चुकी है। सभी कार्यकर्ताओं ने ऑब्जर्वर को कहा कि हमारी नेता कुमारी सैलजा जिस किसी कार्यकर्ता का नाम आगे करेंगी उसे हम अपना जिले का अध्यक्ष मान लेंगे। हालांकि दोपहर को ऑब्जर्वर शब्बीर खान ने बैठक को चलाया और कार्यकर्ताओं से रायशुमारी का काम शुरू किया। गौरतलब है कि हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेताओं में आपसी धड़ेबाजी के चलते लंबे समय से संगठन नही बना है। इस मौके पर जिले की चारों विधासभा के सैंकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहें।

सुरक्षा बलों ने हिजबुल मुजाहिदीन आतंकवादी जहांगीर सरूरी का ठिकाना नष्ट किया

किश्तवाड़ा (हिंस)। सुरक्षा बलों ने हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी जहांगीर सरूरी के ठिकाने का पता लगाकर उसे सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया है। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने ठिकाने से दो कंबल, कुछ खाद्य वस्तुएं और कुछ निजी उपयोग की वस्तुएं बरामद कीं हैं, जिससे ठिकाने में आतंकवादी की मौजूदगी का संकेत मिलता है। एसएसपी किश्तवाड़ा खलील पोसवाल ने बताया कि किश्तवाड़ा पुलिस ने सेना की 26 आरआर और सीआरपीएफ 52 बटालियन के साथ जहांगीर सरूर के परीबाग इलाके में स्थित ठिकाने का पर्दाफाश करके उसे निष्क्रिय कर दिया। उन्होंने कहा कि जहांगीर सरूरी पर छिपे होने और विध्वंसक गतिविधियों की योजना बनाने का संदेह था। उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने ठिकाने से दो कंबल, कुछ खाद्य वस्तुएं और कुछ निजी उपयोग की वस्तुएं बरामद कीं, जिससे ठिकाने में आतंकवादी की मौजूदगी का संकेत मिलता है। उन्होंने कहा कि पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और तलाशी ली जा रही है। एसएसपी किश्तवाड़ा ने कहा कि हमारा मिशन हमारे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है और आज का अभियान क्षेत्र से आतंकवाद को खत्म करने के हमारे चल रहे प्रयासों में एक शानदार सफलता है। किश्तवाड़ा पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी की रिपोर्ट करने का आग्रह किया है, जो शांति बनाए रखने और असामाजिक तत्वों के मंसूबों को विफल करने में मदद कर सकती है। पुलिस विभाग कानून को बनाए रखने और सभी निवासियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महापुरुषों को जाति के नाम पर बांटना उचित नहीं : हुकम भाटी

फरीदाबाद (हिंस)। क्षत्रिय सम्राट मिहिर भोज प्रतिहार प्रतिमा विवाद और कलायत में क्षत्रिय समाज द्वारा जारी धरने को लेकर हरको बैंक के चेयरमैन हुकम सिंह भाटी और सम्राट मिहिर भोज प्रतिहार प्रकरण में गठित प्रदेश संघर्ष समिति के सदस्य राजेश रावत, प्रताप भाटी, नारायण सिंह शेखावत, बीरेन्द्र गौड़ की बैठक मंगलवार को सेक्टर-2 फरीदाबाद में हुई। इस दौरान कमेटी के सदस्यों ने हुकम सिंह भाटी को पांच सूत्रीय मांग पत्र भी सौंपा। हुकम सिंह भाटी ने सदस्यों को अवगत कराया कि विगत दो दिन पूर्व उन्होंने कलायत में धरना स्थल का दौरा किया तथा धरने पर बैठे युवाओं से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने युवाओं पर हुए लाठी चार्ज की कड़ी निंदा की। श्री भाटी ने कहा कि सम्राट मिहिर भोज जैसे महान पुरुषों को जाति के नाम पर बांटना उचित नहीं है। उनके लिए समाज पहले और राजनीति बाद में है इसलिए वह पूरी तरह से समाज के साथ है क्योंकि समाज की बदौलत ही वे भाजपा सरकार में इस ओहदे पर है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि इस मामले का सम्माजनक ढंग से हल हो, साथ ही चेयरमैन हुकम भाटी ने राजपूत और गुज्जर समाज के प्रतिनिधियों से आपसी तालमेल बनाने की अपील की।

गर्भवती महिला से बदसलूकी मामले में एनएचआरसी ने गहलोत सरकार से चार सप्ताह में मांगा जवाब

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने प्रतापगढ़ जिले के एक गांव में एक गर्भवती महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में राज्य सरकार और पुलिस विभाग को नोटिस भेजा है। आयोग ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से चार सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद जांच की स्थिति और अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी देने को भी कहा है। सोशल मीडिया पर इस घटना से जुड़ा एक वीडियो वायरल होने के बाद राजस्थान पुलिस ने कहा था कि प्रतापगढ़ जिले के एक गांव में 21 वर्षीय एक आदिवासी महिला को उसके पति द्वारा निर्वस्त्र कर घुमाने का मामला सामने आया है। आयोग ने कहा है कि अगर मीडिया में प्रकाशित खबर सही पाई जाती है, तो यह पीड़ित के मानवाधिकारों के उल्लंघन के गंभीर मुद्दे को उठाती है। एनएचआरसी ने राजस्थान के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट में मामले में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद जांच की स्थिति और अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी देने को भी कहा गया है।

राजस्थान प्रशासनिक बेड़े में बदलाव

जयपुर (हिंस)। गहलोत सरकार ने एक बार फिर प्रशासनिक बेड़े में बदलाव किया है। कार्मिक विभाग ने सोमवार मध्य रात्रि 12 आरएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। वही अतिरिक्त जिला कलेक्टर जिला मजिस्ट्रेट झालावाड़ चेतन चौहान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्रदेश में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बीच गहलोत सरकार अफसर की फील्ड में तैनाती करने में जुटी हुई है।

चुनाव संबंधी कार्य में लापरवाही बरतने वाले पांच बीएलओ निलंबित

जयपुर (हिंस)। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। वहीं निर्वाचन संबंधी कार्य में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा रही है। इसी क्रम में जयपुर के सिविल लाइंस नगर रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी गौरव बांकावत ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वाले चार बीएलओ को निलंबित कर दिया है। वहीं ईआरओ आदर्श नगर अयूब खान ने भाग संख्या पांच के बीएलओ कनिष्ठ सहायक भगवान सिंह शेखावत को प्रगति कार्य नगण्य पाये जाने पर निलंबित कर दिया। ईआरओ गौरव बांकावत ने बताया कि प्रयोगशाला सहायक दीपेन्द्र चौपड़ा, वरिष्ठ अध्यापक अवधेश शर्मा, अध्यापक गगन सिंह चंदेल एवं अध्यापक अनिता मीणा को विधानसभा क्षेत्र सिविल लाइंस में बीएलओ नियुक्त किया गया था। लेकिन कार्मिकों ने आदेश, नोटिस एवं अंतिम नोटिस उपरान्त भी अपने उपस्थिति प्रस्तुत नहीं की। जिसके चलते चुनाव संबंधी आदेशों की अवहेलना करने पर उक्त बीएलओ को निलंबित कर दिया गया है।

जी-20 के विदेशी मेहमानों ने मिट्टी के चूल्हे पर बनीं ज्वार व बाजरे की रोटियों का स्वाद चखा

नूंह/गुरुग्राम (हिंस)। जिन मिलेट्स को हमने खाना छोड़ दिया है, अब जी-20 समिट की चौथी शेरपा बैठक में शामिल विदेशी मेहमानों ने इन मिलेट्स के व्यंजनों को खूब पसंद किया। विदेशी मेहमानों के लिए हरियाणा सरकार के रात्रि भोज में मिलेट्स से तैयार देसी व्यंजन परोसे गए। इन मेहमानों ने हरियाणवी महिलाओं के मिट्टी के चूल्हे पर ज्वार और बाजरे की रोटियों समेत अनेक व्यंजनों का स्वाद लिया। बैठक के दौरान खान-पान से पहले सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। हरियाणा सरकार ने डिनर में विदेशी मेहमानों के लिए बाजरे से बना खिचड़ा, रोटी, रबड़ी, टिक्की, फिरनी, लापसी सहित कई तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का इंतजाम किया। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मेहमानों से शिष्टाचार भेंट की और उनके साथ देसी व्यंजनों का आनंद लिया। जी-20 में भारत के शेरपा अमिताभ कांत व विभिन्न देशों से आए शेरपा व अन्य प्रतिनिधियों ने हरियाणा के परंपरागत व्यंजनों का जायका लिया। भारत की मांग पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेटस घोषित करने के बड़े संकल्प को साकार करने में हरियाणा की इस खातिरदारी ने नई दिशा देने का काम भी किया है। जब दुनिया मोटे अनाज (श्रीअन्न) का स्वाद चखेगी तो इसकी अहमियत भी समझेगी। यहां पहुंचे मेहमानों के डिनर के लिए की गई सजावट व स्वाद लाजवाब था। विदेशी डेलीगेट की थाली में विभिन्न प्रदेशों

के शाकाहारी भोजन परोसे गए। इसके साथ-साथ उनकी रुचि व खान-पान के अनुसार कॉन्टिनेंटल पकवान भी तैयार किए गए थे। हरियाणा की इस मेहमानवाजी से विदेशी डेलीगेट अभिभूत नजर आए। खाने के दौरान मिट्टी के चूल्हे पर बाजरे व ज्वार की रोटी सेंक रही गांव मोहम्मदपुर अहीर की महिलाओं ने भी विदेशियों को रोटी खिलायी और उनसे राम-राम कह कर से अभिवादन भी किया। शेफ आयुष ने बताया कि मिलेट की सबसे बड़ी खासियत ये है कि यह अनाज ग्लूटन फ्री होता है, जो सेहतमंद होता है। यहां हर रोज मिलेट के बने अलग-अलग व्यंजन मेहमानों को खिलाए जाएंगे। रात्रि भोज से पहले आईसीसीआर के कलाकारों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई।

ब्याज कम हो तो पीएफ से चुका सकते हैं लोन : इसके लिए पीएफ अकाउंट से निकाल सकते हैं 90प्रतिशत तक का अमाउंट

नई दिल्ली।

लंबे समय तक ब्याज भुगतान से बचने के लिए लोग लोन का प्री-पेमेंट करने के ऑप्शन खंगालते रहते हैं। ईपीएफ खाते में पड़ी रकम इसका एक विकल्प हो सकती है। हालांकि, क्या रिटायरमेंट फंड की रकम से होम लोन चुकाना सही है ये इस पर निर्भर करता है कि दोनों में से किसकी ब्याज दर ज्यादा है।

ब्याज का अंतर और अपनी उम्र देखें - यदि होम लोन की ब्याज दर ईपीएफ के रेट से ज्यादा हो तो इसकी रकम से लोन का प्री-पेमेंट कर सकते हैं। इसके अलावा यदि आप करिअर के शुरुआती दौर में हैं तो भी ये विकल्प अपना सकते हैं, क्योंकि आपके पास पैसे जमा करने के लिए लंबा समय होगा।

90प्रतिशत तक राशि निकालने की अनुमति - ईपीएफओ होम लोन चुकाने के लिए जमा राशि का अधिकतम 90प्रतिशत निकालने की अनुमति देता है। इसके लिए 10 साल की सर्विस पूरी होनी चाहिए। ये भी ध्यान रखें कि होम लोन किसी राष्ट्रीय बैंक, रजिस्टर्ड को-ऑपरेटिव, नेशनल हाउसिंग बोर्ड जैसे संस्थाओं से लिया गया हो। होम लोन रीपेमेंट स्कीम के तहत ईपीएफओ मेंबर अपने अकाउंट से ईएमआई चुका सकते हैं।

होम लोन चुकाने के लिए पैसा कैसे निकाले

- ईपीएफओ ई-सेवा पोर्टल में लॉगिन करें।
- यूनिवर्सल अकाउंट नंबर और पासवर्ड डालें।
- ऑनलाइन सर्विसेज पर क्लिक करें।
- फॉर्म 31 के जरिए क्लेम करें।
- अपनी बैंक डिटेल सत्यापित करें।
- पैसे निकलने का कारण सिलेक्ट करें।
- सम्बंधित दस्तावेज अपलोड करें।
- जब तक बहुत जरूरी न हो पीएफ फंड से न निकालें पैसा

मनी मैनेजमेंट एक्सपर्ट का मानना है कि जब तक बहुत जरूरी न होने पर पीएफ से पैसे निकालने से बचना चाहिए। इस पर 8.15प्रतिशत की दर से ब्याज मिल रहा है। जितनी बड़ी रकम पीएफ से निकाली जाएगी, रिटायरमेंट फंड पर उतना ही बड़ा असर पड़ेगा।

कितना कटता है पीएफ - नियमों के मुताबिक, सैलरी पाने वाले लोगों को अपने वेतन और महंगाई भत्ते की 12प्रतिशत रकम पीएफ खाते में योगदान करना अनिवार्य होता है। वहीं कंपनी की ओर से जमा की जाने वाली राशि में से 3.67प्रतिशत ईपीएफ में जमा होता है। बाकी 8.33प्रतिशत हिस्सा कर्मचारी पेंशन योजना में जमा हो जाता है।

न्यूज ब्रीफ

आम चुनाव से पहले 10प्रतिशत चढ़ सकता है शेयर बाजार: नतीजे उम्मीद के अनुरूप न आने पर 40प्रतिशत तक गिर भी सकता है मार्केट

मुंबई। अमेरिकन वित्तीय सेवा प्रदाता मॉर्गन स्टेनली ने कहा है कि मई-2024 में होने वाले आम चुनावों से पहले भारतीय शेयर बाजार 10प्रतिशत की बढ़त ले सकता है। अगर चुनाव के नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं आए तो बाजार 40प्रतिशत तक घट भी सकता है। संस्था के मुताबिक, शेयर बाजार हमेशा आम चुनाव के लेकर आशावान रहा है। इस बार भी वह चुनाव में बेहतर नतीजे की उम्मीद कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह उम्मीद इस बात से जुड़ी है कि मौजूदा सरकार फिर चुनकर आएगी। बाजार की नजर इस बात पर भी रहेगी कि विपक्षी गठबंधन किस तरह से सीटों का बंटवारा करता है। मॉर्गन स्टेनली के लिए यह रिपोर्ट रिदम देसाई ने शीला राठी और नयंत पारेख के साथ तैयार की है। बाजार यह मानकर चल रहा है कि चुनाव तय समय से पहले नहीं होंगे। अगर 2004 की तरह चुनाव समय पहले हुए तो बाजार छोटी अवधि के मूवमेंट में शिफ्ट हो सकता है। 2004 में चुनाव के नतीजे अनुमान से विपरीत आने पर बाजार एक ही दिन में 17प्रतिशत फिसल गया था। 26 दलों का विपक्षी गठबंधन किस तरह सीटों का बंटवारा करता है। हालांकि, बंटवारे पर मुहर चुनाव के एन वक्त पहले ही लगेगी। चुनाव के नतीजों के आधार पर बाजार +5प्रतिशत से -40प्रतिशत तक मूवमेंट कर सकता है। इस बार शेयर बाजार पर आम चुनाव के नतीजे पहले की तुलना में ज्यादा असर डालेंगे। इस साल यानी 2023 में अब भारतीय शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है। 1 जनवरी को सेंसेक्स 61,167 पर था जो अब 65,671 पर पहुंच गया है। यानी इसमें अब 7प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। निफ्टी भी इस दौरान 7प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है, जो बाजार में तेजी का कारण है। विदेशी संस्थागत निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार की ओर रुझान बढ़ा है। महंगाई का नियंत्रण में आना और ब्याज दरों में हो रही बढ़ोतरी का रुकना भी एक कारण है।

अगस्त महीने में देश के सर्विस सेक्टर में आई मंदी, निर्यात रिकॉर्ड गति से बढ़ रहा

नई दिल्ली । एक मासिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि देश के सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में अगस्त महीने में थोड़ी कमी आई है। हालांकि इस दौरान लगातार निर्यात में तेजी देखी जा रही है। जिसने कंपनियों के लिए, अपने कार्यबल को बढ़ाने के साथ-साथ उत्पादन का विस्तार करने के लिए भी उत्प्रेरक का काम किया है। सर्वेक्षण के अनुसार, अगस्त महीने में देश के सर्विस सेक्टर की विकास दर 60.1 फीसदी रही, जबकि जुलाई में यह 62.3 फीसदी थी। एस एंड पी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई के बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स के अनुसार 2010 के मध्य से ही भारत के उत्पादन में तेजी देखी जा रही है। लगातार 25वें महीने मुख्य आकंड़ा तटस्थ आंकड़े 50 से ज्यादा रहा। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स की भाषा में 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार दर्शाता है। वहीं 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन को प्रदर्शित करता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की निदेशक पॉलियाना डी लीमा का कहना है कि मांग की मजबूती ने भी स्थिति को बेहतर बनाया है, जो आर्थिक विकास की संभावनाओं के लिए अच्छा संकेत है। बता दें कि बीती 10 अगस्त को, रिजर्व बैंक ने लगातार तीसरी बैठक में अपनी प्रमुख ब्याज दरों को अपरिवर्तित छोड़ दिया था।

ईडी ने टीएमसी सांसद नुसरत जहां को किया तलब, फ्लैट देने का वादा करके धोखाधड़ी करने का आरोप

कोलकाता । प्रवर्तन निदेसालय (ईडी) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद और अभिनेत्री नुसरत जहां को पूछताछ के लिए अगले सप्ताह कोलकाता में तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि उन पर शहर के न्यू टाउन में फ्लैट देने का वादा कर वरिष्ठ नागरिकों को ठगने का आरोप है। नुसरत जहां को 12 सितंबर को केंद्रीय एजेंसी के समक्ष पेश होने को कहा गया है। इस बात की संभावना है कि एजेंसी उनका बयान दर्ज करेगी। ईडी की जांच वरिष्ठ नागरिकों के एक समूह द्वारा हाल ही में शिकायत दर्ज कराने से संबंधित है, जिसमें एक रियल एस्टेट कंपनी पर न्यू टाउन इलाके में फ्लैट देने का वादा करके धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया था।

एयरबस से दस एयरक्राफ्ट खरीदेगी इंडिगो

2019 में दिया था 300 विमानों का ऑर्डर, ये उसी डील का हिस्सा होंगे

नई दिल्ली।

इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड के बोर्ड ने विमान मैन्युफैक्चरर एयरबस को 10 एडिशनल नियो विमानों का ऑर्डर देने के लिए मंजूरी दे दी है। ये 10 एयरक्राफ्ट 2019 में एयरबस के साथ किए गए 300 विमानों की ओरिजिनल डील का हिस्सा होंगे। एयरक्राफ्ट के ये एक्सट्रा ऑर्डर परचेज एग्रीमेंट में संशोधन करके दिया जाएगा।

2019 में इंडिगो ने फ्रेंच मैन्युफैक्चरर को 300 से ज्यादा 320 एनईओ फैमिली एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया था। उस समय डील की अनुमानित कीमत 33 बिलियन डॉलर थी। इन एयरक्राफ्ट्स की डिलीवरी में प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों में खराबी के चलते देरी हो रही है।

विमानों की डिलीवरी 2030 तक होगी। 30 जून 2023 तक एयरलाइन के पास 316 विमानों का बेड़ा था। इसमें 166 नियोस एयरक्राफ्ट शामिल थे।

इंडिगो ने जून में दिया था 500 एयरबस 320 एयरक्राफ्ट का ऑर्डर

इंडिगो ने इसी साल 19 जून को 500 एयरबस 320 फैमिली एयरक्राफ्ट खरीदने का ऐलान किया था। इसके साथ ही इंडिगो एक बार में इतना बड़ा ऑर्डर देने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बन गई है। इंडिगो से पहले यह रिकॉर्ड एअर इंडिया के नाम था। इन एयरक्राफ्ट्स की डिलीवरी 2030 से 2035 के बीच होने की उम्मीद है।

500 एयरक्राफ्ट के लिए 4.09 लाख करोड़ रुपए खर्च करेगी कंपनी

500 एयरबस 320 फैमिली एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए इंडिगो 50 अरब डॉलर यानी 4.09 लाख करोड़ रुपए खर्च करेगी। हालांकि, ऑर्डर की वास्तविक लागत कुछ कम भी हो सकती है, क्योंकि आमतौर पर ऐसे बड़े सौदों पर डिस्काउंट मिलता है।

इंडिगो के पास 300 से ज्यादा विमान

इंडिगो के इस ऑर्डर में 320 नियो 321 नियो एयरक्राफ्ट शामिल हैं। फिलहाल इंडिगो के पास 300 से ज्यादा विमान हैं। उसके पास टोटल 480 विमानों के पिछले ऑर्डर भी हैं, जिनके 2030 के आखिर तक डिलीवर होने की उम्मीद है। इस नए ऑर्डर के साथ इंडिगो का टोटल ऑर्डर अब करीब 1000 तक हो जाएगा।

2027 तक भारत में दोगुने हो सकते हैं यात्री

देश में कोविड से पहले की तुलना में 9प्रतिशत ज्यादा हवाई यात्री हैं। रोज औसतन 4.5 लाख लोग यात्रा कर रहे हैं।

देश में 2013-14 में 6 करोड़ हवाई यात्री थे, जो बढ़कर 20 करोड़ हो गए। विमान 400 से 700 हुए।

देश में बीते साल 20 करोड़ यात्रियों ने सफर किया। 2027 तक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्री बढ़कर 40 करोड़ होने की उम्मीद है।

अभी 700 यात्री प्लेन हैं, जो नाकाफी हैं। ऐसे में आगामी वर्षों में 3-4 नई एयरलाइंस आ रही हैं। एअर इंडिया भी बेड़े को 3 गुना बढ़ा रही है।

देश में 8 साल में एयरपोर्ट 74 से बढ़कर 141 हो गए हैं। अगले पांच वर्षों में 80 नए एयरपोर्ट जुड़ेंगे। 2030 तक 220 एयरपोर्ट होंगे।

सेंटर फॉर एशिया पैसेफिक एविएशन के मुताबिक 2043 तक 4000 प्लेन के साथ भारत में 130 करोड़ घरेलू व अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री होंगे।

इंजन में खराबी की समस्या से जूझ रही कंपनी

हाल ही में, इंजन में उड़ान के बीच में तकनीकी खराबी आ गई थी। हालांकि, दोनों विमान सुरक्षित लैंड करा लिए गए थे। बजट एयरलाइन इंडिगो को इन विमानों के इंजन में गड़बड़ी के चलते करीब 40 विमानों के ग्राउंडेड करना पड़ा है।

चुनौतियों से निपटने को वैश्विक सहयोग की आवश्यकता', ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में बोलीं वित्त मंत्री सीतारमण

मुंबई ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जो कई चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। दरअसल, वित्त मंत्री सीतारमण ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2023 के चौथे संस्करण के उद्घाटन सत्र में पहुंची थीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हम एक बहुत ही बहु-ध्रुवीय, बहुत गतिशील और मजबूत दुनिया में रह रहे हैं, जो कई संकटों का सामना कर रही है। ऐसे में वैश्विक सहयोग की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चाहे रणनीतिक मुद्दा हो, अर्थव्यवस्था का मुद्दा हो या कोई और। सभी से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बैंकों और वित्तीय संस्थानों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि ग्राहक हमेशा अपने उत्तराधिकारी को नामांकित करें। इससे ऐसी स्थिति से बचा जा सकेगा, जिसमें लावारिस धन में कमी आएगी।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में सीतारमण ने कहा कि मैं चाहती हूं कि बैंकिंग प्रणाली, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार सहित वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र हर कोई यह ध्यान रखे कि जब कोई ग्राहक पैसे का लेनदेन करता है, तो संगठनों को भविष्य के बारे में सोचना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि वे (ग्राहक) अपने उत्तराधिकारी को नामांकित करें, नाम और पता दें।

दरअसल, कई बार लोग उत्तराधिकारी नामांकित नहीं करते हैं, जिससे उनके निधन के बाद उस धन पर दावा करने वाला कोई नहीं होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अकेले बैंकिंग प्रणाली में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक लावारिस जमा राशि है, जबकि लावारिस धन की कुल मात्रा 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

वित्त मंत्री ने कहा कि एक जिम्मेदार वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना आवश्यक है। ऐसे में छोटी सी लापरवाही भी परेशानी पैदा कर सकती है। उन्होंने फिनटेक कंपनियों से साइबर सुरक्षा में निवेश करने को कहा।

पेटीएम ने लॉन्च किया कार्ड साउंड बॉक्स: डेबिट-क्रेडिट कार्ड से 5000 रुपए तक का पेमेंट एक्सेप्ट करेगा, 999 में अवेलेबल होगा

नई दिल्ली।

फिनटेक फर्म पेटीएम ने कार्ड के जरिए पेमेंट एक्सेप्ट करने के लिए पेटीएम कार्ड साउंड बॉक्स नाम से एक नया डिवाइस लॉन्च किया है। यह डिवाइस मौजूदा साउंड बॉक्स का एक एडवांस्ड वर्जन होगा, जो क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड से 5000 रुपए तक का पेमेंट एक्सेप्ट करेगा। कंपनी ने इसकी कीमत 999 रुपए रखी है।

एलसीडी पर दिखेगा पेमेंट डिटेल

इस डिवाइस में टैप-एंड-पे का बिल्ट-इन फीचर है, जो वीजा, मास्टर कार्ड, अमेरिकन एक्सप्रेस और रुपे कार्ड से भी पेमेंट रिसीव कर पाएगा। पेटीएम के इस डिवाइस से नियर फिल्ड कम्युनिकेशन के जरिए स्मार्टफोन से भी पेमेंट किया जा सकता है। इसके अलावा यह डिवाइस एक एलसीडी डिस्प्ले से लैस है, जो पेमेंट की जानकारी दिखाएगा। हाल ही में पेटीएम ने पेटीएम पॉकेट साउंड बॉक्स और पेटीएम म्यूजिक साउंड बॉक्स लॉन्च किया था। लेकिन पेटीएम कार्ड साउंड बॉक्स इन सबसे एडवांस्ड है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि इस डिवाइस की लॉन्चिंग के साथ कंपनी ने मर्चेंट्स की दो समस्याओं का सामाधान किया है- कार्ड से पेमेंट एक्सेप्ट करने के साथ-साथ सभी पेमेंट का इंस्टेंट ऑडियो अलर्ट देना। इसके बाद, पेटीएम के सीबीओ-ईडीसी बिपीन कौल ने कहा कि यह डिवाइस कार्ड पेमेंट को माइक्रो लेवल तक लेकर जाएगा, जिससे कार्ड पेमेंट में बढ़ोतरी होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेटीएम, फोन-पे और गूगल-पे के बाद तीसरा सबसे बड़ा पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर है, जिसकी टोटल यूपीआई पेमेंट में 14प्रतिशत से ज्यादा की हिस्सेदारी है। अगस्त 2023 में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या बढ़कर 1,024 करोड़ हो गई है। वहीं अगस्त में टोटल ट्रांजैक्शंस की वैल्यू यानी लेनदेन की राशि 15.18 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रही है। यह ट्रांजैक्शन पिछले साल इसी महीने के मुकाबले करीब 400 करोड़ ज्यादा है और इसके जरिए ट्रांसफर की गई राशि करीब 5 लाख करोड़ रुपए ज्यादा है।

आनंद महिंद्रा ने इसरो को कहा धन्यवाद: बोले-भविष्य में एक दिन चांद की सतह पर थार-ई को उतारेंगे

नई दिल्ली।

चांद पर विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर की सफल लैंडिंग के बाद अब हाल ही में महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने इसरो को धन्यवाद कहा है। इतना ही नहीं आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो शेयर कर चांद पर अपनी कार थार-ई को उतारने की इच्छा जाहिर भी की है।

हमारी महत्वाकांक्षाओं को उड़ान देने के लिए धन्यवाद इसरो

आनंद महिंद्रा ने जो एनिमेशन वीडियो शेयर किया है, इस एडिटेड एनिमेशन क्लिप में चांद की सतह पर विक्रम लैंडर से प्रज्ञान रोवर की जगह थार-ई कार बाहर आते नजर आ रही है। इस वीडियो क्लिप के कैप्शन में आनंद महिंद्रा ने लिखा, हमारी महत्वाकांक्षाओं को उड़ान देने के लिए धन्यवाद इसरो।

भविष्य में एक दिन चांद की सतह पर थार-ई को उतारेंगे

आनंद महिंद्रा ने आगे लिखा, भविष्य में एक दिन हम चांद की सहत पर विक्रम और प्रज्ञान के बगल में थार-ई को उतरते देखेंगे और असंभव को संभव करेंगे। उनके इस पोस्ट पर यूजर्स जमकर लाइक और कमेंट्स कर रहे हैं। कई यूजर्स ने

महिंद्रा को उनके इस सपने के लिए शुभकामनाएं भी दीं हैं।

एक यूजर ने लिखा, सर आप जिस तरह से इसरो और उसके मिशन को प्रमोट कर रहे हैं, यह सराहनीय है। मुझे उम्मीद है कि और भी लोग आगे आएंगे और ग्रेट इसरो की उपलब्धियों के बारे में लोगों को बताते रहेंगे। एक दूसरे यूजर ने लिखा, मैं शर्त लगा सकता हूं कि थार चांद पर काफी अच्छे से चलेगी।

नजारा टेक्नोलॉजी में 100 करोड़ इन्वेस्ट करेंगे निखिल कामत

इस खबर से कंपनी का शेयर 10प्रतिशत बढ़कर 837 रुपए पर बंद हुआ

मुंबई।

मोबाईल गेमिंग और स्पोर्ट्स मीडिया कंपनी नजारा टेक्नोलॉजी के शेयर में 10प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। नजारा टेक का शेयर 77.45 रुपए यानी 10.20प्रतिशत की तेजी के साथ 837 रुपए पर बंद हुआ। दरअसल, नजारा टेक में ब्रोकरेज फर्म जीरोधा के को-फाउंडर निखिल कामत 100 करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट करेंगे।

नजारा टेक्नोलॉजी के शेयर ने 52-वीक हाई बनाया

नजारा टेक्नोलॉजी ने इस बात की जानकारी स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी है। इस खबर के सामने आने के बाद से ही नजारा के शेयर में यह तेजी आई है। वहीं कारोबार के दौरान नजारा टेक्नोलॉजी के शेयर ने 12प्रतिशत की तेजी के साथ 854 रुपए का अपना नया 52-वीक हाई बनाया था। पिछले 5 दिन में इस शेयर ने 16.22प्रतिशत, 1 महीने में 22.29प्रतिशत और 6 महीने में 58.45प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

कामत का नजारा में यह इन्वेस्टमेंट प्रिफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए होगा

निखिल कामत का नजारा में यह इन्वेस्टमेंट प्रिफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए होगा। कामत एसोसिएट्स एंड एनके-स्क्वॉयर्ड को 100 करोड़ रुपए के 1.4 मिलियन यानी 14 लाख इक्विटी शेयर्स शेयर जारी करने के लिए नजारा के बोर्ड ने मंजूरी भी दे दी है। ये इक्विटी शेयर्स जारी होने की तारीख से 6 महीने के पीरियड के लिए लॉक रहेंगे।

10 जुलाई को इक्विटी शेयरों के जरिए 750 करोड़ रु जुटाने की मंजूरी मिली थी

हालांकि, अभी इसे शेयरहोल्डर्स और रेगुलेटर से मंजूरी मिलनी बाकी है। पिछले महीने 10 जुलाई को नजारा के बोर्ड ने इक्विटी शेयरों के जरिए 750 करोड़ रुपए जुटाने की मंजूरी दी थी। नजारा टेक की एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी के मुताबिक, निखिल कामत को कंपनी के शेयर 714 रुपए के भाव पर दिए जाएंगे। यह 1 सितंबर के क्लोजिंग प्राइस से करीब 6प्रतिशत डिस्काउंट पर है। शुक्रवार को यह बीएसई पर 759.20 रुपए पर बंद हुआ था। भारत में गेमिंग इंडस्ट्री आने वाले सालों में तेजी से बढ़ेगी: निखिल कामत नजारा टेक्नोलॉजी में इन्वेस्टमेंट को लेकर जीरोधा के को-फाउंडर निखिल कामत का कहना है कि भारत में गेमिंग इंडस्ट्री आने वाले सालों में तेजी से बढ़ेगी। इस इंडस्ट्री में नजारा ने अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और यह गेमिंग प्लेटफॉर्म मुनाफे में चल रहा है। इसका पोर्टफोलियो काफी डाईर्सिफाई है तो ऐसे में गेमिंग इंडस्ट्री की ग्रोथ से बने अवसरों का फायदा उठाने के लिए यह दमदार स्थिति में है। यही कारण है कि कामत ने नजारा टेक में इन्वेस्टमेंट किया है।

नजारा टेक की डोमेस्टिक स्टॉक मार्केट में करीब ढाई साल पहले 30 मार्च 2021 को एंट्री हुई थी। तब कंपनी ने आईपीओ निवेशकों को 4 रुपए की फेस वैल्यू वाले इसके शेयर 1,101 रुपए के भाव पर जारी किए थे। इसके बाद 11 अक्टूबर 2021 को कंपनी के शेयर ने 1,678 रुपए का रिकॉर्ड ऑल टाइम हाई और 22 जून 2022 को 475.05 रुपए का ऑल टाइम लो बनाया था।

अपकमिंग फिल्म जवान को लेकर सुर्खियों में शाहरुख

- 7 सितंबर को रिलीज होने वाली है ये फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की अपकमिंग फिल्म जवान को लेकर बालीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान इन दिनों सुर्खियों में हैं। जवान 7 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इससे पहले शाहरुख खान एक बार फिर ट्विटर के जरिए अपने फैंस से रुबरु हुए और अपने फेमस आस्क एसआरके सेशन के साथ फैंस के बीच फिर वापस आए और ट्विटर यूजर्स के पूछे सवालों के जवाब दिए। शाहरुख खान अपने हाजिर जवाबी अंदाज के लिए काफी फेमस हैं, जिसकी झलक एक बार फिर देखने को मिली। शाहरुख खान ने रविवार को अपनी फिल्म जवान के बारे में कुछ फैंस के सवालों के जवाब दिए और अपकमिंग फिल्म की खासियत भी बताई। दरअसल, आस्क एसआरके सेशन के दौरान शाहरुख खान से एक फैन ने पूछा- फिल्म जवान से क्या सीख ली जा सकती है? जवाब में शाहरुख खान ने फैंस को जवान की एक-दो नहीं कई खासियतें गिना डालीं और बताया कि आखिर क्यों उनकी फिल्म खास है। शाहरुख खान ने फैन के सवाल का जवाब देते हुए कहा- फिल्म से इस बात की सीख मिलती है कि हम लोग कैसे बदलाव ला सकते हैं जो हम अपने आसपास चाहते हैं। कैसे महिलाओं को सशक्त बनाएं और अपने अधिकार के लिए किसी से भी लड़ जाएं। वहीं एक अन्य यूजर ने शाहरुख खान से उनके रोल को लेकर भी सवाल कर डाला। यूजर ने पूछा- जवान में आखिर कितने रोल हैं। मैं कन्फ्यूज हूं। जितने रोल्स हैं, उसके उतने टाइम मल्टीप्लाय करके देखूंगा। है ना। जवाब में किंग खान ने कहा- पहले बोलता चार-पांच रोल और बढ़ा सेट। हाहा, एंजॉय। वहीं एक यूजर ने शाहरुख के बाल्ड लुक पर भी सवाल किया। यूजर ने लिखा- जवान के लिए बाल्ड हो गए। आपको लुक कैसा लगा। इसके साथ ही यूजर ने एक फोटो भी शेयर की थी, जिसमें शख्स का दोस्त बाल्ड लुक में दिखाई दे रहा है। शाहरुख खान ने जवाब दिया- वॉव, दूसरे वाले का क्या। उसको भी करवाओ ना।

बॉक्स ऑफिस पर धीमा प्रदर्शन कर रही ओएमजी 2

-रीलिज के 23 दिन बाद भी नहीं चला जादू

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के खतरों के खिलाडी यानि एक्टर अक्षय कुमार, यामी गौतम की फिल्म ओएमजी 2 शुरू से ही बॉक्स ऑफिस पर थोड़ा धीमा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने आजतक 150 करोड़ का आंकड़ा भी पार नहीं किया है। बीते 11 अगस्त को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। यह फिल्म साल 2008 में आई ओह माय गॉड का सीक्वल है। यह फिल्म रिलीज के पहले से ही काफी सुर्खियों में रही है। फिल्म को ए सर्टिफिकेट दिया गया, ऐसे में इसका असर भी अक्षय की फिल्म के कलेक्शन पर देखने को मिला। इस फिल्म की कहानी फैंस और क्रिटिक्स दोनों को ही काफी पसंद आई। हालांकि, इन सबके बावजूद भी फिल्म कोई कमाल नहीं दिखा पाई। ओएमजी 2 के साथ ही सनी देओल की फिल्म गदर 2 भी रिलीज हुई थी और अब ड्रीम गर्ल 2 भी इस फिल्म के अच्छे कलेक्शन ना कर पाने की एक वजह हो सकती है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ओएमजी 2 भले ही उतना अच्छा कलेक्शन ना कर पाई हो, लेकिन फिल्म ने दुनियाभर में अच्छी कमाई की है। अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म ने वर्ल्डवाइड 207 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ओएमजी 2 आंकड़ों के मामले में भले ही उतनी अच्छी ना रही हो, लेकिन अक्षय के लिए तो ये फिल्म हिट है। पिछले काफी समय से अक्षय की बच्चन पांडे से लेकर रक्षाबंधन तक कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा अच्छा कमाल नहीं कर पाई है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ओएमजी 2 ने 23वें दिन यानी चौथे शनिवार को लगभग 1.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म ने रिलीज के 23 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 144.42 करोड़ कमा लिए है। आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने शुक्रवार को लगभग 1.1 करोड़ का बिजनेस किया है। अभी तक का पूरा कलेक्शन देखते हुए यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म के लिए 150 करोड़ के क्लब में शामिल होना कितना मुश्किल हो रहा है।

विक्की को जागना पडा कन्हैया ट्विटर पे आजा की शूटिंग के लिए

-एक्टर ने लगातार तीन रात की शूटिंग

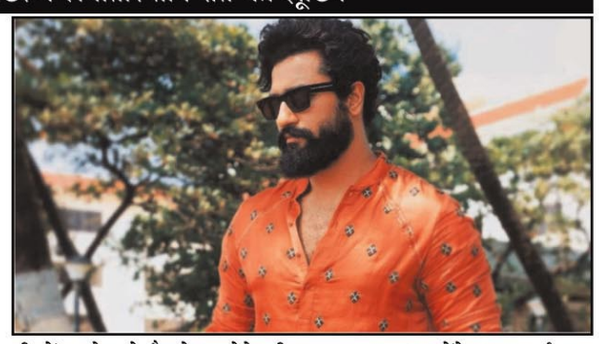

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर विक्की कौशल को अपकमिंग रिलीज द ग्रेट इंडियन फैमिली के कन्हैया ट्विटर पे आजा की शूटिंग के लिए रात-रात भर जागना पडा। एक्टर विक्की ने कहा, कन्हैया ट्विटर पे आजा टीजीआईएफ में मेरा एंट्री सीक्वेंस है। एक बड़ा सेट बनाया गया था, जो भारत के एक शहर की नकल करता था। एनवायरनमेंट इंफेक्शस था, वहां अनगिनत डांसर्स और क्रू थे, जिन्होंने माहौल को और बढ़ा दिया। हमने लगातार तीन रातों तक शूटिंग की है! हां, मुझे नींद नहीं आ रही थी, हम इस माहौल को पसंद कर रहे थे! यह गाना साल के सबसे बड़े जन्माष्टमी गीत के रूप में चार्ट पर आगे बढ़ रहा है! विक्की का कहना है कि यशराज फिल्म्स ने उनके एंट्री सीक्वेंस को बड़े पैमाने पर देने की पूरी कोशिश की। विक्की ने कहा, गाने का स्तर भजन कुमार के प्रति लोगों के प्यार से मेल खाना चाहिए। इस गाने की शूटिंग में मैंने अद्भुत समय बिताया। मुझे उम्मीद है कि लोगों को यह गाना भी पसंद आएगा और यह इस जन्माष्टमी पर हिट गाना बन जाएगा! उन्होंने कहा, वाईआरएफ ने अपने गृहनगर में भजन कुमार की लोकप्रियता दिखाने के लिए वास्तव में कन्हैया ट्विटर पे आजा का आयोजन किया था। मेरा किरदार अपने शहर में एक गायन आइकन है और इस शहर के लोग उसे पसंद करते हैं।

करीना, कियारा और सुहाना पर थमी नजरें

एक इवेंट में भाग ले रही बालीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान, कियारा आडवाणी और सुहाना खान पर जाकर लोगों की निगाहें थम सी गईं। ये तीनों एक्ट्रेस रिलायंस के नए टीरा ब्यूटी का फेस हैं। इस इवेंट के होस्ट के तौर पर एक्टर अर्जुन कपूर नजर आए। करीना ब्लैक स्टेपलेस गाउन में दिखीं। बेबो ने अपने लुक को डार्क आई मेकअप के साथ कंप्लीट किया था। वहीं सुहाना ने रेड स्ट्रेपलेस गाउन पहना था, जिसमें वो बेहद ग्लैमरस नजर आ रही थीं। कियारा की बात करें तो उन्होंने पेस्टल ग्रीन कलर का हॉलटेड टॉप और प्लाजो पहना था। कियारा ने अपने बालों को खास अंदाज में टाई किया हुआ था। सुहाना और करीना ने अपने बाल खुले छोड़े थे। अर्जुन हमेशा की तरह डैपर नजर आ रहे थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान की बेटी सुहाना जल्द ही जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से अपना डेब्यू करने जा रही हैं। सुहाना की फिल्म 7 दिसंबर को रिलीज होगी। करीना जल्द ही जाने जान से अपना ओटीटी डेब्यू करने वाली हैं। वहीं कियारा वार 2 और गेम चेंजर में नजर आने वाली हैं।

500 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है जेलर

-तमिल और तेलुगू वर्जन से मिला अच्छा रिस्पांस

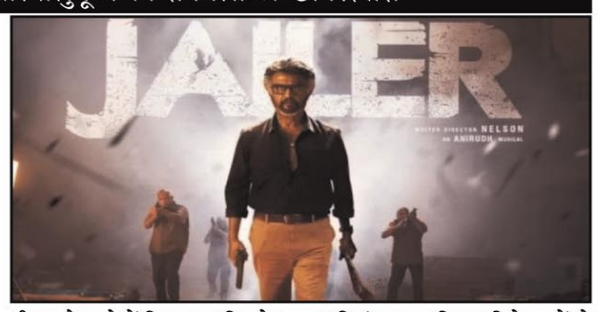

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म जेलर वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। सुपरस्टार रजनीकांत की जेलर अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी-2 और सनी देओल की फिल्म गदर-2 से सिर्फ एक दिन पहले रिलीज हुई थी। दोनों ही फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला, लेकिन कमाई के मामले में जेलर बाजी मार गई। फिल्म को सबसे अच्छा रिस्पॉन्स इसके तमिल और तेलुगू वर्जन से मिला। रिलीज वाले दिन ही फिल्म ने 48 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया था जिसमें से 37 लाख रुपये इसने सिर्फ तमिल वर्जन से कमाए थे। पहले हफ्ते के आखिरी तक फिल्म का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल कलेक्शन 235 करोड़ 85 लाख रुपये हो गया था जिसमें से इसने 184 करोड़ रुपये सिर्फ तमिल वर्जन से कमाए थे। हिंदी वर्जन से सिर्फ 2 करोड़ 1 लाख रुपए की कमाई हुई थी। दूसरे हफ्ते में फिल्म का बिजनेस थोड़ा घटा और इसने 62 लाख 95 हजार रुपये का बिजनेस किया। तीसरे हफ्ते में कमाई का ग्राफ और नीचे गया और फिल्म ने 29 करोड़ 75 लाख रुपये का बिजनेस किया। हालांकि इसमें गौर करने की बात यह थी कि तीसरा हफ्ता खत्म होने तक भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई थी। मालूम हो कि आमतौर पर इतने वक्त में फिल्में सिनेमाघरों से उतर जाती है और मेकर्स इन्हें ओटीटी पर रिलीज करने का विचार करने लगते हैं। माना जा रहा है कि जेलर 7 सितंबर तक फिल्म सिनेमाघरों से उतर भी जाएगी। डॉमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर जेलर का अभी तक का कुल कलेक्शन 332 करोड़ 85 लाख रुपये हो चुका है। बात करें चौथे हफ्ते की तो सुपरस्टार शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म जवान की रिलीज से ठीक पहले जेलर की कमाई में काफी गिरावट दर्ज की जा रही है। बीते शुक्रवार को फिल्म ने कुल मिलाकर सिर्फ 1 करोड़ 8 लाख रुपये का बिजनेस किया और शनिवार को इसकी कमाई 2 करोड़ 50 लाख रुपये (लगभग) रही।

पॉप स्टार ऑरा ने बप्पी लाहिड़ी को दी श्रद्धांजलि

के-पॉप स्टार ऑरा ने आरडी. बर्मन के शानदार क्लासिक ये शाम मस्तानी को गाया। इससे पहले पॉप स्टार ने बप्पी लाहिड़ी को श्रद्धांजलि देते हुए जिम्मी जिम्मी पेश किया था। उन्होंने बीते दिनों मरीन ड्राइव पर एक फ्लैश मॉब में प्रस्तुति दी। ऑरा ने जिम्मी जिम्मी की प्रस्तुति से भी अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा, जब मुझे गीत के बोल समझ में आए तो गीत ने मुझमें गर्मजोशी भरी भावनाएं पैदा की और मुझे अपने दिल में मौजूद प्यार को हर किसी के साथ साझा करने के लिए प्रेरित किया। अपने प्यारे प्रशंसकों के करीब समुद्र के किनारे इसे गाना वास्तव में एक यादगार अनुभव था। गीत के पीछे की रचनात्मक प्रक्रिया के बारे में बताते हुए ऑरा ने कहा, मैंने दो संस्करण बनाए हैं और दोनों में मूल गीत के समान एक मुख्य हुक लाइन होगी। लेकिन, बाकी को के-पॉप शैली में फिर से बनाया गया है

पार्वती की भूमिका में नजर आएगी सुभा राजपूत

पार्वती की भूमिका में एक्ट्रेस सुभा राजपूत नजर आने वाली हैं। शिव शक्ति - तप त्याग तांडव शो में सुभा राजपूत प्रमुख भूमिका में है। भगवान शिव के रूप में राम यशवर्धन और देवी शक्ति के रूप में सुभा राजपूत की प्रेम, कर्तव्य और बलिदान की दिव्य कहानी से लोगों का दिल जीत लिया है। इस महासप्ताह शिव शक्ति - तप त्याग तांडव में तारकासुर भगवान ब्रह्मा का ध्यान और जप करता है। उसके समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान ब्रह्मा प्रकट हुए और पूछा कि वह क्या प्राप्त करना चाहता है? वज्रांग के पुत्र ने वरदान मांगा कि केवल भगवान शिव का पुत्र ही उसे मार सकता है। दूसरी ओर आदिशक्ति देवताओं से कहती हैं कि वह हिमवान और मैनावती से जन्म लेंगी। ध्यान में लीन भगवान शिव को आभास होता है कि शक्ति का पुनर्जन्म होने वाला है।

मृत्यु के भय से भयभीत तारकासुर ने सभी नवजात शिशुओं को मारने का आदेश दिया। इन भारी बाधाओं के बावजूद पार्वती वयस्क हो गई हैं और प्रेम, कर्तव्य और बलिदान की शाश्वत यात्रा पर हैं।

बिग बी के साथ अभिषेक बच्चन भी आए घर के बाहर, किया प्रशंसकों का अभिवादन

मुंबई (ईएमएस)। अपनी सदी के महानायक बिग बी, अमिताभ बच्चन हर हफ्ते अपने प्रशंसकों से मिलने के लिए अपने घर से बाहर आते हैं। इस बार उनके साथ उनके बेटे अभिषेक बच्चन को भी देखा गया। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में प्रशंसकों के साथ मुलाकात की कई तस्वीरें साझा कीं। तस्वीर में अभिनेता अपने बेटे के साथ गेट की ओर जाते हुए नजर आ रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में उनकी पीठ कैमरे की ओर है और वे गेट के बाहर खड़े प्रशंसकों का अभिवादन कर रहे हैं। तीसरी तस्वीर में अमिताभ और अभिषेक अपने प्रशंसकों का हाथ जोड़कर नमस्ते करते दिख रहे हैं। सिने आइकन ने अपने ब्लॉग पर लिखा, पिता पुत्र एक साथ खड़े हैं, मैं किसे नमस्कार करूं। जीवन दाता तो बाबूजी थे, प्रार्थना में उन्हें साष्टांग प्रणाम। उन्होंने आगे कहा, जीवन में जानने और देखने के लिए बहुत कुछ है। हर पल विशाल आयामों से सीख मिलती है। धर्मी और अच्छे लोगों की हमेशा जीत होती है और अच्छे लोगों के बीच उन्हें आशीर्वाद मिलता है। परन्तु अधर्मी भी प्रबल होते हैं, और अक्सर कुछ समय के लिए मूल्यवान माने जाते हैं, हालांकि हमेशा के लिए कभी नहीं। अमिताभ ने अपनी 1990 की फिल्म अग्निपथ के बारे में भी बात की, जिसका निर्देशन मुकुल आनंद ने किया था। यह फिल्म एक युवा लड़के की बदला लेने की चाहत के इर्द-गिर्द घूमती है, जो उसे एक वयस्क के रूप में एक गैंगस्टर बनने की ओर ले जाती है। अभिनेता ने थाने में पुलिस प्रमुख के सामने बैठकर अपनी फिल्म अग्निपथ से विजय दीनानाथ चौहान की प्रसिद्ध पंक्तियों में से एक लिखी। ये दुनिया बहुत बिगड़ी. हुई है गायतोंडे साहब; इस दुनिया में बिगड़ा हुआ रहना बहुत जरूरी है, जो सुधर गया वो गया, ऊपर। विजय जिस तरह का अवैध जीवन जीता है, उसे उचित ठहराते हुए उन्होंने लिखा, यह जरूरी है कि वह अधर्मी जीवन जिए। यही फिल्म का कैरेक्टर है। उसने अपने परिवार के खिलाफ इतनी कृतघ्नता, कलह और बुराई का सामना किया है। उसे कड़वा बना दिया, जीवन अजीब है।

एक्शन से भरपूर ओजी का टीजर जारी

फिल्म ओजी के निमार्ताओं ने फिल्म का टीजर जारी कर दिया है। फिल्म के हीरो पवन कल्याण के 52वें जन्मदिन पर लॉन्च किए गए टीजर में स्टार की हंग्री चीते की एक झलक साझा की। टीजर फैंस को ओजस गंभीरा उर्फ ओजी नाम के गैंगस्टर से परिचित कराता है, जिसका किरदार पवन कल्याण ने निभाया है।

एक मिनट, चालीस सेकंड लंबे टीजर की बात करें तो, यह खून-खराबे, एक्शन दृश्यों से भरपूर है और अभिनेता को मुंबई के एक घातक गैंगस्टर होने के इर्द-गिर्द घूमने वाली घटनाओं के कारण हंग्री चीता कहा जाता है। टीजर पर एक नजर डालने पर यह कहना आसान है कि फिल्म के चारों तरफ ब्लॉकबस्टर लिखा हुआ है। फिल्म में सह-कलाकार इमरान हाशमी, प्रियंका मोहन, अनुभवी अभिनेता प्रकाश राज, अर्जुन दास और श्रिया रेड्डी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह ओजी डीवीवी दानय्या द्वारा निर्मित, डीवीवी एंटरटेनमेंट बैनर के तहत सुजीत द्वारा लिखित और निर्देशित है।

सूडोकु नवताल- 6544

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6543 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7291

ह	म	मा	प	र	वा	ना	न	ह	क	र
हा	म	सू	ह	त	ल	जी	स	ल	मी	ज
ग	वी	रा	द	अं	था	त	र	ज	ल	टी.
द	र	दा	ज	ल	क	स्तु	ओ	र	सु	अ
र	आ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	नो	न
प	मी	प	स	जि	स्वा	क	प	ह	स	क
के	ह	बु	की	टी	म	मी	टे	न	सु	ही
न	पू	सु	पा	खा	पं.	सौ	ल	ब	र	स
मों	रे	क	सू	ह	ती	ने	ने	व	जी	त
वा	दा	म	ब	फा	दी	र	ह	ल	क	थ
म	ह	न	प	द	य	ह	है	ज	ल	वा

शब्दजाल में अमिषा पटेल की १० फिल्मों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

गदर, हमराज, परवाना, सुनो ससुरजी, आप की खातीर, यह है जलवा, वादा, अनकही, तथास्तु, जमीर,

शब्दजाल - 7290 का हल

अ	कु	र	सु	ह	म	तु	म	ला	नी	ओ
न	छ	क	ज	इं	डो	ने	ह	क	म	म
बं	ना	आ	य	म	न	इ	क	भी	प	ज
टी	क	ल	मा	ज	ल	स	रा	अ	इ	य
औ	हो	स	र	का	र	क	र	ल	त्ते	ज
र	जे	कि	र	क	द	का	म	वी	रि	ग
ब	मा	दे	श	व	था	स	त	दा	क	दी
ब	दे	श	रा	न	प	य	र	न	व	श
ली	दि	ल	र	ले	दा	र	जा	क	वी	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	रा	जा	दु	च	ल	ग	या	ना	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6244

		4		6		1
6	22	1	30		38	4
	2		4	5		7
	30	2	31	3	33	
4		6	7		2	
	39		43	4	25	5
	4	5		7	1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6243 का हल

4	3	7	5	6	1	2
5	32	3	40	1	28	7
1	3	6	7	5	2	4
3	26	2	40	7	34	6
6	1	4	7	2	5	3
2	30	1	28	4	29	5
7	4	5	2	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

दक्षिण अफ्रीका की वर्ल्ड कप 2023 के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली।

भारत की मेजबानी में 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले आईसीसी क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लिए दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने सोशल मीडिया हैंडल्स के जरिये स्क्वाड की घोषणा की। दक्षिण अफ्रीका की कमान टेंबा बावुमा के हाथों में होगी। प्रोटियाज टीम वर्ल्ड कप 2023 में अपने अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ करेगी। यह मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले वो 29 सितंबर और 2 अक्टूबर को अपने दो अभ्यास मैच क्रमशः अफगानिस्तान व न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। सीएसए के क्रिकेट निदेशक इनोक एनकेवी ने कहा, वर्ल्ड कप प्रत्येक खिलाड़ी के लिए चोटी है, फिर मायने नहीं रखता कि किस खेल का है। युवा होने के नाते आप इसका सपना देखते हैं और मुझे विश्वास है कि इन खिलाड़ियों को आज खुद पर काफी गर्व होगा। मैं सभी चुने गए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं और भरोसा है कि वो सम्मान के साथ टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। हमें कोई शक नहीं कि वो भारत में अपना सर्वश्रेष्ठ झोकेंगे और ट्रॉफी घर लाने का प्रयास करेंगे।

किसे मिला मौका - दक्षिण अफ्रीका ने वर्ल्ड कप 2023 के लिए काफी संतुलित टीम चुनी है। दक्षिण अफ्रीका के 8 खिलाड़ी पहली बार वनडे वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगे। इनमें कप्तान टेंबा बावुमा का नाम भी शामिल है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जे का नाम आश्चर्य करने वाला है, जिन्होंने इस साल अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। गेराल्ड कोएत्जे ने दो वनडे मैच खेले, जिसमें पांच विकेट चटकाए। उन्होंने अपने डेब्यू वनडे में तीन विकेट लिए थे। स्क्वाड में क्विंटन डी कॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिच क्लासेन, एडेन मार्करम, डेविड मिलर और रासी वान डर डुसैन जैसे अनुभवी बल्लेबाजों को मौका मिला है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज विभाग की जिम्मेदारी कगिसो रबाडा, एनरिच नॉर्ट्जे और लुंगी एनगिडी के कंधों पर होगी। वहीं स्पिनर्स के रूप में केशव महाराज और तबरेज शम्सी को दक्षिण अफ्रीका ने मौका दिया है।

न्यूज ब्रीफ

केन विलियमसन वर्ल्ड कप खेलेंगेः उन्हें न्यूजीलैंड की टीम में शामिल किया जाएगा, 11 सितंबर को होगी टीम की घोषणा

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड टीम के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन वर्ल्ड कप 2023 में खेलेंगे। उन्हें

न्यूजीलैंड की 15 सदस्यीय वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया जाएगा, ये जानकारी न्यूजीलैंड टीम ने दी है। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा केन ने अपने रिहैबिलिटेशन के लिए बहुत समर्पण किया है और उन्होंने क्रिकेट खेलने की कोशिश नहीं छोड़ी। हम उन्हें चुनने के बाद काफी खुश है। इसके अलावा एक अच्छी बात कि वह जल्दी या जबरदस्ती वापसी नहीं करना चाहते हैं। वह लंबे समय तक क्रिकेट खेलना चाहते हैं। स्टीड ने कहा, हालांकि विलियमसन का चयन इस बात की गारंटी नहीं देता है कि वह पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे, लेकिन वो तेजी से रिकवरी रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बाउंड्री लाइन पर कैच लेने की कोशिश में विलियमसन चोटिल हो गए थे। उनके दाएं घुटने में चोट लगी थी। इसके बाद वो पूरे लीग से बाहर हो गए थे। लीग से बाहर होने के बाद विलियमसन न्यूजीलैंड लौट गए और अप्रैल में उनकी सर्जरी हुई। इस सीजन में वो गुजरात टाइटन्स टीम के हिस्सा थे। भारत में खेले जाने वाले आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड टीम की घोषणा 11 सितंबर को होगी। 11 सितंबर को ऑकलैंड में एक कार्यक्रम में रखा जाएगा, जिसमें टीम की घोषणा की जाएगी। वनडे वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड अपने अभियान का शुरुआत 5 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ करेगा। न्यूजीलैंड की टीम 2019 के वर्ल्ड कप में फाइनल तक पहुंची थी। विलियमसन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने थे। उन्होंने 9 पारियों में 578 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक भी लगाया था।

झेंग किनवेन यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहरी बार खेलेंगी

न्यूयॉर्क। चीनी स्टार झेंग किनवेन ने ट्यूनीशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त ओन्स जाबेउर को 6-2, 6-4

से सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। रिपोर्ट के अनुसार, यह शीर्ष 10 खिलाड़ी के खिलाफ झेंग की पहली जीत है और वह पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता के अंतिम आठ में पहुंची है। 21 वर्षीय झेंग ने अपनी शानदार जीत के बाद कहा, फिलहाल, मैं इस बड़े स्टेडियम में खेलने के लिए बेहद खुश और उत्साहित महसूस कर रही हूं और आज मैंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। जब झेंग से उनके लोकप्रिय उपनाम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे क्वीन वेन नाम बेहद पसंद है। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए झेंग का सामना बुधवार को आर्यना सबालेंका से होना तय है। पुरुष एकल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने 22 वर्षीय इतालवी माटेओ अर्नाल्डी को सीधे सेटों में 6-3, 6-3, 6-4 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त रूस के डेनियल मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को 2-6, 6-4, 6-1, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यह मैच दो घंटे और 40 मिनट तक चला, जो पिछले पांच वर्षों में मेदवेदेव की न्यूयॉर्क में चौथी क्वार्टर फाइनल उपस्थिति थी। पहले उन्होंने सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर अपना पहला और एकमात्र ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। मेदवेदेव के हमवतन और आठवीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव भी आगे बढ़े, उन्होंने ब्रिटान जैक ड्रेपर को 6-3, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया।

कार्लोस अल्कारेज तीसरी बार यूएस-ओपन के क्वार्टर फाइनल में: डेनियल मेदवेदेव ने भी टॉप-8 में अपना स्थान पक्का किया

नई दिल्ली। डिफेंडिंग चैम्पियन कार्लोस अल्कारेज तीसरी बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए है। वहीं डेनियल मेदवेदेव ने भी टॉप-8 में अपनी जगह पक्की कर ली है। कार्लोस ने खेले गए प्री क्वार्टर फाइनल में इटालियन खिलाड़ी माटेओ अर्नाल्डी को हराया। एक घंटे 59 मिनट चले मैच में उन्होंने माटेओ को 6-3, 6-3, 6-4 से हराया। कार्लोस 2021 से लगातार यूएस ओपन के टॉप-8 में पहुंच रहे हैं। पिछले साल उन्होंने फाइनल में कैस्पर रूड को हराकर खिताब अपने नाम किया था। रूसी खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव ने खेले गए टॉप-16 के मैच में टूर्नामेंट के 13वीं सीड ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर को हराया। 3 घंटे 46 मिनट तक चले इस मैच में मेदवेदेव को जीतने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। पहला सेट डी मिनौर ने 6-2 से जीत लिया। उसके बाद मेदवेदेव ने मैच में वापसी करते हुए लगातार तीनों सेट 6-4, 6-1 और 6-2 से जीते। अब उन्हें क्वार्टर फाइनल में हमवतन आंद्रे रुबलेव से भिड़ना है।

भारतीय वर्ल्ड कप टीम की खूबियां और खामियां

टॉप ऑर्डर के नाम 80 शतक, एक भी लेफ्ट आर्म पेसर और ऑफ स्पिनर नहीं

नई दिल्ली।

भारत में 5 अक्टूबर से शुरू हो रहे वनडे वर्ल्ड कप के लिए 15 मेंबर्स वाली टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मेजबान टीम घरेलू मैदानों पर ट्रॉफी जीतने की दावेदार बताई जा रही है। हालांकि दुनिया की बाकी टीमों की तरह टीम इंडिया की भी अपनी खूबी और खामी है। इस स्टोरी में हम भारतीय दल की खूबियां और खामियां जानेंगे।

टीम की खूबिया...

पहली खूबी: दुनिया का सबसे दमदार टॉप ऑर्डर - कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली भारत का टॉप ऑर्डर यानी टॉप-3 बनाते हैं। इनके नाम कंबाइंड रूप से 24 हजार से ज्यादा वनडे रन और शतक हैं। विराट ने 46, रोहित ने 30 और गिल ने 4 शतक जमाए हैं। इतने शतक वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाली किसी भी टीम के टॉप ऑर्डर के नाम नहीं हैं।

दूसरी खूबी: दुनिया के टॉप-10 में शामिल दो गेंदबाज भारतीय - इस समय आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप-10 गेंदबाजों में से दो भारतीय टीम में हैं। मोहम्मद सिराज 670 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं, कुलदीप यादव 622 अंकों के साथ 10वें स्थान पर है। इस समय ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के अलावा कोई और ऐसी टीम नहीं है जिसके दो गेंदबाज रैंकिंग में टॉप-10 में शामिल हो। इनके अलावा टीम में शामिल मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह काफी अनुभवी हैं।

तीसरी खूबी: तीन लेफ्ट हैंडर बल्लेबाज मौजूद - भारतीय टीम में ईशान किशन, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल के रूप में तीन ऐसे खिलाड़ी हैं जो लेफ्ट हैंडर बल्लेबाज हैं। इनकी मौजूदगी से भारतीय टीम परिस्थितियों के हिसाब से मिडिल और लोअर मिडिल ऑर्डर में अच्छा लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन बना सकती है।

टीम की खामियां...

पहली खामी- मिडिल ऑर्डर लय में नहीं - मिडिल ऑर्डर में श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव मौजूद हैं। इनके अलावा ईशान किशन के भी मिडिल ऑर्डर में खेलने की उम्मीद है। कागज पर ये सभी खिलाड़ी दमदार लगते हैं, लेकिन फिलहाल इनमें से ज्यादातर इंजरी और खराब फिटनेस से जूझते रहे हैं। सूर्या 26 वनडे खेल चुके हैं, लेकिन उनका औसत 25 से भी कम है। अय्यर का औसत 40 से ऊपर का है, लेकिन वे लंबे समय तक इंजर्ड रहने के बाद वापसी कर रहे हैं। वहीं, केएल राहुल भी इंजरी से उबर रहे हैं और वे एशिया कप के पहले दो मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे। ईशान किशन ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच में जरूर 82 रन की पारी खेली, लेकिन उनका मिडिल ऑर्डर में अनुभव काफी कम है।

दूसरी खामी- टीम में कोई भी लेफ्ट आर्म पेस बॉलर नहीं - वनडे क्रिकेट में जिस टीम के पास अच्छा लेफ्ट आर्म पेस गेंदबाज होता है वह टीम पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी करती है। पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क इसके बेहतरीन उदाहरण हैं। भारत ने 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। तब भारत के पास इरफान पठान और जहीर खान जैसे उम्दा लेफ्ट आर्म पेसर थे। भारत की मौजूदा वर्ल्ड कप टीम में एक भी लेफ्ट आर्म पेसर नहीं है।

तीसरी खामी: कोई ऑफ स्पिनर नहीं, कोई प्रॉपर लेग स्पिनर भी नहीं - जब प्रतिद्वंद्वी टीम में कई लेफ्ट आर्म बल्लेबाज होते हैं तो आपके पास मौजूद ऑफ स्पिनर काफी अहम हो जाता है। ऑफ स्पिनर की गेंद लेफ्ट हैंडर बैटर को छकाने में ज्यादा कामयाब होती है। भारतीय टीम में एक भी ऑफ स्पिनर नहीं है। व्हाइट बॉल क्रिकेट में लेग स्पिनर (राइट हैंड लेग ब्रेक बॉलर) की भूमिका भी काफी बढ़ी है। भारतीय टीम में कोई लेग स्पिनर भी नहीं है। कुलदीप यादव जरूर एक रिस्ट स्पिनर हैं, लेकिन वे लेफ्ट हैंड रिस्ट स्पिनर हैं।

चौथी खामी: टीम का लोअर ऑर्डर बेहद कमजोर - इंग्लैंड इस समय मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन है। इंग्लैंड टीम की प्लेइंग-11 में शामिल सभी 11 खिलाड़ी थोड़ी-बहुत बैटिंग कर लेते हैं। किसी मैच में टीम के ऊपरी क्रम के बल्लेबाज फेल भी हो जाते हैं तो उसके लोअर ऑर्डर बल्लेबाज मोर्चा संभाल लेते हैं। ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के लोअर ऑर्डर खिलाड़ी बल्लेबाजी की क्षमता रखते हैं। भारतीय टीम के साथ ऐसा नहीं है। नंबर 9 से नंबर-11 तक के लिए भारत के पास कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे विकल्प हैं। ये सभी गेंदबाज तो अच्छे हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर इनसे रन बनाने की उम्मीद रखना बेमानी होगी। इनमें से किसी का भी बैटिंग रिकॉर्ड अच्छा नहीं है।

खिलाड़ियों की करेंट फॉर्म को ध्यान में रखकर टीम चुनी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बोले- हमें लोअर मिडिल ऑर्डर में बैटर की जरूरत

कैंडी।

वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया के ऐलान के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि टीम का चयन खिलाड़ियों की करेंट फॉर्म और टीम बैलेंस के हिसाब से किया गया है। उन्होंने कहा कि हमने वर्ल्ड कप में अपने विपक्षी टीमों की स्ट्रेंथ और वीकनेस का भी ध्यान रखा है। भारतीय कप्तान ने कहा कि मुझे पता है कि वर्ल्ड कप से बाहर होना कैसा होता है, इसलिए जो इसका हिस्सा नहीं हैं, उनकी फीलिंग का मुझे अहसास है।

एक सवाल के जवाब में रोहित ने कहा कि हमें लोअर मिडिल ऑर्डर पर ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत थी, जो जरूरत पड़ने पर बैटिंग भी कर सके। इसलिए हमने पंड्या और शार्दूल ठाकुर के तौर पर दो पेस ऑलराउंडर और अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा के रूप में दो स्पिन ऑलराउंडर्स को चुना है।

हमें बैटिंग और बॉलिंग दोनों में गहराई की जरूरत है

चयन के बाद रोहित शर्मा ने कहा है कि वनडे क्रिकेट में आपके पास ज्यादा समय होता है, जबकि टी20 में रणनीति बनाने या नए प्लान के बारे में सोचने का समय नहीं होता है। यह हमारे साथ ही नहीं है, बल्कि अन्य टीम के साथ भी है। हर वर्ल्ड कप में ऐसा होता है, कोई न कोई खिलाड़ी टीम में जगह नहीं बना पाता है। हमें सबसे बेहतरीन टीम चुननी होती है और ऐसे में किसी न किसी को टीम से बाहर रखना पड़ता है।

हमें टीम में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में गहराई की जरूरत है। पिछले कुछ साल में हमने ऐसा महसूस किया कि हमारी टीम में इसकी कमी है। कई मौकों पर हमें लगा कि हमारी टीम की बल्लेबाजी में गहराई नहीं है। नौवें, 10वे या 11वें नंबर के खिलाड़ियों का काम सिर्फ गेंदबाजी करना नहीं है। कई मौकों पर ये लोग 10-15 रन बना जाते हैं, जो हार और जीत का अंतर साबित होते हैं।

अय्यर-राहुल सही समय पर फिट हुएः अगरकर

चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने कहा कि हमारे सामने खिलाड़ियों की चोट समस्या थी, लेकिन सही समय पर श्रेयस और राहुल फिट हो गए। हमने कई नामों पर चर्चा की, लेकिन आपको टीम के संतुलन के हिसाब से सबसे बेहतरीन टीम चुननी होती है। लोकेश राहुल लय में हैं, वे बेंगलूरू में अच्छे दिख रहे थे, लेकिन एशिया कप से पहले चोटिल हो गए। 50 ओवर में आप एक ऑफ स्पिनर टीम में चाहते हैं, लेकिन यह सबसे संतुलित टीम है। हमनें जिन गेंदबाजों का चयन किया है, उससे काफी खुश हैं।

मिडिल फिंगर दिखाने के आरोप पर गौतम गंभीर बोले

पाकिस्तानी फैंस भारत विरोधी नारे लगा रहे थे, हंस के थोड़ी जाऊंगा

नई दिल्ली।

मैदान में बैठे दर्शकों को मिडिल फिंगर दिखाने पर पूर्व क्रिकेटर और भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने कहा- क्राउड में पाकिस्तान के कुछ फैंस हिंदुस्तान विरोधी नारे लगा रहे थे, इसीलिए मैंने वैसा (मिडिल फिंगर दिखाना) रिएक्ट किया। अगर कोई पर्सनली भी गालियां देगा तो मैं हंस के थोड़ी न चला जाऊंगा। दरअसल, सोशल मीडिया पर गंभीर का एक वीडियो सामने आया। इसमें वे एशिया कप मैच देख रहे दर्शकों को मिडिल फिंगर दिखाते नजर आए। इस पर गंभीर ने कहा- जरूरी नहीं कि सोशल मीडिया पर जो भी दिखाया जाता है वह सच ही हो।

मैं अपने देश के खिलाफ नहीं सुन सकता

गौतम गंभीर ने बताया- क्राउड में पाकिस्तान को सपोर्ट कर रहे 2-3 लोग बैठे हुए थे, वे भारत विरोधी नारे लगा रहे थे। पाकिस्तानी फैंस कश्मीर पर भी कमेंट कर रहे थे। एक भारतीय के रूप में मैं अपने देश के खिलाफ ये सब नहीं सुन सकता।

कोई मुझे गाली देगा तो हंस के थोड़े ही न चले जाऊंगा

गंभीर ने आगे कहा- सच्चाई ये है कि अगर आप एंटी इंडिया नारे लगाएंगे या ये कहेंगे कि हिंदुस्तान मुर्दाबाद या फिर कश्मीर के बारे में कहेंगे तो बंदा किसी तरह से तो रिएक्ट करेगा। अगर आप देश के बारे में कुछ उलटा बोलेंगे या पर्सनली भी गालियां देंगे तो मैं हंस के चले जाने वाले लोगों में से तो नहीं ही हूं। ऐसे लोगों (नारे लगाने वाले) को बस इतना ही कहना चाहूंगा कि जब आप मैच देखने आएं तो अपनी टीम को सपोर्ट करें। वहां पर कुछ पॉलिटिकल रिएक्शन देने की जरूरत नहीं है। गौतम गंभीर फिलहाल एशिया कप में ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स की ओर से कॉमेंट्री टीम का हिस्सा है। कॉमेंट्री के बाद मैदान से बाहर निकलते हुए उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। इस वीडियो में वह मोबाइल पर बात करते-करते दर्शकों को मिडिल फिंगर दिखाते नजर आए।

एशिया कप 2023 के बीच में ही टीम को लगा तगड़ा झटका, पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गया ये धाकड़ खिलाड़ी

नई दिल्ली।

एशिया कप 2023 बहुत ही शानदार अंदाज में खेला जा रहा है। फैंस को रोज ही रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। लेकिन अब सुपर-4 राउंड से पहले ही बांग्लादेश की टीम को तगड़ा झटका लगा है। उसका एक स्टार खिलाड़ी चोटिल होने की वजह से बाहर हो गया है। ये खिलाड़ी बहुत ही शानदार फॉर्म में चल रहा था। एशिया कप 2023 में बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी नजमुल हुसैन शांतो चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्होंने लाहौर में अफगानिस्तान के खिलाफ 104 रनों की पारी के दौरान शांतो हैमस्ट्रिंग की परेशानी से जूझते हुए नजर आए थे। अगले दिन एमआरआई में मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि हुई और शांतों बीसीबी मेडिकल टीम ने आगामी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के लिए आराम करने की सलाह दी, जो सिर्फ एक महीने दूर है। शांतो ने श्रीलंका के खिलाफ 89 रन बनाए थे और वह शानदार फॉर्म में चल रहे थे। नजमुल हसन शांतो ने हैमस्ट्रिंग की शिकायत की थी और फील्डिंग नहीं कर सके थे। नेशनल टीम के फिजियो बायजेदुल इस्लाम खान ने कहा कि एमआरआई स्कैन किया गया जिसमें

मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि हुई। एहतियात के तौर पर वह आगे टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे और वह रिहैबिलिटेशन और वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए घर लौटेंगे। अभी तक उनके रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की है, लेकिन बुखार से उबरने के बाद लिटन दास की टीम में वापसी को हो चुकी है। बांग्लादेश क्रिकेट टीम को एशिया कप के अपने पहले मैच में श्रीलंका के खिलाफ पांच विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। लेकिन इसके बाद दूसरे मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ टीम ने शानदार वापसी की और 89 रनों से मुकाबला जीत लिया। टीम दो अंक लेकर प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच होने वाले मुकाबले का नतीजा कुछ भी हो, उससे बांग्लादेश के नेट रन रेट पर कुछ असर नहीं पड़ेगा।

देश की नामी एथलीट व्हेयर अबाउट में फेल, लगा अस्थायी प्रतिबंध, एशियाड में कई पदक जीत चुके

नई दिल्ली।

बड़े खिलाडियों के व्हेयर अबाउट (टेस्टिंग के लिए पता, ठिकाना बताना) में फेल होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। इस बार देश की एक नामी स्प्रिंट एथलीट को व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया गया है। इस एथलीट ने देश को एशियाई खेलों में कई पदक दिलाए हैं।

इस एथलीट को अगर प्रतिबंध से बचना है तो नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) के सुनवाई पैनल के समक्ष अपनी बेगुनाही साबित करनी होगी, वरना एथलीट पर दो साल का प्रतिबंध लग सकता है। अस्थायी प्रतिबंध में भी एथलीट किसी कंपटीशन में नहीं खेल सकती है।

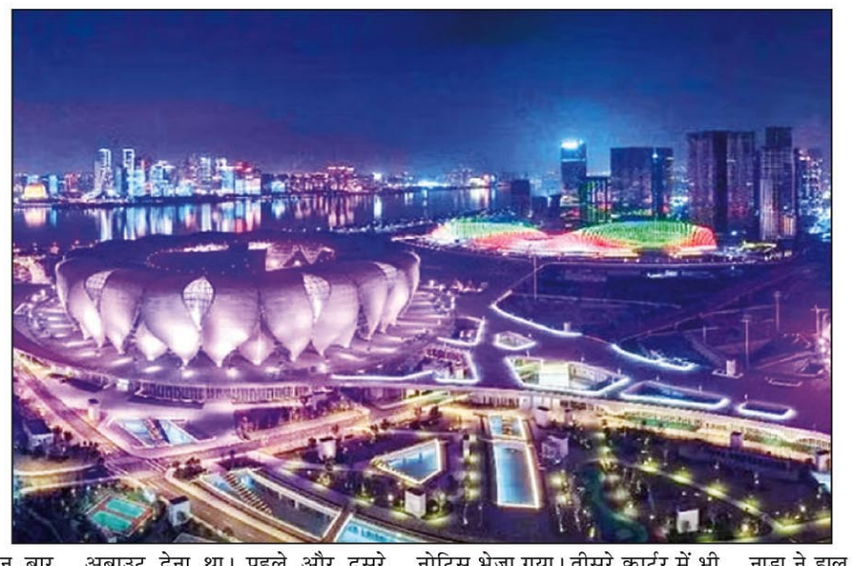

नहीं दिया नोटिस का जवाब

सूत्रों के मुताबिक इस एथलीट को अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में व्हेयर अबाउट फेल्योर का तीसरा और अंतिम नोटिस भेजा गया, लेकिन उन्होंने इसका जवाब नहीं दिया। सूत्र यह भी बताते हैं कि मामला सिर्फ व्हेयर अबाउट फेल्योर का नहीं बल्कि मिस टेस्ट (सैंपल के लिए दिए गए स्थान पर नहीं मिलना) का भी है। नियमों के इस एथलीट को साल में तीन बार (प्रत्येक चार माह) पर अपना व्हेयर अबाउट देना था। पहले और दूसरे क्वार्टर में व्हेयर अबाउट नहीं देने पर नोटिस भेजा गया। तीसरे क्वार्टर में भी व्हेयर अबाउट नहीं देने पर जवाब मांगा जाता है। जवाब संतोषजनक नहीं होने पर खिलाड़ी पर अस्थायी प्रतिबंध लगता है। एथलीट ने यहां भी जवाब नहीं दिया तो उन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया।

राष्ट्रीय शिविर से भी चली गई

कुछ समय पहले तक यह एथलीट एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया की योजनाओं का हिस्सा थी, लेकिन कुछ दिन पूर्व यह एथलीट राष्ट्रीय शिविर से भी चली गई। एथलीट का चयन एशियाई खेलों के लिए भी नहीं हुआ था। नाडा ने हाल ही में बड़े खिलाड़ियों के व्हेयर अबाउट पर कड़ा शिकंजा कसा है। हाल ही में एशियाई खेलों की टीम में शामिल रहीं पदचालक भावना जाट और टोक्यो ओलंपिक में खेलने वाली पहलवान सीमा को भी व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया। दोनों ही खिलाड़ियों की नाडा पैनल के समक्ष सुनवाई चल रही है।

क्या है व्हेयर अबाउट

किसी भी खिलाड़ी को डोप सैंपल देने के लिए वाडा या नाडा को कुछ अवधि का अपना दिन या रात्रि का समय दर्ज कराना होता। तीसरी बार व्हेयर अबाउट नहीं देने पर इसे उल्लंघन मानते हुए अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया जाता है। इस अवधि के दौरान डोप टेस्टिंग टीम सैंपल लेने पहुंच सकती है। अगर टेस्ट नहीं दिया जाता है तो इसे मिस टेस्ट घोषित किया जाता है। तीन मिस टेस्ट पर खिलाड़ी पर अस्थायी प्रतिबंध लगता है।

नकारात्मक लोगों को कैसे पहचानें?

जिन लोगों के साथ आप समय बिताते हैं वो जाने-अनजाने में आपके जीवन पर बहुत बड़ा असर डालते हैं। कहीं न कहीं हम उनकी तरह बात करने, उनकी तरह बनने और वैसा ही करने की कोशिश अनजाने में करने लगते हैं, ये मानवीय पकृति है जिसे हर कोई करता है और इसे बदलना लगभग नामुमकिन है, क्योंकि संगत का असर दिमाग पर पड़ता है और दिमाग एक जटिल अंग है जिसे समझ पाना असंभव है। कई बार हमें पता ही नहीं चलता है कि जो लोग हमारे साथ या आसपास हैं वो कितने बेकार और नकारात्मक सोच वाले हैं। ऐसे लोग विषैले सांप की तरह होते हैं जो कभी न कभी आपको भी नुकसान पहुंचाते ही हैं। इसलिए, बेहतर होगा कि ऐसे लोगों को पहचानें और उनसे दूरी बना लें। ऐसे लोग अपनी बातों या अपने कामों से आएं दिन किसी न किसी का दिल दुखाते रहते हैं। वे हमेशा कोशिश करेंगे कि वे आपको बहुत भला चाहते हैं लेकिन आपको निराश करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। ऐसे लोगों को स्मार्टली हैंडल करना सीखें और उनसे भावनात्मक दूरी बना लें। वरना वे आपमें भी ऐसी आदत पनपा सकते हैं। ऐसे लोग हमेशा परेशान रहते हैं। वो जीवन में कभी खुश नहीं रहते हैं। चाहें परिस्थितियां कितनी भी अच्छी क्यों न हों, उन्हें हमेशा शिकायत और समस्या ही रहती है। समय रहते ऐसे लोगों से दूर हो जाएं। जो लोग आपको किसी काम को करने के लिए प्रेरित नहीं करते हैं बल्कि हमेशा हतोत्साहित करते रहते हैं वे लोग टॉक्सिक होते हैं। ऐसे लोग जीवन में नकारात्मकता लेकर आते हैं। जितना संभव हो, ऐसे लोगों से दूर रहें। जहरीले स्वभाव वाले लोगों से आप जब भी बात करें, तो वे दूसरों के बारे में हमेशा खराब ही बोलेगें। इससे आपके नजरिए पर भी असर पड़ता है। इसलिए, अच्छा होगा कि ऐसे लोगों से दूरी बनाकर रखें।

डीवीडी देखकर व्यायाम न करें...

एक नए शोध में पता चला है कि फिटनेस डीवीडी देखते हुए घर में व्यायाम करने का विचार अच्छा लग सकता है, लेकिन इसका काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऑरिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध के परिणामों से पता चला है कि इस तरह के वीडियो से व्यक्ति की सोच नकारात्मक दिशा की ओर मुड़ सकती है और उनके प्रेरणा स्तर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। फिटनेस के लिए मिलने वाली डीवीडी के अध्ययन से यह भी सामने आया है कि इस तरह की डीवीडी में इस्तेमाल होने वाली निराशाजनक भाषा से व्यायाम करने वालों पर पड़ने वाले प्रभाव का स्तर कम हो सकता है। इसके साथ ही ऐसा वीडियो देखने वाले व्यक्तित की आशा और क्षमता पर पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव मनोवैज्ञानिक क्षति का कारण बन सकता है। इस शोध के लिए शोधकर्ताओं ने व्यायाम का प्रशिक्षण देने वाले 10 लोकप्रिय डीवीडी की समीक्षा की। इस तरह के डीवीडी में इस्तेमाल होने वाली भाषा और वीडियो का मूल्यांकन किया गया। इस शोध का लक्ष्य इस तरह के डीवीडी में दिए जाने वाले संदेशों और वीडियो को बेहतर तरीके से समझना और उपयोगतकर्ताओं पर इनके प्रभाव का आकलन करना था। इन फिटनेस डीवीडी का 25 करोड़ डॉलर का उद्योग है, लेकिन इनकी सुरक्षा से संबंधित कोई भी वैज्ञानिक सबूत नहीं है। इस शोध के परिणामों के बाद सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया कि वे इस तरह के डीवीडी को खरीदते समय या इनका इस्तेमाल करते समय इससे पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव के प्रति जागरूक रहें।

सैनिक स्कूलों में लड़कियों को भी मिल सकता है दाखिला

सैनिक स्कूलों में अब लड़कियों के दाखिले की भी अनुमति दी जा सकती है। करीब 55 साल पहले जब एक सैनिक स्कूल खुला था तो वह सिर्फ पुरुष प्रधान ही था यानी सिर्फ छात्रों का ही दाखिला होता था। मामले के जानकार एक अधिकारी ने बताया कि नागरिक उड़यन मंत्री अशोक गजापति राजू ने एक पत्र लिखा था जिसके आधार पर रक्षा मंत्रालय ने इन स्कूलों में लड़कियों को भी दाखिला देने की संभावना तलाशनी शुरू कर दी है। रक्षा मंत्रालय अभी देश भर में 22 सैनिक स्कूल चलाता है। अधिकारी ने बताया कि राजू ने रक्षा मंत्री मनोहर पारिज्कर को एक पत्र लिखकर आग्रह किया जिस पर पार्रिकर ने इस मामले पर गौर करने का वादा किया। देश भर में नैशनल डिफेंस अकेडमी और आर्मी में महिलाओं के दाखिले को लेकर विभिन्न स्तरों पर बहस चल रही थी। सैनिक स्कूल में छात्राओं के प्रवेश को इस दिशा में पहला कदम माना जाएगा।

रक्षा मंत्री को लिखे पत्र में राजू ने उल्लेख किया, 'आज के आधुनिक समय में रक्षा सेवाएं अपवाद नहीं रह गई हैं जहां महिलाएं अपनी भूमिका न निभा सकें। इस संदर्भ में मैं आपके ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं कि कई पैरंट्स सैनिक स्कूल, कोरुकोंडा (विजयनगरम) के माध्यम से देश की सेवा में अपनी लड़कियों को भेजना चाहते हैं।'

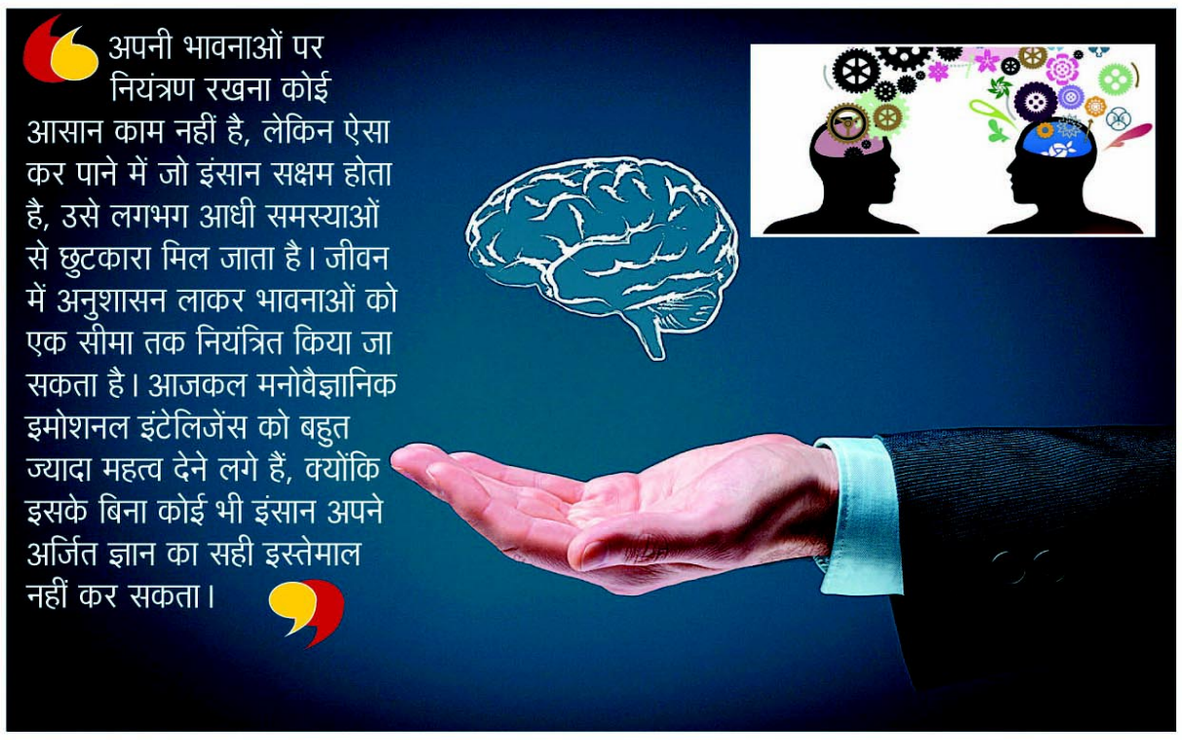

अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन ऐसा कर पाने में जो इंसान सक्षम होता है, उसे लगभग आधी समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। जीवन में अनुशासन लाकर भावनाओं को एक सीमा तक नियंत्रित किया जा सकता है। आजकल मनोवैज्ञानिक इमोशनल इंटेलिजेंस को बहुत ज्यादा महत्व देने लगे हैं, क्योंकि इसके बिना कोई भी इंसान अपने अर्जित ज्ञान का सही इस्तेमाल नहीं कर सकता।

इमोशनल इंटेलिजेंस भी जरूरी...

आज की जटिल जीवन स्थितियों में खुशी और कामयाबी हासिल करने के लिए व्यक्ति का केवल मेहनती और बुद्धिमान होना ही काफी नहीं, बल्कि इसके लिए भावनात्मक परिपक्वता भी बहुत जरूरी है। आपने यह अनुभव किया होगा कि एक ही जैसी स्थितियों में लोग अलग-अलग ढंग से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।कुछ लोग छोटी-छोटी परेशानियों से हताश हो जाते हैं तो कुछ बेहद मुश्किल हालात में भी घबराने के बजाए शांतिपूर्ण ढंग से अपनी समस्याओं का हल ढूंढने की कोशिश करते हैं। इसमें से दूसरी तरह के लोग भावनात्मक रूप से बुद्धिमान माने जाते हैं और वे जीवन के हर मोर्चे पर कामयाब होते हैं। आजकल मनोवैज्ञानिक भावनात्मक विवेक को बहुत ज्यादा महत्व देने लगे हैं, क्योंकि इसके बिना कोई भी इंसान अपने अर्जित ज्ञान का सही इस्तेमाल नहीं कर सकता। भावनात्मक विवेक के सिद्धांत के प्रतिपादकों का ऐसा मानना है कि पारंपरिक रूप से जिसे हम आइक्यू कहते हैं, उसका क्षेत्र बहुत सीमित है, लेकिन इमोशनल इंटेलिजेंस का दायरा बहुत विस्तृत है।

क्या है इमोशनल इंटेलिजेंस

इमोशनल इंटेलिजेंस के अंतर्गत समस्त मानवीय व्यवहार समाहित हैं। जीवन में सफल होने के लिए केवल मेहनत करके तकनीकी कौशल सीखना और जानकारियां हासिल करना ही काफी नहीं, बल्कि इंसान को अपनी भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करना भी आना चाहिए। बौद्धिक रूप से कोई भी इंसान चाहे कितना ही सक्षम क्यों न हो लेकिन भावनात्मक परिपक्वता के अभाव में वह असफल हो सकता है।

अंतर्मन के आईने में

अपने व्यक्तित्व को अच्छी तरह समझना भी भावनात्मक विवेक का ही एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि आप किन बातों से खुश होते हैं, कौन सी बातें आपको नापसंद हैं, अगर कभी आपका मूड खराब है तो आपको यह मालूम होना चाहिए कि किस वजह से आपका मूड खराब है। किन बातों को लेकर आप चिंतित और परेशान होते हैं, आपके मन में किन बातों को लेकर असुरक्षा है, यह आपको स्पष्ट रूप से मालूम होना चाहिए। जब कभी आप शांतिपूर्वक अकेले बैठे हों तो तटस्थ हो कर दूसरों की नजर से आत्मविश्लेषण करें। जब आप ईमानदारी के साथ अपने व्यक्तित्व का मूल्यांकन करेंगे, तभी आप अपनी भावनाओं को अच्छी तरह समझने में सक्षम होंगे। इससे अपने मनोभावों को नियंत्रित और संतुलित करना आपके लिए सहज होगा।

भावनात्मक अनुशासन

अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन ऐसा कर पाने में जो इंसान सक्षम होता है, उसे लगभग आधी समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। जीवन में अनुशासन लाकर भावनाओं को एक सीमा तक नियंत्रित किया जा सकता है। अगर आप अच्छी प्रेरणादायक किताबें पढेंगे और जीवन के लिए यह दिशा-निर्देश तय करेंगे कि मन में नकारात्मक भावनाओं को आने नहीं देना है तो क्रोध, ईर्ष्या-द्वेष जैसी भावनाओं से काफी हद तक ऊपर उठ सकते हैं। अगर कोई क्रोध में आकर आपके साथ बुरा व्यवहार करता है तो उसकी प्रतिक्रिया में आपका नाराज होना उचित नहीं है। उस वक्त आप शांत रहें और बाद में जब उस व्यक्ति का गुस्सा शांत हो जाए तब आप उसे उसकी गलती का एहसास कराएं। कोई भी निर्णय लेते समय इंसान को अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए क्योंकि भावावेश में आकर जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अकसर गलत साबित होता है।

भावनात्मक परिपक्वता

जब इंसान अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना सीख लेता है तो वह स्वतः भावनात्मक परिपक्वता की ओर बढ़ने लगता है। जीवन में सफलता और सच्ची खुशी हासिल करने के लिए किसी भी व्यक्ति का भावनात्मक रूप से परिपक्व होना बहुत जरूरी है। कोई भी इंसान भावनात्मक रूप से कितना परिपक्व होगा, यह इस बात पर निर्भर है कि वह अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति के प्रति कितना सचेत है। महात्मा बुद्ध के उपदेशों में आठ सम्यक सूत्रों का उल्लेख मिलता है, जिनके माध्यम से जीवन के हर क्षेत्र में संतुलित आचरण अपनाने की शिक्षा दी गई है। गौतम बुद्ध ने एक बार अपने शिष्यों से कहा था, तुम वीणा के तारों को इतना न कसो कि वे टूट जाएं और न ही इतना ढीला छोड़ों कि उनसे स्वर न निकले। कहने का अर्थ यह है कि भावनाओं की अभिव्यक्ति के मामले में हमेशा संतुलन होना चाहिए।

समझें दूसरों की भावनाएं

भावनात्मक रूप से संतुलित होने के लिए खुद को समझने के साथ दूसरों की भावनाओं को भी समझने और उनके अनुरूप व्यवहार करने की कोशिश करनी चाहिए। इमोशनली इंटेलिजेंट लोगों का सामाजिक व्यवहार हमेशा संतुलित होता है। दूसरों के व्यक्तित्व की खूबियों-खामियों को पहचानने और उनके मन की बातों को पढ़ पाने का गुर जीवन के हर क्षेत्र में आपके काम आता है। चाहे वह आपका व्यक्तिगत जीवन हो या सार्वजनिक। अगर आप दूसरों को समझते हैं तो यह आपके लिए भी अच्छा होगा। दूसरों की भावनाओं को बारीकी से समझ पाना भावनात्मक विवेक का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

मुश्किल का हल

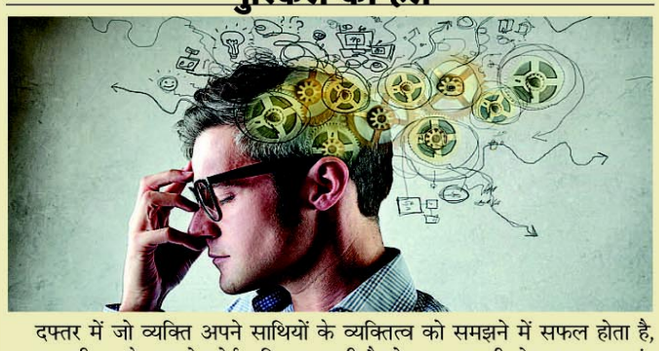

दफ्तर में जो व्यक्ति अपने साथियों के व्यक्तित्व को समझने में सफल होता है, अगर कभी उसके सामने कोई मुश्किल आती है तो वह आसानी से उसका हल ढूंढ लेता है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में भी भावनात्मक रूप से संतुलित लोग अपने सभी संबंधों का निर्वाह अच्छी तरह कर पाते हैं। वे अपने जीवनसाथी, दोस्तों और रिश्तेदारों के व्यवहार को ध्यान से देखते हुए उनके व्यक्तित्व के सकारात्मक-नकारात्मक पक्षों को समझने की कोशिश करते हैं। लोगों के साथ उनका व्यवहार बेहद संयत होता है। उन्हें मालूम होता है कि अगर किसी से अपनी बात मनवानी भी है तो उसके सामने किस ढंग से पेश आना चाहिए। बच्चों की परवरिश के मामले में भावनात्मक संतुलन की भूमिका काफी अहम होती है।

व्यवहार कुशलता

समाज में लोगों के साथ व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर भी उसके भावनात्मक विवेक को आंका जाता है। भले ही किसी व्यक्ति से आपके वैचारिक मतभेद हों या किसी कारण से आप उसे नापसंद करते हों, लेकिन जब वह सामने मिले तो उसके साथ आपका व्यवहार हमेशा सहज और संतुलित होना चाहिए। जीवन के हर मोर्चे पर कामयाबी हासिल करने के लिए यह बहुत जरूरी है। अगर आप सचेत ढंग से इन सुझावों पर अमल करेंगे तो आपके लिए भावनात्मक संतुलन स्थापित करना आसान हो जाएगा।

संतुलन के कुछ सरल नियम

- **इमोशन मैनेजमेंट डायरी:** अपने लिए एक इमोशन मैनेजमेंट डायरी बनाएं, रोजाना रात को सोने से पहले उसमें दर्ज करें कि पूरे दिन में आपने कितनी बार और किन स्थितियों में नकारात्मक व्यवहार किया, ताकि अगली बार वैसी स्थिति में आप अपने व्यवहार में सुधार ला सकें।
- **यह आदत डालें:** समस्याओं से दुखी होने के बजाय उन्हें हल करने की आदत डालें।घर और बाहर दोनों जगहों पर लोगों के साथ अच्छे संबंध बनाने और बिगडे हुए संबंध को सुधारने की कोशिश करें। अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति पर नियंत्रण रखें और सहनशक्ति को मजबूत बनाएं।
- **भावुक क्षणों में फैसला न लें:** भावुक क्षणों में कोई भी निर्णय न लें क्योंकि इसमें अकसर गलतियां हो जाती हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती बढाएं, जिनसे बातें करके आपको खुशी मिलती है। अच्छे सामाजिक संबंध भावनात्मक संतुलन बनाने में मददगार होते हैं।
- **असफलताएं हैं जीवन का हिस्सा:** करियर के क्षेत्र में मिलने वाली छोटी-छोटी असफलताओं को पहले से ही अपने जीवन का जरूरी हिस्सा मानकर चलें। अपनी नाकामी से निराश होने के बजाय यह संकल्प लें कि दोबारा आपके साथ ऐसा नहीं होगा। अगर आप छात्र हैं या करियर बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं तो अपनी क्षमताओं का सही मूल्यांकन करना सीखें।
- **अपनी क्षमताओं को जानें:** अपनी क्षमता के अनुरूप ही परिणाम की आशा रखें। अति महत्वाकांक्षा और उसके पूर्ण न होने की स्थिति में कोई भी व्यक्ति भावनात्मक रूप से असंतुलित हो जाता है। सीखने की कोई उम्र नहीं होती। अपने प्रोफेशन के संबंध में निरंतर नई जानकारियां हासिल करें और काम की नई तकनीकें सीखते रहें। इससे आप स्वयं को हमेशा युवा और ऊर्जावान महसूस करेंगे।
- **अपने ऊपर ध्यान दें:** अगर ऐसा लगता है कि वाकई आपका भावनात्मक संतुलन बिगड़ रहा है तो अपने ऊपर पूरा ध्यान दें। पर्याप्त नींद लें, योगाभ्यास और ध्यान करें।परिवार के साथ पूरा समय बिताएं। छुट्टियों में कहीं घूमने जाएं। हमेशा अच्छा सोचें। इससे जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस करेंगे।

जानें किताब पढ़ने के फायदे...

पढ़ना एक ऐसी गतिविधि है जिसके कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। यदि आप नियमित रूप से नहीं पढ़ते हैं तो आपको रीडिंग को एक शौक के रूप में लेने पर विचार करना चाहिए। अक्सर लोगों के पढ़ने के पीछे के प्रयोजनों में कोई काम या शौक होता है। लेकिन वास्तव में पढ़ना एक ऐसी गतिविधि है जिसके कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। यदि आप नियमित रूप से नहीं पढ़ते हैं तो आपको रीडिंग को एक शौक के रूप में लेने पर विचार करना चाहिए। हर दिन एक किताब के कुछ पन्नों को पढ़ने के साथ धीरे-धीरे इसे शुरू करें या फिर समाचार देखने के बजाय अखबार पढ़ें। जल्द ही आपको अहसास होगा कि आप फिल्में देखने के बजाए किताबें पढ़ने की अच्छी आदत के मालिक हो चुके हैं।

तनाव कम होता है

किताब पढ़ना आपके तनाव को कम करता है, क्योंकि यह एक तरह की शांतिपूर्ण गतिविधि होती है। यह ऐसी गतिविधि नहीं है, जो आपके विचारों को उत्तेजित करे। हां, किताब पढ़ने के दौरान यह जरूर देखें कि आप किस तरह की किताब पढ़ रहे हैं। याद रहे कि अवसाद और तनावग्रस्त होने पर हमेशा दिमाग को शांत करने वाली या फिर मन को हल्का करने वाली किताब ही पढ़ें, आपको अच्छा लगेगा।

अकेलापन दूर होता है

किताब पढ़ने का एक फायदा यह है कि ये आपका अकेलापन दूर करती है। आप दुनिया में कहीं भी चले जाएं, किताब आपको कभी अकेला नहीं छोड़ेगी। किताब तनाव से दूर ले जाती है और उन विचारों से दूर ले जाती है, जो आपको परेशान करते हैं।

फालतू बातों पर लगाम

किताब पढ़ने का एक फायदा यह है कि तनाव के दौरान तरह-तरह की फालतू बातें दिमाग में आती हैं। ऐसे में मन शांत रहे, यह काम मुश्किल हो जाता है। दिमाग में आई फालतू बातों पर लगाम लगाने का काम करती हैं किताबें। तनाव में किताब पढ़ने से दिमाग में मौजूद फालतू बातें बाहर निकल जाती हैं, क्योंकि आप एकाग्रचित्त हो कर किताब पढ़ रहे होते हैं।

सोचने की क्षमता का विकास

पढ़ना एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें आपको अपने शरीर को भी कष्ट नहीं पहुंचाना होता है। तनाव के दौरान यूं भी कुछ करने का मन नहीं करता। ऐसे में आप चुपचाप कहीं भी बैठ कर आराम से कोई किताब पढ़ सकते हैं। कई बार हम स्वकेंद्रित हो जाते हैं। कुछ नया नहीं सोच पाते हैं, सिर्फ और सिर्फ खुद के बारे में सोचने लगते हैं, पर किताब पढ़ने के दौरान आपके सामने कई सारी ऐसी बातें होती हैं, जो आप पर केंद्रित नहीं होती हैं। ऐसे में एक तरह से आपकी अन्य बातों को सोचने की क्षमता का विकास ही होता है।

मस्तिष्क का व्यायाम

पढ़ना एक प्रकार बेहतर तरीके से मस्तिष्क को उद्दीप्त करना करता है, जोकि टीवी देखने या रेडियो सुनने से कभी नहीं हो सकता। फिर भले ही आप कोई नया थ्रिलर पढ़ रहे हों या फिर अपने डीवीडी प्लेयर का अनुदेश मैनुअल, पढ़ने से आपका मस्तिष्क संलग्न रहता है और उसकी एक्सरसाइज होती है।

याददाश्त बढ़ती है

जो लोगो पढ़ाई करते रहते हैं उनकी याददाश्त तेज होती है। टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने की तुलना में पढ़ाई करने वालों का दिमाग अधिक तेज होता है। इसके अलावा पढ़ने की आदत व्यक्ति के सोचने और समझने की क्षमता को भी बढ़ाती है।

दिमाग जवां रहता है

पढ़ने की आदत से इंसान का दिमाग हमेशा जवां रहता है। एक शोध के अनुसार, वे लोग जो रचनात्मक कामों जैसे पढ़ाई आदि में अधिक समय बिताते हैं, उनका दिमाग ऐसा न करने वाले लोगों की तुलना में 32 प्रतिशत तक अधिक युवा बना रहता है।

अल्जाइमर से बचाव

अल्जाइमर उम्रदराज लोगों में होने वाला एक मानसिक रोग है, जिसके कारण व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। जो दिमागी गतिविधियों जैसे, पढ़ाई, चेस खेलना, पजल हल करना आदि में व्यस्त रहते हैं।

फंकी लुक और पार्टी वेयर 'किमोनो' है ट्रैंड में

फैशन जगत में भी लुक ईस्ट पॉलिसी पर फोकस किया जा रहा है। जापानी गुड़िया पर सजने वाली चीजें अब दुनिया के हर कोने के साथ-साथ भारत में भी खासी पसंद की जा रही हैं। 'किमोनो' भी इनमें से एक है। जो बहुत ही ट्रेंडी हैं। इस ढीले-ढाले परिधान को किसी भी ड्रेस के ऊपर पहना जा सकता है। इसे मॉडर्न आउटफिट कम टेड्रिशनल कहा जा रहा है। बॉलीवुड हमेशा से ही ट्रेंड सेटर रहा है। दीपिका पादुकोण ने 'किमोनो' को भी काफी पापुलर बना दिया है। गल्सज् अपने आप को डिफरेंट और अट्रैक्टिव दिखाने का प्रयास कर रही हैं, इसलिए यूनिक और स्टाइलिश 'किमोनो' टॉप्स में हैं। ये काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। अब गर्ल्स भी 'किमोनो' टॉप्स में नजर आ रही हैं जो की उन्हें अट्रैक्टिव लुक दे रहा। ये लुक टीनेजर्स को बहुत लुभा रहा है। 'किमोनो' टॉप्स कलरफूल और सिम्पल लुक में भा रहे हैं। प्लेन और प्रिंटेड 'किमोनो' को जींस या पैंट्स के ऊपर पहन सकते हैं।

स्टाइलिश क्रेप व 'किमोनो' चलन में

कैजुअल लुक, फंकी लुक और पार्टी वेयर लुक के अलावा स्टाइलिश क्रेप और 'किमोनो' काफी चलन में है। नेट 'किमोनो' भी प्रचलित में है। मिनी स्कर्ट या शॉर्ट्स, फुल स्किनी ट्राउजर के साथ इसे कैरी कर सकते हैं और इसमें अटैच बेल्ट से इसे कमर में टाइट कर सकते हैं। ये बैक साइड से पूरा कवर होता है और सामने से हाफ ओपन होता है ताकि अंदर जो जीन्स और स्कर्ट पहना है वो नजर आ सके। ये गर्ल्स को स्टाइलिश लुक दे। जापानी 'किमोनो' का डिजाइनर आउटफिट्स काफी लड़कियों को लुभा रहा है जो स्लीवलेस कुर्ती और टी सर्ट के साथ कैरी किया जा रहा है।

फॉलो कर रही हैं

इस सीजन में सबसे ज्यादा चलन में है तो वो है 'किमोनो'। गर्ल्स ये ट्रेंड फॉलो कर रही हैं। यही नहीं इसमें भी नए-नए इन्नोवेशन देखने को मिल रहे हैं।

इसे जींस के साथ कैरी किया जा सकता है तो वहीं प्लाजो के साथ भी इसे पहना जा सकता है। कैजुअल लुक, फंकी लुक और पार्टी वेयर लुक के लिए भी इसे ट्राय कर सकते हैं। ये नया ट्रेंड है और कूल भी है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**